ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष चतुर्थी 12:54 उपरांत मूल विक्रम संवत 2083

आज का मौसम 29.0° अधिकतम तापमान 17.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.30 सूर्यास्त 06.49

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| बरेली |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

मंगलवार, 5 मई 2026, वर्ष 7, अंक 160, पृष्ठ 14+4 ■ मूल्य 6 रुपये

बंगाल-असम में भगवा आंधी

पूर्वी भारत के राजनीतिक मानचित्र पर आज एक ऐसा 'भगवा सूर्योदय' हुआ है, जिसने दशकों पुराने स्थापित समीकरणों को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया है। पश्चिम बंगाल से लेकर असम की वादियों तक चली प्रचंड 'भगवा आंधी' में विपक्ष के तमाम किले ताश के पत्तों की तरह ढह गए। पश्चिम बंगाल में पिछले 15 वर्षों से राज्य की सत्ता पर काबिज ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस का किला ढह गया है। भाजपा यहां 200 से ज्यादा सीटों पर जीत हासिल करके पहली बार सत्ता पर काबिज होने जा रही है। असम के चुनावी नतीजों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि पूर्वोत्तर में भगवा रंग अब स्थायी हो चुका है। पहले गठबंधन के सहारे सरकार चलाने वाली भाजपा ने पहली बार स्पष्ट बहुमत हासिल किया है।

प.बंगाल में पहली बार खिला कमल, असम में हिमंता सरकार दोबारा, पुडुचेरी में भी एनडीए

कोलकाता/ नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की राजनीति में सोमवार को एक नया इतिहास रचा गया। मां, माटी, मानुष के नारे को पीछे छोड़ते हुए बंगाल की जनता ने इस बार 'परिवर्तन' के पक्ष में मतदान किया। भाजपा ने 294 सीटों वाली राज्य विधानसभा में देर रात तक 206 सीटों पर जीत का परचम फहराया। तृणमूल कांग्रेस केवल 81 सीटों पर ही जीत हासिल कर सकी। कांग्रेस ने दो सीटें जीतीं और आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) ने भी दो ही सीटों पर विजय प्राप्त की है। 2021 के विधानसभा चुनाव में बड़ा बदलाव देखा गया, जहां तृणमूल ने 47.94 प्रतिशत मतों के साथ 213 सीटें जीतकर अपनी पकड़ मजबूत की थी, जबकि भाजपा 38.13 प्रतिशत वोट शेयर के साथ 77 सीटों पर सिमट गई थी। इस चुनावी मैदान में एक तरफ जुझारू ममता बनर्जी ने अपनी पूरी शक्ति झोंक दी थी, लेकिन सत्ता विरोधी लहर और विकास के वादों के सामने उनकी घेराबंदी विफल रही। आखिरकार, कोलकाता के मुख्यालय से लेकर सुदूर गांवों तक भगवा की लहर दौड़ गई है और बंगाल की धरती पर पहली बार कमल खिला है। मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की मुखिया ममता बनर्जी भी भाजपा के शुभेन्दु अधिकारी से भवानीपुर सीट से 15000 मतों से हार गईं।

- **ऐतिहासिक परिवर्तन: तृणमूल के 15 साल के शासन का अंत**
- **भवानीपुर सीट पर भाजपा के शुभेन्दु अधिकारी से 15000 वोटों से हारीं ममता बनर्जी**

असम में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) दो-तिहाई बहुमत हासिल करने के बाद लगातार तीसरी बार सरकार बनाने के लिए तैयार है। राजग ने 126 सदस्यीय विधानसभा में 102 सीटों पर जीत दर्ज की। उसके सहयोगी दलों बोडो पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) और असम गण परिषद (एजीपी) को 10-10 सीट पर जीत मिली है। भाजपा ने कुल 82 सीटें जीतीं। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कांग्रेस उम्मीदवार बिदिशा नियोग को 89,434 मतों से हराकर लगातार छठी बार जालुकबारी निर्वाचन क्षेत्र से जीत हासिल की। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गौरव गोगोई जोरहाट में अनुभवी नेता और मौजूदा भाजपा विधायक हितेंद्रनाथ गोस्वामी से 23,181 मतों के अंतर से हार गए। भाजपा के चुनाव जीतने वाले प्रमुख नेताओं में मंत्री अजंता नियोग (गोलाघाट), रानोज पेगु (धेमाजी), पीजूष हजारिका (जागीरोड), कौशिक राय (लखीपुर), प्रशांत फूकन (डिब्रूगढ़), कृष्णेंदु पॉल (पाथरकांडी) और बिमल बोरा (तिंगखोंग) शामिल हैं। विधानसभा अध्यक्ष बिस्वजीत दैमारी ने यूपीपीएल के पूर्व बीटीसी प्रमुख प्रमोद बरो को हराकर तामुलपुर निर्वाचन क्षेत्र से जीत हासिल की। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने चुनाव में राजग के इस प्रदर्शन के लिए जनता का आभार जताते हुए कहा कि यह सरकार के अच्छे काम और राज्य के विकास पर प्रधानमंत्री मोदी के जोर का प्रतिबिंब है। दावा किया कि एक-दो को छोड़कर विपक्ष में कोई हिंदू विधायक नहीं होगा।

पश्चिम बंगाल

सीट : 294 बहुमत : 147

भाजपा	टीएमसी	अन्य
206	81	06

असम

सीट : 126 बहुमत : 64

भाजपा+	कांग्रेस	अन्य
102	21	03

सियासी भागीरथी का महासंगम

गंगोत्री से गंगासागर तक अब भगवा

भारतीय राजनीति के मानचित्र पर आज एक ऐसी इबारत लिखी गई है, जिसकी गूंज हिमालय की कंदराओं से लेकर बंगाल की खाड़ी तक सुनाई दे रही है। उत्तराखंड की पहाड़ियों में स्थित गंगोत्री से शुरू हुई भाजपा की वैचारिक धारा अब पश्चिम बंगाल के गंगासागर तक पहुंच कर एक अखंड राजनीतिक प्रवाह में बदल गई है। बंगाल चुनाव 2026 के इन ऐतिहासिक परिणामों ने न केवल सत्ता का केंद्र बदला है, बल्कि भाजपा के गंगोत्री से गंगासागर तक वाले भाजपा के नारे को हकीकत बना दिया है

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सोनार बांग्ला के आह्वान, अमित शाह की अभेद्य रणनीति और योगी आदित्यनाथ के प्रखर नेतृत्व ने मिलकर बंगाल की खाड़ी में वह राजनीतिक सुनामी पैदा की, जिसने दशकों पुराने किलों को ध्वस्त कर दिया। यह जीत इसलिए भी खास है क्योंकि यह उत्तर भारत के सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और पूर्वी भारत की बौद्धिक चेतना के मिलन का प्रतीक बन गई है।

देश के 21 राज्यों में एनडीए का दबदबा

विपक्ष के लिए नई चुनौतीबंगाल की इस जीत के साथ ही भारत के राजनीतिक नक्शे पर भाजपा और उसके सहयोगियों एनडीए का प्रभाव अब 21 राज्यों तक विस्तृत हो गया है। उत्तर प्रदेश, गुजरात, राजस्थान और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में अपनी जड़ें मजबूत करने के बाद, अब बंगाल और ओडिशा जैसे पूर्वी राज्य भाजपा के नए 'पावर हाउस' बनकर उभरे हैं। बंगाल की इस जीत ने भाजपा को वह ऊर्जा दी है जिससे वह कन्याकुमारी से लेकर कश्मीर तक एक बार फिर नए सिरे से 'अजेय' होने का दावा कर रही है।

योगी के प्रखर हिंदुत्व और बुलडोजर मॉडल से बंधा जीत का सेहरा

कोलकाता : पश्चिम बंगाल के चुनाव परिणामों में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक बढ़त के पीछे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का 'प्रखर हिंदुत्व' और 'सुरक्षा मॉडल' एक बड़ा कारक बनकर उभरा है। योगी आदित्यनाथ ने इस चुनाव में भाजपा के पक्ष में 20 से अधिक रैलियां और रोड शो किए।विश्लेषणों के अनुसार, योगी आदित्यनाथ ने जिन प्रमुख सीटों पर प्रचार किया, उनमें से 75% से अधिक सीटों पर भाजपा ने शानदार जीत दर्ज की है। उन्होंने अपनी सभाओं में 'बुलडोजर' और 'भ्रष्टाचार मुक्त शासन' के यूपी मॉडल की बात की, जिसे बंगाल की जनता ने हाथों-हाथ लिया। सोनामुखी, मालदा और पुरुलिया जैसे क्षेत्रों में उनकी रैलियों ने ध्रुवीकरण और जमीनी कार्यकर्ताओं के उत्साह को नई ऊंचाई दी।

मोदी-शाह-योगी: विजय के तीन शिल्पकार

पीएम मोदी ने जहां बंगाल के घर-घर में विकास की उम्मीद जगाई, वहीं अमित शाह के 'बूथ-मैनेजमेंट' ने हर चुनौती को मात दी। दूसरी ओर, योगी आदित्यनाथ की रैलियों ने पूरे बंगाल में हिंदुत्व और सांस्कृतिक गौरव का वह ज्वार पैदा किया, जिसने चुनाव को पूरी तरह 'भगवा' रंग में रंग दिया। आज ये तीनों नेता बंगाल के मानचित्र पर खड़े होकर देश को एक नए 'राजनीतिक एकीकरण' का संदेश दे रहे हैं।

यूडीएफ ने केरलम में सत्ता हासिल की

सीट : 140 बहुमत : 71

यूडीएफ	एलडीएफ	भाजपा
102	35	03

तिरुवनंतपुरम। कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) ने केरल विधानसभा चुनावों में 102 सीटें जीतकर दो तिहाई से अधिक बहुमत के साथ ऐतिहासिक सफलता हासिल करते हुए 10 साल बाद सत्ता में जबरदस्त वापसी की है। 140 सदस्यीय विधानसभा के सोमवार को घोषित नतीजों के अनुसार कांग्रेस को 63 सीटें मिली हैं जबकि उसके गठबंधन यूडीएफ में शामिल इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) को 22, केरल कांग्रेस को सात और रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी को तीन सीटें मिली हैं। यूडीएफ से संबद्ध चार निर्दलीय उम्मीदवारों ने भी जीत हासिल की है। दूसरी ओर माकपा के नेतृत्व वाले एलडीएफ को बुरी तरह हार का सामना करना पड़ा। एलडीएफ की करारी हार के बाद पिनरायी विजयन ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया, जिससे उनका एक दशक लंबा कार्यकाल समाप्त हो गया। माकपा को 26 सीटें ही मिल पायी हैं।

अब टीवीके सबसे बड़ी पार्टी

थलपति विजय

चेन्नई। अपनी सुपरहिट फिल्मों की तरह, जिनमें वह एक हीरो के तौर पर दुश्मनों का सफाया करते हैं, अभिनेता विजय ने तमिलनाडु के चुनावी मैदान में धमाकेदार शुरुआत की है। विजय ने अपने पहले ही चुनाव में द्रविड़ राजनीति के उस मजबूत किले को ढहा दिया है, जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी।

उन्होंने अकेले अपने दम पर तमिलगा वेट्री कषगम (टीवीके) को शानदार जीत दिलाई है। उन्होंने न केवल सत्ताधारी द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) को पछाड़ा, बल्कि अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) जैसी सशक्त पार्टी को तीसरे नंबर पर धकेल दिया। इस चुनाव में द्रमुक अध्यक्ष एम.के. स्टालिन को भी कोलाथुर सीट पर हार झेलनी पड़ी है। उनके साथ ही दिग्गज मंत्री दुरईमुरुगन समेत कई बड़े मंत्रियों को अपने ही गढ़ में शिकस्त मिली है।

स्टालिन को टीवीके उम्मीदवार वी.एस. बाबू ने 9,000 से ज्यादा मतों से हराया है। कोलाथुर से लगातार तीन बार जीत चुके श्री स्टालिन की यह पहली हार है। पहली बार चुनाव लड़ रही टीवीके सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है, हालांकि वह बहुमत के लिए जरूरी 118 सीटों के जादुई आंकड़े से थोड़ी पीछे रह गई है। विजय ने खुद चेन्नई की पेरम्बूर और त्रिची पूर्व, दोनों सीटों से भारी मतों से जीत हासिल की है।

विजय ने अपने करोड़ों प्रशंसकों को एक मजबूत वोट बैंक में बदल दिया। उन्होंने खुद को एक 'द्रविड़ विकल्प' के रूप में पेश किया और वह सफलता पाई जो बड़ी राष्ट्रीय पार्टियां 1967 के बाद से कभी हासिल नहीं कर सकीं।

तमिलनाडु

सीट : 234 बहुमत : 118

टीवीके	एडीएमके+	डीएमके	अन्य
108	47	59	20

- **द्रविड़ राजनीति के मजबूत किले को ढहाकर विजय का शानदार शुरूआत, अपनी सीट भी नहीं बचा सके स्टालिन**

पुडुचेरी में फिर खिला 'कमल' एनडीए की शानदार वापसी

सीट : 30 बहुमत : 16

एनडीए	कांग्रेस	अन्य
18	06	06

केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव 2026 के परिणामों ने एक बार फिर एनडीए के पक्ष में स्पष्ट जनादेश दिया है। मुख्यमंत्री एन. रंगासामी के नेतृत्व वाले ऑल इंडिया एनआर कांग्रेस और भाजपा गठबंधन ने अपनी सत्ता बरकरार रखते हुए बहुमत का जादुई आंकड़ा पार कर लिया है। रंगासामी ने अपनी पारंपरिक सीट थट्टनचावडी से 4,441 मतों के अंतर से जीत दर्ज कर अपनी लोकप्रियता साबित की है।दिग्गजों की जीत और बड़े उलटफेरइस चुनाव में न केवल रंगासामी ने जीत हासिल की, बल्कि भाजपा के कद्दावर नेता ए. नमस्वयम ने भी मन्नडिपेट सीट से 6,110 वोटों के बड़े अंतर से जीत दर्ज की है। कांग्रेस के दिग्गज नेता वी. वैथिलिंगम को थट्टनचावडी में करारी हार का सामना करना पड़ा, जहां वे चौथे स्थान पर रहे। विधानसभा अध्यक्ष आर. सेल्वम और विपक्ष के नेता आर. शिवा जैसे बड़े चेहरे भी अपनी सीटें बचाने में नाकाम रहे।

नई दिल्ली स्थित भाजपा कार्यालय पहुंचने पर मोदी का किया गया भव्य स्वागत। ● एजेंसी

लोकतंत्र पर भरोसे का दिन : मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि पश्चिम बंगाल में भाजपा की ऐतिहासिक जीत के साथ अब गंगोत्री से लेकर गंगासागर तक कमल ही कमल खिला हुआ है। उन्होंने सभी दलों से बदले के बजाय बदलाव के लिए काम करने का आह्वान किया। पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत के बाद भाजपा मुख्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि यह देश के उज्ज्वल भविष्य की उद्घोषणा का दिन है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि यह भारत के महान लोकतंत्र पर भरोसे का दिन है, काम करने की राजनीति पर भरोसे का दिन है, स्थिरता के संकल्प पर भरोसे का दिन है और एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना पर भरोसे का दिन है। उन्होंने विजय समारोह में कहा कि मैं पश्चिम बंगाल, असम, पुडुचेरी, तमिलनाडु और केरल की जनता को नमन करता हूं। समारोह में भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन, केंद्रीय मंत्री अमित शाह और राजनाथ सिंह सहित पार्टी के अन्य नेता उपस्थित थे। पिछले साल 14 नवंबर को, जब बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित हुए थे, मोदी ने इसी स्थान से भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा था कि गंगा बिहार से पश्चिम बंगाल के गंगा सागर तक बहती है। उन्होंने कहा कि और आज, पश्चिम बंगाल में जीत के साथ, गंगोत्री (उत्तराखंड) से गंगा सागर (पश्चिम बंगाल) तक कमल ही कमल खिला हुआ है। मोदी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में लोकतंत्र के इस उत्सव में भय नहीं, बल्कि लोकतंत्र की जीत हुई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जीत और हार लोकतंत्र और राजनीति का स्वाभाविक हिस्सा है, लेकिन इन पांच राज्यों की जनता ने दुनिया को दिखा दिया है कि क्यों हमारा देश लोकतंत्र की जननी है। उन्होंने कहा कि हमारे लिए लोकतंत्र सिर्फ एक व्यवस्था नहीं है, यह हमारी रगों में दौड़ता हुआ संस्कार है।

भाजपा मुख्यालय पर जश्न

- **प्रधानमंत्री ने कहा -हमारे लिए लोकतंत्र सिर्फ एक व्यवस्था नहीं है, हमारी रगों में दौड़ता हुआ संस्कार**

बंगाली बाबू बनकर पहुंचे मोदी

प्रधानमंत्री मोदी बंगाली बाबू बनकर पार्टी कार्यकर्ताओं के जश्न में शरीक हुए। पूरा भाजपा मुख्यालय बंगालमय हुआ नजर आया। कार्यकर्ता ढोल-नगाड़ों की थाप पर थिरकते और जय श्रीराम के नारे लगाते नजर आए। मतगणना शुरू होने और शुरुआती रुझानों में ही भाजपा को बढ़त मिलते देख कर यहां जश्न की तैयारियां शुरू हो गयी थी। पार्टी दफ्तर में आने वाले कार्यकर्ताओं के लिए ललीज व्यंजन बनने लगे थे। शाम करीब सात बजे मोदी पार्टी मुख्यालय पहुंचे, जहां पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने उनका स्वागत किया। वह सफेद कुर्ता और तसर सिल्क धोती पहने नजर आए, जिसकी बाउंड्री लाल रंग की थी। इस परिधान को बंगाली संस्कृति का प्रतीक माना जाता है। प्रधानमंत्री ने लाल बॉर्डर वाला अंगोछा भी ले रखा था। श्री मोदी के पोषाक ने वहां उपस्थित लोगों को ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। मोदी जब पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करने के लिए पहुंचे, पार्टी के नेताओं ने फूलों के हार से उनका स्वागत करना चाहा, लेकिन श्री मोदी ने उन्हें रोक दिया और उस हार को लेकर उन्होंने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन को पहना दिया।

अंग बंग कलिंग जीता, मां माटी मानुष पड़ा फीका

10 साल में तीन से 77 के बाद भारतीय जनता पार्टी ने लगाया सीटों का दोहरा शतक

मनोज त्रिपाठी, अमृत विचार

पश्चिम बंगाल दशकों से भाजपा के लिए एक अधूरे प्रोजेक्ट जैसा था। भाजपा के पूर्ववर्ती जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी जिन्होंने देश में हिंदुत्व की दिशा को धार दी, इसी राज्य के थे। ऐसे में बंगाल की जीत भाजपा के लिए बड़ी वैचारिक सफलता की ध्वज वाहक भी है। इस बार पार्टी ने ममता की विफलताओं को उजागर करने के साथ रणनीतिक कौशल दिखाया। आक्रामक अभियान चलाकर हिंदू मतदाताओं का बड़ा हिस्सा अपनी तरफ आकर्षित करने के साथ महिला सुरक्षा को इतना बड़ा मुद्दा बना दिया कि ममता सरकार की कल्याणकारी योजनाएं फीकी पड़ गईं। इसी के साथ पार्टी का अंग-बंग और कलिंग' (बिहार, बंगाल और ओडिशा) में सत्ता हासिल करने का पुराना सपना भी साकार हो गया।

अंग-बंग और कलिंग' का जयघोष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान किया था। किसी समय यही त्रिकोण भारत की दिशा और दशा तय करता था। भाजपा अंग और कलिंग पर तो पहले से ही काबिज ही थी, अब पहली बार बंग पर भी भगवा झंडा फहरा दिया है। पश्चिम बंगाल में साल 2016 में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा को तीन सीटें मिली थीं। यहां से 2021 के चुनाव में पार्टी 77 सीटों पर पहुंची और इस बार कमाल दिखाते हुए सीटों की संख्या के लिहाज से दोहरा शतक लगाने के साथ मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को भी भवानीपुर में धूल चटा दी।

एम फैक्टर से ही तोड़ा
टीएमसी का तिलिस्म

पश्चिम बंगाल की राजनीति में ममता बनर्जी ने अपनी पार्टी तृणमूल कांग्रेस के लिए 'मां, माटी, मानुष' का गढ़ा और 2011 के विधानसभा चुनाव में 34 साल पुरानी वाम सरकार को हरा दिया। 2016 और 2021 में भाजपा पर भी यह नारा जमकर भारी पड़ा। लेकिन 2026 के चुनाव में यह नारा भाजपा और टीएमसी के बीच तीखे वैचारिक संघर्ष का केंद्र बन गया। मोदी ने प्रचार अभियान में हमला बोलते हुए कहा कि आज 'मां' रो रही है, 'माटी' असुरक्षित है और 'मानुष' भयभीत हैं। पार्टी ने टीएमसी के नारे को उसके मुस्लिम प्रेम, महिला असुरक्षा और ममता की विफलता का नैरेटिव बना दिया।

75 साल बाद साकार हुआ सपना

वर्ष 1951 में श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने भारतीय जनसंघ का गठन किया था। इसी भारतीय जनसंघ ने आगे चलकर मौजूदा भारतीय जनता पार्टी का रूप ले लिया। जनसंघ की स्थापना के 75 साल बाद अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की अगुवाई में पार्टी ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बंगाल के सपने को साकार कर दिखाया

6 साल ममता के साथी, 6 साल में पलटी पूरी बाजी

तृणमूल कांग्रेस को सत्ता तक पहुंचाने वाले नंदीग्राम आंदोलन के मुख्य वास्तुकार रहे शुभेंदु अधिकारी छह साल तक ममता बनर्जी सरकार में नंबर दो रहे, फिर नाराज हुए तो भाजपा के साथ आकर छह साल में ही पूरी बाजी पलट दी। ऐसे में बड़ा सवाल है कि शुभेंदु अब क्या भाजपा सरकार में नंबर वन यानी मुख्यमंत्री बनेंगे या फिर ममता सरकार की तरह नंबर दो की भूमिका में ही नजर आएंगे। शुभेंदु ने वर्ष 2006 में पहली बार कांथी दक्षिण सीट से तृणमूल कांग्रेस के टिकट पर विधानसभा चुनाव जीता था।

- वर्ष 2009 में उन्होंने तमलुक सीट से लोकसभा का चुनाव लड़ा और जीते। 2014 में उन्होंने इसी सीट पर कब्जा बनाए रखा वर्ष 2016 में उन्होंने नंदीग्राम सीट से विधानसभा का चुनाव जीता और ममता सरकार के दूसरे कार्यकाल में परिवहन मंत्री बने। इस दौरान उनको नंबर दो कहा जाने लगा। लेकिन दिसंबर 2020 में भाजपा का दामन थामने और चार माह बाद 2021 में हुए विधानसभा चुनाव में नंदीग्राम सीट पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को हराने के बाद उनको न सिर्फ ख्याति मिली, बल्कि भाजपा के लिए भरोसेमंद बन गए। विधानसभा में विपक्ष के नेता बनाए गए। इसके बाद बीते पांच साल शुभेंदु लगातार ममता सरकार पर हमलावर रहे और तृणमूल के गढ़ों में सक्रियता और आंदोलनों के जरिये भाजपा की जमीन मजबूत में जुट गए।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव

45.85% भारतीय जनता पार्टी

40.80% तृण मूल कांग्रेस

राजनीतिक दल	वोट %	कुल वोट
भाजपा	45.84%	28164498
टीएमसी	40.80%	25050526
सीपीआई(एम)	4.41%	2706940
कांग्रेस	3.00%	1844604
बसपा	0.18%	112709
एआईएमआईएम	0.09%	55226
अन्य	5.67%	-----

असम विधानसभा चुनाव वोट प्रतिशत

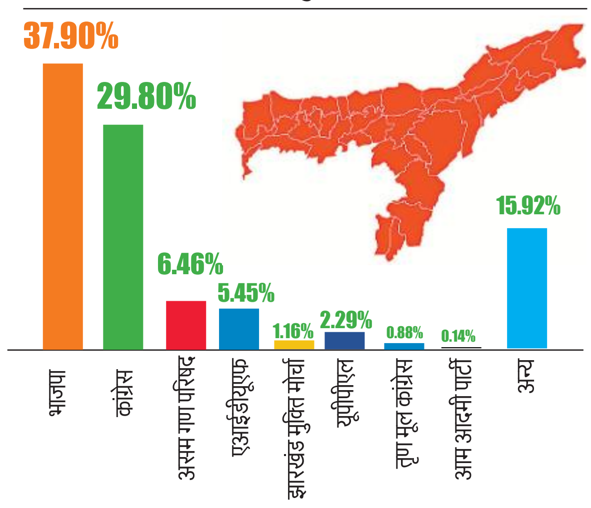

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव वोट प्रतिशत

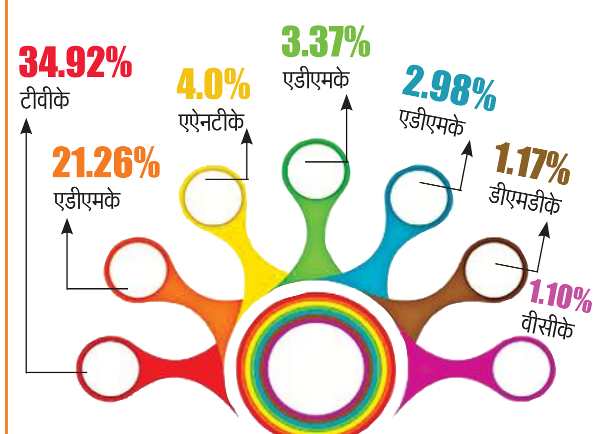

22 राज्यों में एनडीए सरकार 17 जगह भाजपा के मुख्यमंत्री

- देश के 22 राज्यों में अब एनडीए की सरकार और 17 राज्यों में भाजपा के मुख्यमंत्री होंगे। अब सिर्फ आठ राज्यों जम्मू-कश्मीर, हिमांचल प्रदेश, पंजाब, झारखंड, तेलंगाना, कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल में भाजपा या उसके गठबंधन की सरकार नहीं है। इससे पहले 2018 में 21 राज्यों में एनडीए की सरकार थी। लेकिन इन पांच राज्यों के चुनाव के साथ भाजपा ने अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

लोकसभा चुनाव की परछाई से पीछा छूटा

- वर्ष 2024 के लोकसभा चुनावों में बहुमत के आंकड़े से पीछे रह जाने के बाद भाजपा ने महाराष्ट्र, हरियाणा, बिहार, दिल्ली, ओडिशा के बाद अब पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी में भगवा ध्वज लहराकर अपनी स्थिति काफी मजबूत कर ली है। खासकर पश्चिम बंगाल में मिली जीत ने पार्टी के दायरे को आगे बढ़ाने के साथ आत्मविश्वास आसमान पर पहुंचा दिया है।

85% रहा योगी का बंगाल में स्ट्राइक रेट

- बंगाल में उत्तर प्रदेश के मुखमंत्री आदित्यनाथ योगी ने पश्चिम बंगाल में जिन 22 सीटों पर प्रचार किया था, उनमें से 19 सीटों पर भाजपा ने विजय का भगवा ध्वज लहरा दिया। उत्तर 24 परगना, हुगली, पुरुलिया व बांकुड़ा में योगी की सभाओं में जुटी भारी भीड़ ने माहौल जोशीला बनाकर भाजपा कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा भर दी। सोनामुखी (बांकुड़ा), नंदकुमार (पूर्व मेदिनीपुर), कांथी दक्षिण, बाराबनी, और रामपुरहाट उन प्रमुख सीटों में शामिल रहीं, जिन पर योगी की सभाओं के बाद भाजपा ने टीएमसी पर बढ़त बनाई। योगी ने अपनी रैलियों में कानून-व्यवस्था, बुलडोजर, भ्रष्टाचार और विकास के मुद्दों को प्रमुखता से उठाकर भाजपा के पक्ष में माहौल बनाया।

हिमंत बने असम में हैट्रिक के नायक

श्रीप्रकाश, गुवाहाटी

असम में सत्तारूढ़ भाजपा ने अपनी जीत का सिलसिला बरकरार रखा। साल 2014 से लेकर अब तक हुए हर चुनाव में भाजपा की स्थिति लगातार मजबूत होती जा रही है। इस बार राज्य में अपने दम पर पहली बार भाजपा की पूर्ण बहुमत सरकार बनने जा रही है। भाजपा के ही दम पर उसके सहयोगी दल असम गण परिषद तथा बीपीएफ की भी इस चुनाव में स्थिति अच्छी रही है। भाजपा की इस बड़ी जीत के नायक मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा रहे, जिन्होंने 11 साल के भीतर पार्टी को शिखर पर पहुंचा दिया। साल 2015 में जब वह कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे, तो भाजपा के सिर्फ पांच विधायक थे, जो 2011 के चुनाव में जीते थे।

भाजपा ने 2021 चुनाव में संकल्प पत्र में जो वादे किए थे, उन्हें न सिर्फ शत प्रतिशत, बल्कि उससे आगे जाकर पूरा किया। बीते 5 वर्षों में डेढ़ लाख से अधिक बेरोजगारों को सरकारी नौकरियां स्वच्छ तरीके से दी गईं, जबकि घोषणा पत्र में एक लाख नौकरी का ही वादा था। महिलाओं के लिए अरुणोदय योजना का सफल क्रियान्वयन हुआ। प्रत्येक महीने की 10 तारीख को महिलाओं के खाते में 1250 रुपये पहुंचते रहे। 'लखपति बाईदेउ', 'निजूत मोइना' योजनाओं के साथ ही युवाओं के रोजगार, छात्र-छात्राओं की पढ़ाई से लेकर किसानों तक के लिए कल्याणकारी योजनाएं लागू की गईं। भाजपा सरकार ने बड़े-बड़े पुल, ओवरब्रिज, चौड़ी सड़कें, रिंग रोड, ब्रह्मपुत्र में टनल और कई पुल बनवाए या निर्माणाधीन हैं। डॉ हिमंत बिस्व सरमा ने मुख्यमंत्री की शपथ लेने के बाद से चुनाव प्रचार के अंतिम दिन तक युद्धस्तर पर काम किया तो संगठन ने भी हर दिन चुनाव प्रचार के तरीके से कार्य किया।

विपक्ष के धराशायी होने का कारण

- राज्य की मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस नेतृत्व को लेकर खींचतान से कमजोर होती गई। जनहित से जुड़े मुद्दे उठाने के बदले इसके नेता मुख्यमंत्री के परिवार और भाजपा नेताओं के विरुद्ध प्रचार में लगे रहे। विदेशी घुसपैठियों के विरुद्ध भाजपा सरकार द्वारा की गई कार्रवाई का कांग्रेस ने लगातार विरोध किया। पार्टी अध्यक्ष गौरव गोगोई नामांकन पत्र दाखिल करने से पहले जोरहाट में मजार पर माथा टेकने पहुंचे। कांग्रेस की इसी नीति से नाराज पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेन बोरा और सांसद प्रद्युत बरदलै जैसे दिग्गज नेता चुनाव के मौके पर भाजपा में शामिल हो गए और चुनाव जीत गए। गठबंधन पर भ्रम की स्थिति रही। विपक्षी गठबंधन संयुक्त रूप से चुनाव प्रचार भी नहीं कर सका। ऐसें में कांग्रेस विदेशी घुसपैठी बहुल सीटों तक ही सिमट कर रह गई। रही सही कसर कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा ने पूरी कर दी। उन्होंने मुख्यमंत्री की पत्नी पर गंभीर आरोप लगाए, फिर उन पर डटकर खड़े रहने के बदले भागते फिरे, जिसका उल्टा असर मतदाताओं पर पड़ा।

50 साल बाद देश में कहीं नहीं वाम दल की सरकार

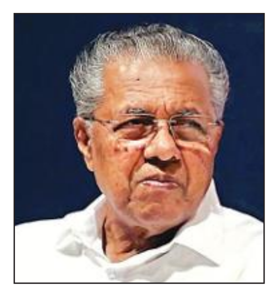

- केरल में यूडीएफ की जीत और एलडीएफ की हार के साथ वाम दलों का आखिरी किला भी ढह गया। ऐसा पहली बार होगा जब 1970 के दशक के बाद देश के किसी भी राज्य में वाम दल की सरकार नहीं होगी। देश में सबसे लंबे समय तक 1977 से 2011 तक पश्चिम बंगाल में सीपीआईएम की सरकार रही थी। इसके साथ ही 1998 से से लेकर 2018 तक त्रिपुरा में भी लेफ्ट फ्रंट की सरकार रही थी। केरल में साल 2016 से 2026 तक दो बार लेफ्ट फ्रंट की सरकार सत्ता में रही।

केरल विधानसभा चुनाव वोट प्रतिशत

भाजपा	11.42%	2466178
भाकपा	6.64%	1434524
सीपीआई(एम)	21.77%	4700662
कांग्रेस	28.79%	6217918
आईयूएमएल	11.01%	2378053
केईसी	2.43%	525323
केईसी(एम)	2.60%	561157
अन्य	15.37 %	---

अहंकार और भ्रष्टाचार ने डुबोई ममता दीदी की नैया

जेके सिंह, कोलकाता

अमृत विचार। अहंकार और भ्रष्टाचारियों के बचाव के साथ मुस्लिम परस्ती के कारण ममता बनर्जी का पतन हुआ और पश्चिम बंगाल में भगवा लहर बनी। साल 2011 के बाद से कोलकाता सहित बंगाल में सफेद साड़ी में लिपटी ममता बनर्जी के पोस्टर लगाए जाते थे, जिनमें नीचे लिखा रहता था- ईमानदारी की प्रतीक। लेकिन 2026 आते-आते इस सफेद साड़ी पर भ्रष्टाचार के बहुत सारे धब्बे लग चुके थे।

सरकारी कर्मचारियों ने इस बार टीएमसी का साथ छोड़ दिया, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद उनके बकाया डीए का भुगतान नहीं किया गया। नियुक्ति घोटाले के कारण 26 हजार टीचरों की बरखास्तगी गले की हड्डी बन गई। इस मामले में भ्रष्टाचारियों के

खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय उनके समर्थन में ममता सुप्रीम कोर्ट तक गई थीं। तत्कालीन शिक्षा मंत्री परेश अधिकारी की बेटी की नियुक्ति अध्यापिका के पद पर अवैध रूप से की गई थी। हाई कोर्ट के आदेश पर उनकी बर्खास्तगी हुई थी। लेकिन इस बार उन्हें फिर टिकट दे दिया गया, नतीजन पुरुलिया जिले में तृणमूल का सूपड़ा साफ हो गया है। राशन घोटाले के प्रमुख अभियुक्त व पूर्व मंत्री ज्योतिप्रिय मल्लिक को फिर पार्टी ने टिकट दिया, जिससे उत्तर 24 परगना में टीएमसी की हवा निकल गई।

सोना, सिलिंडर और फ्री यात्रा ने थलपति विजय को सीएम की कुर्सी के करीब पहुंचाया, सत्ता पाने की सीढ़ी कहीं छोटी न रह जाए, इसलिए कर डाले बड़े- बड़े वादे

49 साल बाद तमिलनाडु में एमजी रामचंद्रन जैसा करिश्मा

दिग्विजय सिंह, अमृत विचार

तमिलनाडु में अभिनेता थलपति विजय की ताजपोशी होना तय है। विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी तमिलगा वेट्री कड़गम ने इतिहास रच दिया है। थलपति विजय मुख्यमंत्री बनने पर पिछले 49 साल का रिकार्ड तोड़ देंगे। एमजी रामचंद्रन द्वारा 1977 के विधानसभा चुनाव में भारी जीत हासिल करने के बाद राज्य में अपनी नई पार्टी खड़ी करके अभिनेता से मुख्यमंत्री बनने वाले दूसरे व्यक्ति होंगे। अभिनेता विजय के सात वादों ने उन्हें मुख्यमंत्री की कुर्सी के करीब पहुंचा दिया।सोना, सिलिंडर, महिलाओं को बसों में मुफ्त यात्रा, 12 वीं तक के बच्चों को प्रत्येक वर्ष 15 हजार रुपये की आर्थिक मदद और बेरोजगारी भत्ता जैसे उनके वादे डीएमके को सत्ता से हटाने में बड़े मददगार बने। सत्ता पाने की सीढ़ी कहीं छोटी न रह जाए, इसलिए उन्होंने बड़े- बड़े वादे कर डाले।

'मैदान में कदम रख दिया तो जीतना ही होगा'

थलपति विजय का फिल्म 'बिगिल' के हिट डॉयलाग ' मैंने एक बार मैदान में कदम रख दिया तो जीतना ही होगा' के साथ सीटी बजाना उनकी जनसभाओं में उमड़ती भीड़ का उत्साह आसमान पर पहुंचा देता था। इससे उनकी फैन फालोइंग वोटों में तब्दील हो गई। चुनाव अभियान आगे बढ़ने के साथ जेन-जी और युवा वोटर्स जो अपनी पारंपरिक पार्टियों से नाराज और बदलाव की तलाश में थे, उनके साथ तेजी से जुड़ते चले गए। ऐसे में विजय को लगा कि मुफ्त की रेवड़ियां बांटने का वादा करके वे सत्ता के शीर्ष पर पहुंच सकते हैं। उन्होंने ऐसा किया भी। गांव- गांव, शहर की हर गली में समर्थक युवाओं की मजबूत टोली ने उनके हर वादे को घूम-घूमकर घर- घर तक पहुंचाया। इसलिए उन्होंने न सिर्फ अन्नाद्रमुक और भाजपा नेताओं के गठबंधन प्रस्ताव को ठुकराया बल्कि द्रमुक की सहयोगी पार्टी कांग्रेस के गठजोड़ के प्रयास को भी सिरे से खारिज किया।

- थलपति विजय न सिर्फ सत्तारूढ़ डीएमके मुखिया एमके स्टालिन पर आक्रमक रहे बल्कि अन्नाद्रमुक और भाजपा को भी उन्होंने खूब खरी खोटी सुनाई। वे यह स्थापित करने में कामयाब रहे कि द्रमुक और अन्नाद्रमुक नहीं बल्कि वे ही सत्ता में आकर वहां के लोगों की तकदीर और तमिलनाडु की तस्वीर बदल सकते हैं। थलपति विजय ने 60 साल उम्र तक की महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने का वादा किया। कहा कि इस उम्र की ऐसी महिलाएं जो घर की मुखिया होंगी, उन्हें 2,500 रुपये प्रतिमाह देंगे। इसके साथ ही उन्होंने हर परिवार को छह एलपीजी गैस सिलिंडर फ्री में देने की बात कही थी। इसके साथ ही बहन-बेटियों के विवाह के लिए आठ ग्राम सोना देने का वादा किया। सिल्क साड़ी देने की उनकी योजना ने भी मतदाताओं का ध्यान खींचा। सोने की बढ़ती कीमतों के बीच आठ ग्राम सोना फ्री मिलने की बात हर मतदाता को अच्छी लगी। कक्षा 1 से 12 तक के स्टूडेंट्स के लिए हर साल 15 हजार की मदद का एलान अभिभावकों को लुभा गया तो सरकारी बसों में महिलाओं के लिए फ्री का वादा भी काम कर गया। ग्रेजुएट्स को चार हजार रुपये और डिप्लोमा धारकों को ढाई हजार रुपये बेरोजगारी भत्ता देने के वादे ने युवाओं को विजय के साथ आने पर मजबूर किया। 5 एकड़ तक जमीन वाले छोटे किसानों का पूरा कर्ज माफ करने और 5 एकड़ से ज्यादा जमीन वाले किसानों का 50 फीसदी कर्ज माफ करने के वादे ने किसानों को उनकी तरफ मोड़ा। अब देखना यह है कि सत्ता शीर्ष पर बैठने के बाद विजय इन वादों को कब और कैसे पूरा करते हैं।

पश्चिम एशिया संकट : बजट अनुमान से अधिक रह सकती है उर्वरक सब्सिडी-10

चुनावी नतीजों से शेयर बाजार में लौटी तेजी सेंसेक्स 356 अंक चढ़ा-10

जहाजों की सुरक्षित आवाजाही के लिए अमेरिका ने होर्मुज में बनाया अलग मार्ग-11

घरेलू मैदान पर अपने रिकॉर्ड में सुधार करने का प्रयास करेगी दिल्ली कैपिटल्स-12

आज का मौसम 29.0° अधिकतम तापमान 17.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.30 सूर्यास्त 06.49

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ, बरेली, कानपुर, मुरादाबाद, अयोध्या, हल्द्वानी

ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष चतुर्थी 12:54 उपरांत मूल विक्रम संवत 2083

मंगलवार, 5 मई 2026, वर्ष 7, अंक 160, पृष्ठ 14+4 ■ मूल्य 6 रुपये

नई ट्रांसफर नीति लागू, तबादले आज से

योगी कैबिनेट ने 29 प्रस्तावों पर लगाई मुहर अधिकतम 10% कर्मचारियों के होंगे तबादले

विभागाध्यक्ष और संबंधित मंत्री मिलकर लेंगे निर्णय, कड़ाई से होगा पालन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में सोमवार को हुई कैबिनेट बैठक में पेश किए गए 31 प्रस्तावों में से 29 प्रस्तावों पर मुहर लगाई गई। सरकार ने वर्ष 2026-27 की ट्रांसफर पॉलिसी को मंजूरी देते हुए इसे तत्काल प्रभाव से लागू करने का फैसला किया है। अब 5 मई से 31 मई तक विभागाध्यक्ष और संबंधित मंत्री मिलकर तबादलों का निर्णय लेगें।

संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने बताया कि 31 मई के बाद सामान्य परिस्थितियों में तबादलों पर रोक रहेगी। साथ ही, किसी भी विभाग में कुल स्वीकृत पदों के अधिकतम 10 प्रतिशत तक ही स्थानांतरण किए जा सकेंगे। इससे मनमानी और अत्यधिक तबादलों पर अंकुश लगाने की कोशिश की गई है। लंबे समय से एक ही स्थान पर तैनात कर्मचारियों के स्थानांतरण को प्राथमिकता दी जाएगी, जिससे कार्य संस्कृति में सुधार और जवाबदेही सुनिश्चित हो सके। नीति के तहत समूह 'क' व 'ख' के ऐसे अधिकारी, जिन्होंने किसी जनपद में 3 वर्ष या मंडल में 7 वर्ष पूरे कर लिए हैं, उनका स्थानांतरण अनिवार्य होगा, जबकि विभागाध्यक्ष/मंडलीय कार्यालय में तैनाती की अवधि इसमें शामिल नहीं होगी। मंडलीय कार्यालय में तैनाती की अधिकतम अवधि 3 वर्ष होगी। समूह 'क' व 'ख' के स्थानांतरण संवर्गवार कार्यरत अधिकारियों की संख्या के अधिकतम 20% और समूह 'ग' व 'घ' के कार्मिकों के स्थानांतरण संवर्गवार कार्यरत कुल कार्मिकों की संख्या के अधिकतम 10% की सीमा तक किए जा सकेंगे। समूह 'ख' व 'ग' के ट्रांसफर यथासंभव मेरिट आधारित ऑनलाइन प्रणाली से होंगे तथा समूह 'ग' में पटल/क्षेत्र परिवर्तन के नियमों का कड़ाई से पालन होगा। दिव्यांग बच्चों के अभिभावकों को सुविधा अनुसार तैनाती, आकांक्षी जनपदों में प्राथमिकता पोस्टिंग और स्थानांतरण सत्र के बाद समूह 'क' व 'ख' के ट्रांसफर हेतु मंत्री के माध्यम से मुख्यमंत्री की स्वीकृति अनिवार्य जैसे प्रावधान भी शामिल किए गए हैं।

लखनऊ में कैबिनेट बैठक में उपस्थित मुख्यमंत्री योगी।

ऊर्जा क्षेत्र : किसानों को मुआवजा और सोलर प्लांट को मंजूरी

ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने बताया कि कैबिनेट ने ऊर्जा विभाग के तीन महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी है। हाईटेंशन लाइनों के टावर से प्रभावित जमीन के लिए अब किसानों को मुआवजा मिलेगा। टावर के नीचे की जमीन और उसके एक मीटर क्षेत्र का दोगुना मुआवजा दिया जाएगा, जबकि तार खींचने वाले हिस्से का 30 प्रतिशत मुआवजा तय किया गया है। इसके अलावा जालौन में 500 मेगावाट का सोलर प्लांट स्थापित किया जाएगा, जिसे उत्तर प्रदेश उत्पादन निगम और कोल इंडिया मिलकर विकसित करेंगे। क्षेत्र में बढ़ती जरूरत को देखते हुए 653 करोड़ रुपये की लागत से 400/220 केवी का नया पावर स्टेशन भी बनेगा।

'एक जनपद-एक व्यंजन' योजना को स्वीकृति

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री राकेश सचान ने बताया कि 'एक जनपद-एक व्यंजन' योजना शुरू की जाएगी, जिसमें गुणवत्ता और पैकेजिंग सुधार पर जोर रहेगा। इसके तहत व्यंजन महासम्मेलन भी आयोजित होगा। संत कबीर टेक्सटाइल्स एंड अपेरल पार्क के तहत नगीना (बिजनौर), बहेड़ी (बरेली), अमरोहा और मगहर में पार्क विकसित किए जाएंगे, जिसके लिए भूमि निःशुल्क उपलब्ध कराई गई है।

अन्य अहम फैसले

- लखनऊ में 540 करोड़ से आउटर रिंग रोड से टेक्सटाइल पार्क तक 6-लेन सड़क
- लोनिवि में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुधारने को नई व्यवस्था
- फिरोजाबाद में अमरदीप विश्वविद्यालय की स्थापना को मंजूरी दी
- एनटीपीसी की परियोजनाओं में फ्लाई ऐश आधारित ईंटों के उपयोग को बढ़ावा
- हाईकोर्ट में ई-सेवा केंद्रों के कर्मचारियों का कार्यकाल 2 से बढ़ाकर 3 वर्ष करने का निर्णय
- वाराणसी में बनेगा टेक्सटाइल पार्क, सहकारी कताई मिल की 251.805 एकड़ भूमि निःशुल्क हस्तांतरित
- टाटा एंटरप्राइजेज के सहयोग से प्रदेश के 150 राजकीय विद्यालयों में बनेंगे ड्रीम स्किल लैब
- झांसी में 300 जल निगम (नगर) के देय जल मूल्य का भुगतान स्वीकृत
- डिजिटल कचरे के सुरक्षित निस्तारण को ई-वेस्ट प्रबंधन नियम 2026 लागू
- कुशीनगर में नया नर्सिंग कॉलेज को 0.405 हेक्टेयर भूमि दी गई निःशुल्क
- ग्रेटर नोएडा में बनेगा 400/220 केवी सबस्टेशन, 653 करोड़ की परियोजना
- बिटुमिन की कीमत बढ़ोतरी पर राहत, ठेकेदारों को मिलेगा समायोजन

अद्भुत दृश्य

अयोध्या में सोमवार दोपहर आंधी-पानी के दौरान राम मंदिर परिसर से एक अद्भुत तस्वीर सामने आई है। कड़कती बिजली के प्रकाश के बीच मंदिर की निराली छटा बिखर गई। बड़ी संख्या में श्रद्धालु भी इस पल के साक्षी बने। ट्रस्ट पहले ही दावा कर चुका है कि राम मंदिर को प्राकृतिक आपदा से बचाने के लिए मंदिर के शिखर पर तड़ित चालक यंत्र स्थापित किया गया है। यह तस्वीर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने सोशल मीडिया पर साझा की है।

प्रदेश में बिजली उपभोक्ताओं को बड़ी राहत, प्रीपेड व्यवस्था खत्म

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **स्मार्ट मीटर पर सरकार का यू-टर्न, अब हर महीने मिलेगा बिल रिचार्ज सिस्टम समाप्त**

अमृत विचारः उत्तर प्रदेश में स्मार्ट मीटर को लेकर चल रहे विवाद के बीच ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने बड़ा फैसला लेते हुए व्यवस्था में महत्वपूर्ण बदलाव की घोषणा की है। अब प्रदेश में लगाए जा रहे सभी स्मार्ट मीटर प्रीपेड के बजाय पोस्ट-पेड प्रणाली पर संचालित होंगे। यानी उपभोक्ताओं को पहले की तरह हर महीने बिल मिलेगा और तत्काल रिचार्ज कराने की बाध्यता समाप्त हो जाएगी।

सरकार के इस फैसले को उपभोक्ताओं के लिए बड़ी राहत के तौर पर देखा जा रहा है। बीते कुछ महीनों में प्रदेश के कई जिलों में स्मार्ट/प्रीपेड मीटर को लेकर विरोध तेज हुआ था। उपभोक्ताओं का कहना था कि प्रीपेड व्यवस्था में बैलेंस खत्म होते ही बिजली कट जाती है, जिससे दैनिक जीवन प्रभावित होता है। वहीं, बिलिंग में पारदर्शिता को लेकर भी लगातार सवाल उठ रहे थे।

ऊर्जा मंत्री ने विभागीय अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि किसी भी उपभोक्ता की बिजली बकाया के कारण तुरंत न काटी जाए। कम से कम एक महीने का समय दिया जाए और बकाया राशि किस्तों में जमा करने की सुविधा सुनिश्चित की जाए। इससे खासकर मध्यम और निम्न आय वर्ग के उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी। साथ ही, बिजली विभाग को शिकायत निस्तारण की प्रक्रिया तेज करने के निर्देश भी दिए गए हैं। कहा गया है कि उपभोक्ताओं की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाए और लापरवाही पर जवाबदेही तय हो।

सूत्रों के अनुसार, स्मार्ट मीटर परियोजना को बंद नहीं किया गया है, बल्कि इसकी कार्यप्रणाली में बदलाव किया गया है। अब इसका उपयोग मीटर रीडिंग को सटीक और पारदर्शी बनाने के लिए किया जाएगा, न कि उपभोक्ताओं पर तत्काल भुगतान का दबाव बनाने के लिए।

क्या बदला

- अब स्मार्ट मीटर होंगे पोस्ट-पेड सिस्टम पर प्रीपेड व्यवस्था खत्म
- उपभोक्ताओं को मिलेगा मासिक बिजली बिल, बकाया भुगतान के लिए किस्त सुविधा लागू
- एक महीने से पहले बिजली काटने पर रोक, शिकायतों का प्राथमिकता पर निस्तारण
- स्मार्ट मीटर रहेंगे, लेकिन केवल पारदर्शिता और रीडिंग के लिए

न्यूज ब्रीफ

रुपया 39 पैसे टूटा, अब तक के सबसे निचले स्तर 95.23 पर

मुंबई। रुपया सोमवार को 39 पैसे टूटकर अब तक के सबसे निचले स्तर 95.23 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच वैश्विक बाजारों में अस्थिरता, तेल की कीमतों में उछाल और मुद्रास्फीति और आर्थिक नरमी की आशंकाएं बढ़ने से घरेलू मुद्रा दबाव में है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड की कीमत 110 डॉलर के आसपास बनी हुई है जिससे भारत जैसी तेल आयात करने वाली अर्थव्यवस्थाएं दबाव में हैं।

शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह बढ़कर 23.40 लाख करोड़ रुपये पर पहुंचा

नई दिल्ली। सरकार का शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह वित्त वर्ष 2025-26 में 5.12 प्रतिशत बढ़कर 23.40 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा। हालांकि यह मार्च 2026 को समाप्त वित्त वर्ष के लिए तय संशोधित बजट लक्ष्य से कम है। 2025-26 के संशोधित अनुमान में संग्रह 24.21 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान जताया था। मूल बजट अनुमान 25.20 लाख करोड़ रुपये था।

आंधी-बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त, 9 की गई जान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/बरेली

- **22 जिलों में तूफानी बारिश, कई जगह पेड़ उखड़े, टंकी क्षतिग्रस्त, शादी के मंडप उड़े**

अमृत विचार : प्रदेश में सोमवार को तेज आंधी-बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त रहा। बरेली, अयोध्या, सीतापुर व बाराबंकी में ओलावृष्टि हुई, जबकि वाराणसी, गोरखपुर, कानपुर समेत 22 जिलों में तेज हवाओं के साथ बारिश ने कहर बरपाया। इस दौरान नौ लोगों की मौत हुई। कई जगह पेड़-पोल व शादी मंडप उखड़ गए। सिद्धार्थनगर में पानी की टंकी ढह गई। मौसम विभाग ने 64 जिलों में अगले कुछ दिनों तक तेज हवाएं और बारिश होने का अलर्ट जारी किया है।

लखनऊ में सुबह अचानक मौसम बदला और दिन में अंधेरा छा गया। करीब डेढ़ घंटे तक तेज बारिश हुई। लखनऊ में मड़ियांव के भरत नगर में दीवार ढहने से अंकित शर्मा (34) की मौत हो गई और मिस्त्री चोटिल हो गया। वहीं बिजली गिरने से बहराइच में 52 वर्ष निवासी नत्थनपुर किसान के अलावा गोंडा में आंधी-पानी से तीन व बलरामपुर में ई-रिक्शा चालक तुलाराम (32) की मौत हो गई है। कासगंज में मकान गिरने से दो बच्चों की मौत हो गई, जबकि संभल में आकाशीय बिजली गिरने से एक बच्ची की जान चली गई। सिद्धार्थनगर में पानी की टंकी क्षतिग्रस्त हो गई और शादी के मंडप उड़ गए। बाराबंकी में सबसे ज्यादा 50 मिमी बारिश हुई। सुल्तानपुर में 35.3 मिमी और गोंडा में 31.5 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई।

डिप्टी सीएम की फ्लाइट फंसी

दिल्ली से लखनऊ आ रही इंडिगो की फ्लाइट 6ई-6476 को खराब मौसम के कारण भोपाल में इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी। विमान में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद और ब्रजेश पाठक सवार थे। लखनऊ एयरपोर्ट पर विमान ने तीन बार उतरने का प्रयास किया, लेकिन सफल नहीं हो सका।

आमजन के बीच रहें अधिकारी

सीएम योगी ने सोमवार सुबह प्रदेश के कई जिलों में हुई आंधी-बारिश व विपरीत मौसम की स्थितियों को देखते आम नागरिकों को होने वाली परेशानियों को लेकर प्रशासन को निर्देश दिए हैं। सीएम ने मौसम से प्रभावित जिलों के जिलाधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रभावित क्षेत्रों में लोगों के बीच जाएं और उनसे सीधा संपर्क करें और राहत कार्यों के लिए समन्वय बनाएं।

होर्मुज से फंसे पोतों को सुरक्षित निकालने में करेंगे मदद : ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी नौसेना होर्मुज में फंसे अन्य देशों के पोतों को सुरक्षित निकालने में सोमवार से मदद करेगी। इसके साथ ही ट्रंप ने साथ ही ईरान को चेतावनी दी कि इस प्रक्रिया में किसी भी तरह के हस्तक्षेप से सख्ती से निपटा जाएगा। ट्रुथ सोशल पर ट्रंप ने कहा कि प्रोजेक्ट फ्रीडम का उद्देश्य उन विदेशी पोतों की मदद करना है जो प. एशिया में हो रहे घटनाक्रम से किसी भी तरह जुड़े नहीं हैं।

पीएम मोदी के प्रति अटूट जनविश्वास का प्रतीक है जीत : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **सीएम योगी ने कार्यकर्ताओं को दी बधाई, जनता का जताया आभार**
- **भाजपा मुख्यालय में मना जश्न ढोल-नगाड़ों पर नाचे डिप्टी सीएम**

अमृत विचारः मुख्यमंत्री योगी ने पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणामों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति देशवासियों के अटूट विश्वास का प्रतीक बताया है। उन्होंने कहा कि यह जनादेश 'नए भारत' और 'विकसित भारत' के संकल्प को नई ऊर्जा प्रदान करने वाला है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अपनी प्रतिक्रिया साझा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व और लोक-कल्याणकारी नीतियों पर जनता का भरोसा लगातार मजबूत हो रहा है। उन्होंने कहा कि चुनाव परिणाम इस बात का प्रमाण हैं कि देश की जनता सुशासन, विकास और राष्ट्रवाद के पक्ष में खड़ी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल में पहली बार, असम में लगातार तीसरी बार और पुडुचेरी में दूसरी बार भाजपा गठबंधन की सरकार बनना जनता के इसी विश्वास का परिणाम है। यह अभूतपूर्व जनादेश प्रधानमंत्री के 'नए भारत' के विजन को और गति देगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह जनादेश देश को आत्मनिर्भर, सशक्त और विकसित बनाने के लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो आने वाले समय में भारत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में सहायक होगा। मुख्यमंत्री ने अपने आवास पर कैबिनेट बैठक से पहले मंत्रियों के साथ जीत का जश्न मनाया। भाजपा मुख्यालय में दोनों उपमुख्यमंत्रियों की मौजूदगी में कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों पर नृत्य करने के साथ आतिशबाजी भी की।

भाजपा की जीत पर मिठाई खिलाते सीएम योगी एवं भाजपा कार्यालय में जश्न मनाते दोनों उपमुख्यमंत्री।

एक साल में ढह गया 3.62 करोड़ का ओवरहेड टैंक, दो इंजीनियर बर्खास्त

संवाददाता, भमोरा/बरेली

- **आलमपुर जाफराबाद ब्लॉक में जल जीवन मिशन के तहत तैयार किया गया था टैंक, जेई निलंबित मलबे में दबने से पांच लोग घायल**

अमृत विचारः आलमपुर जाफराबाद ब्लॉक की ग्राम पंचायत सरदार नगर में जल जीवन मिशन के तहत एक साल पहले 3 करोड़ 62 लाख रुपये से तैयार हुआ नया टैंक ढह गया। सोमवार सुबह बारिश के बाद टैंक के पिलर कमजोर होकर जमीन में धंस गए और शाम को पूरा ढांचा धराशायी हो गया। हादसे में 5 ग्रामीण भी घायल हो गए।

जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने घटना का संज्ञान ले सख्त कार्रवाई की। जल निगम ग्रामीण के जूनियर इंजीनियर को निलंबित कर दिया गया जबकि राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के सहायक अभियंता और अवर अभियंता की सेवाएं समाप्त कर दीं। जल निगम ग्रामीण के सहायक अभियंता के खिलाफ विभागीय जांच और अधिशासी अभियंता कुमकुम गंगवार के खिलाफ नोटिस जारी किया गया है। अधिशासी अभियंता ने रात में ही थाने पहुंचकर एफआईआर दर्ज कराई है। टीपीआई बीएलजी बरेली के सभी कर्मचारियों को हटा दिया गया है और कंपनी पर जुर्माना लगाया गया है। मंत्री ने एनसीसी लिमिटेड और टीपीआई बीएलजी कंपनी को ब्लैकलिस्ट करने का नोटिस जारी किया है। जल शक्ति मंत्री ने मामले की जांच टेक्निकल ऑडिट कमेटी (टीएसी) को सौंपी है। यह कमेटी रिपोर्ट 24 घंटे के भीतर देगी।

टैंक के मलबे में दबकर डोरी लाल, अर्जुन, वीरपाल, रविंद्र और नन्कू उर्फ वेदपाल गंभीर रूप से घायल हो गए। एसएचओ भमोरा पवन कुमार सिंह, सीओ आंवला नितिन कुमार और लेखपाल आलोक कुमार मौके पर पहुंचे। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

सड़क पर बिछा टैंक का मलबा।

टिप्पणी

ईडी को नोटिस जारी नहीं करने पर सुप्रीम कोर्ट ने अपने ही कार्यालय के अधिकारियों पर साधा निशाना

रजिस्ट्री कार्यालय के अधिकारी खुद को समझते हैं सुपर सीजेआई

नई दिल्ली, एजेंसी

- **37,000 करोड़ के निवेश धोखाधड़ी मामले में आरोपी की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए की टिप्पणी**

सुप्रीम कोर्ट ने अपने ही रजिस्ट्री कार्यालय पर निशाना साधते हुए उसके रवैये को अनुचित करार दिया और कहा कि उसके अधिकारी खुद को सुपर सीजेआई समझते हैं। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने 37,000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश धोखाधड़ी के मामले में आरोपी आयुषी मित्तल उर्फ आयुषी अग्रवाल द्वारा दायर जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की।

सीजेआई ने याचिका पर 23 मार्च को पारित एक आदेश का हवाला दिया और आश्चर्य जताया कि रजिस्ट्री अधिकारियों ने यह कैसे समझा कि पीठ ने याचिका पर ईडी और अन्य प्रतिवादियों को नोटिस जारी नहीं किया। सीजेआई ने कहा, रजिस्ट्री ने बिल्कुल अनुचित व्यवहार किया है। रजिस्ट्री का यह रवैया बिल्कुल ठीक नहीं है। यहां बैठा हर व्यक्ति खुद को 'सुपर चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया' समझता है। पीठ ने अपने नए आदेश में कहा, ईडी निदेशक को कोई नोटिस जारी नहीं किया गया है और कहा गया कि ऐसा कोई आदेश पारित नहीं किया गया था। (शीर्ष अदालत के) न्यायिक रजिस्ट्रार इस बात का तथ्यान्वेषण करें कि 23 मार्च के हमारे आदेश का अर्थ ईडी को नोटिस जारी न करना कैसे है। प्रवर्तन निदेशालय को नोटिस भेजा जाए। याचिकाकर्ता आयुषी मित्तल, उनके पति और उनकी कंपनी पर बड़े पैमाने पर निवेश संबंधी धोखाधड़ी करने के आरोप हैं। बचाव पक्ष का दावा है कि निवेशकों को धनराशि का एक बड़ा हिस्सा लौटा दिया गया है, लेकिन फिलहाल ईडी द्वारा 'फ्रीज' किए गए बैंक खातों में कई सौ करोड़ रुपये फंसे हुए हैं।

पीठ ने 23 मार्च को ईडी को कार्यवाही में पक्षकार बनाने का दिया था आदेश

पीठ ने 23 मार्च के अपने आदेश में मामले में पक्षकार राजस्थान सरकार के वकील द्वारा ईडी को कार्यवाही में पक्षकार बनाने के मौखिक अनुरोध को स्वीकार कर लिया था। इसका उद्देश्य यह निर्धारित करना था कि याचिकाकर्ता और उसके परिवार से संबंधित सभी चल और अचल संपत्ति को विधिवत कुर्क किया गया है या नहीं। पीठ ने दोहराया कि संपत्ति का ''विस्तृत विवरण'' प्रदान किए जाने तक वह जमानत याचिका के गुण-दोष पर विचार नहीं करेगी। अदालत ने याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए कानूनी प्रतिनिधि को याचिकाकर्ता, उसके पति, उनके बच्चों, माता-पिता, भाई-बहनों और सास-ससुर की अचल संपत्ति का विस्तृत ब्योरा देते हुए एक हलफनामा दाखिल करने का आदेश दिया था। अदालत ने कंपनी के निदेशकों, प्रबंधकों और प्रमुख कर्मचारियों की संपत्ति का विवरण भी मांगा था। पीठ ने कहा था, जब तक ये संपूर्ण विवरण उपलब्ध नहीं कराए जाते, हम जमानत याचिका पर विचार नहीं करेंगे। न्यायिक रजिस्ट्रार को रजिस्ट्री के भीतर प्रशासनिक चूक की जांच करने का कार्य सौंपा गया है ताकि यह पता लगाया जा सके कि अदालत के पिछले निर्देशों की अनदेखी क्यों की गई। पीठ ने कहा कि वह याचिका को मई में किसी दिन सूचीबद्ध करेगी।

कोलकाता में एक-दूसरे के चेहरे पर गुलाल लगाकर भाजपा की प्रचंड जीत का जश्न मनातीं युवतियां।

एसआईआर : चुनाव आयोग से लड़ती रहीं ममता बनर्जी... भाजपा ने कर दिया 'खेला'

न सत्ताविरोधी लहर को भांप पाईं, न ही भाजपा की रणनीति को

कोलकाता : जीत की खुशी में सराबोर भाजपा समर्थक। ● शुभंकर

अमृत विचार नेटवर्क

कोलकाता। भाजपा ने पश्चिम बंगाल में 2016 के विधानसभा चुनाव में तीन सीटें जीतकर राजनीतिक पारी की शुरुआत की थी। महज 10 साल में पार्टी ने राज्य में इतनी गहरी पैंठ बनाई कि इस बार शानदार ढंग से बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी राज्य की मुख्यमंत्री होते हुए भी अंत तक नहीं भांप सकीं कि उनकी सत्ता के किले को भाजपा ने पिछले कुछ वर्षों में अंदर ही अंदर कितना कमजोर कर दिया है।

तृणमूल कांग्रेस की इस चुनाव में सबसे बड़ी नाकामी यह रही कि वह चुनाव शुरू होने तक राज्य में चल रही सत्ता विरोधी लहर का आंकलन नहीं कर सकी। भाजपा लगातार इस सुलगती आंच को और भड़काने में जुटी रही। तृणमूल नेताओं की मनमानी, भ्रष्टाचार के आरोप और प्रशासनिक सुस्ती ने मतदाताओं को बदलाव के विकल्प की ओर धकेला। इसी बीच भारत निर्वाचन आयोग की ओर से राज्य में एसआईआर की प्रक्रिया शुरू कराई तो तृणमूल कांग्रेस इसी में उलझकर रह गई। चुनाव आयोग के एक-एक निर्णय को लेकर तृणमूल कांग्रेस हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट की दौड़ लगाती रही। भाजपा इस बीच राज्य में अपनी चुनावी गोटें बिछाने में जुटी रही। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल में लंगर डाल लिया। रही-सही कसर चुनाव आयोग की ओर से पश्चिम बंगाल में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की ऐतिहासिक तैनाती ने पूरी कर दी। तृणमूल कांग्रेस के लिए विकल्प लगातार कम होते गए। आखिरकार सोमवार को इसका नतीजा सामने आ गया।

ध्रुवीकरण और हिंदू वोटरों का रुझान

उत्तर बंगाल और दक्षिण बंगाल के कई हिस्सों में हिंदू मतदाताओं का भाजपा के पक्ष में मजबूत ध्रुवीकरण देखा गया। भाजपा ने तृणमूल कांग्रेस पर अल्पसंख्यक तुष्टीकरण का आरोप लगाते हुए धार्मिक पहचान और सांस्कृतिक गौरव को मुख्य चुनावी मुद्दा बनाया। घुसपैठ के मुद्दे को भी भाजपा ने ध्रुवीकरण के लिए हथियार बनाया और टीएमसी को अल्पसंख्यकों के तुष्टीकरण के लिए घुसपैठियों को नजरंदाज करने के आरोप लगाए। पार्टी से निष्कासित होकर चुनाव मैदान में उतरे विधायक हुमायूं कबीर ने भी राज्य के कुछ क्षेत्रों में ध्रुवीकरण को और ज्यादा बढ़ावा दिया।

भावुक हुईं आरजी कर पीड़िता की मां

आरजी कर रेप पीड़िता की मां रत्ना देबनाथ ने पानीहाटी सीट से चुनाव जीता। उन्होंने टीएमसी के तीर्थंकर घोष को 28,836 वोटों से हराया। जीत का प्रमाणपत्र लेने के बाद काफी भावुक नजर आईं रत्ना देबनाथ ने अपनी जीत को दिवंगत बेटी और बंगाल की जनता को समर्पित किया। उन्होंने कहा, अपनी बेटी के लिए वे पूर्ण न्याय की लड़ाई मजबूती से जारी रखेंगी। जब तक वे जीवित हैं, अन्याय के खिलाफ उनका विरोध जारी रहेगा। ररत्ना देबनाथ ने कहा, मैं अपनी बेटी की तरह डॉक्टर तो नहीं बन सकती लेकिन एक जन प्रतिनिधि के रूप में उसके मिशन को आगे बढ़ाना चाहती हूं।

महिलाओं का झुकाव भाजपा की ओर

महिला मतदाताओं का झुकाव भाजपा ने इस चुनाव में महिला मतदाताओं पर विशेष ध्यान केंद्रित किया। अनुमान है कि मिशन शक्ति और विधानसभा में महिला आरक्षण जैसे केंद्रीय प्रयासों के साथ राज्य में कानून-व्यवस्था विशेषकर आरजी कर जैसे मुद्दों ने महिलाओं के बड़े वर्ग को भाजपा के पक्ष में मोड़ दिया। अनुमान जताया जा रहा है कि महिला वोटों में लगभग 5% की बढ़ोतरी भाजपा के पक्ष में हुई है।

भ्रष्टाचार और बेरोजगारी के मुद्दों पर तृणमूल कांग्रेस से रूठा युवा वोटर

पश्चिम बंगाल के चुनाव में भाजपा ने रोजगार और विकास को मुद्दा बनाकर युवा मतदाताओं के बीच अपनी पकड़ मजबूत की। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार राज्य में 25 प्रतिशत से भी ज्यादा मतदाता युवा हैं। इनमें काफी संख्या ऐसे युवाओं की थी जो पहली बार वोट डालने जा रहे थे। ये मतदाता बेरोजगारी और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों पर तृणमूल कांग्रेस से छिटक गया और भाजपा से अपनी उम्मीदें जोड़ बैठा। शिक्षक भर्ती घोटाले से जुड़े 26 हजार नियुक्तियां रद्द होने का फैसला इस वर्ग की नाराजगी का प्रमुख कारण बना। भाजपा को चुनाव में इसका व्यापक लाभ मिला। इसके अलावा राज्य में लगातार तेज होती रही सत्ताविरोधी लहर का असर भी युवा मतदाताओं पर पड़ा।

सोमवार को दोपहर तक नतीजे काफी हद तक साफ हो गए, इसी बीच ममता बनर्जी ने मीडिया से बात की।

मोदी का चेहरा, शाह की रणनीति... पिछली गलतियों से सबक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने इस चुनाव में अपना पूरा दमखम झोंकने में कोई कसर नहीं छोड़ी। खासतौर पर अमित शाह की चुनावी रणनीति और उसका प्रबंधन अपने हाथ में रखने का काफी असर पड़ा। नतीजा यह रहा कि भाजपा को कोलकाता और उसके आसपास के शहरी इलाकों में संघर्ष करना पड़ता था, लेकिन 2026 में शहरी-उपनगरीय क्षेत्रों में भाजपा ने टीएमसी के इस मजबूत गढ़ में बड़ी सेंध लगाने में कामयाबी हासिल की। भाजपा ने इसके साथ पिछले चुनावों में की गई गलतियों से भी सबक लिया और उनको दोहराने से बचती रही। पिछले चुनावों की तरह भाजपा के शीर्ष नेताओं ने ममता बनर्जी पर सीधे हमले करने से परहेज किया बल्कि इस पर ज्यादा जोर दिया कि उनकी नीतियों और कार्यप्रणाली से बंगाल की जनता को भारी नुकसान हो रहा है। सीमाओं की सुरक्षा का मुद्दा भी भाजपा के प्रमुख हथियारों में शामिल रहा। अमित शाह ने अपनी चुनावी जनसभाओं में कई बार बीएसएफ को सीमा पर बाड़ लगाने के लिए जमीन न देने का मुद्दा भी बार-बार जनता के सामने रखा।

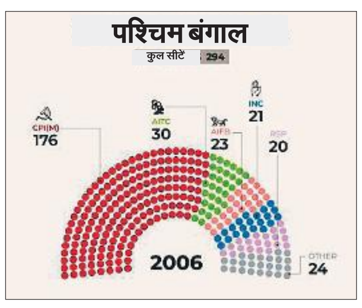

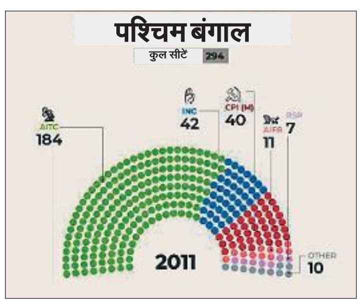

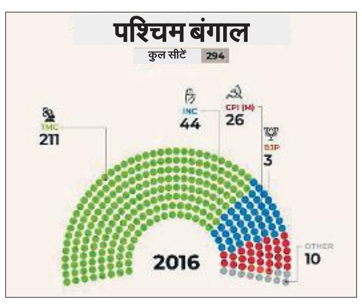

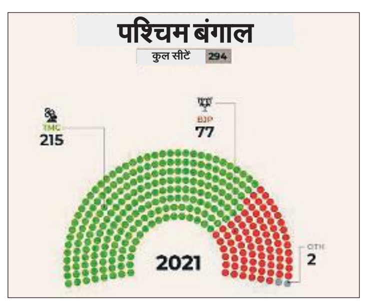

पश्चिम बंगाल में 2016 के बाद भाजपा के लंबे कदम... तीन सीटों से शुरुआत... 10 साल में 200 पार

तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल में वाम मोर्चा की 34 साल पुरानी सत्ता को उखाड़कर 2011 में बंगाल की मुख्यमंत्री बनी थीं। इसके बाद से वह लगातार तीन बार राज्य का चुनाव जीतीं। वर्ष 2011 तक भाजपा का इस राज्य में नामोनिशान तक नहीं था। पहली बार 2016 के विधानसभा चुनाव में भाजपा राज्य में सिर्फ तीन सीटें जीतकर अपने सियासी कदम रखने में कामयाब हुई। लेकिन इसके बाद उसने 2021 में हुए अगले ही चुनाव में बेहद लंबा कदम रखा और राज्य में 77 सीटें जीतकर अपने सियासी वजूद को काफी मजबूत कर लिया। वर्ष 2026 के चुनाव में भाजपा ने और लंबा सियासी कदम रखा और 77 सीटों में बड़ा इजाफा करते हुए बहुमत का आंकड़ा पार कर सत्ता हासिल कर ली।

असम में हैट्रिक : ढीली नहीं होने दी मतदाताओं की नब्ज से पकड़

महिलाओं, राज्यकर्मियों, चाय बागान श्रमिकों पर रहा फोकस

अमृत विचार नेटवर्क

गुवाहाटी। भाजपा ने असम चुनाव में हैट्रिक लगाने के लिए चुनाव से काफी पहले ठोस रणनीति पर काम शुरू कर दिया था। पार्टी ने राज्य में सिर्फ रणनीतिक मोर्चे पर ही नहीं बल्कि प्रशासनिक और सामाजिक मोर्चे पर भी काफी काम किया। मुख्यमंत्री हिमंत विश्वशर्मा ने अपनी सत्ता बरकरार करने के लिए एक तो विपक्ष को सेंध लगाने का कोई मौका नहीं दिया, दूसरे हवा को अपने पक्ष में मोड़ने में भी कोई कसर नहीं छोड़ी।

असम में सत्ता के पक्ष में लहर का एक बड़ा आधार सरकार की कल्याणकारी योजनाएं रहीं। महिलाओं के लिए सीधे नकद हस्तांतरण की ओरुनोदोई योजना को गेम चेंजर माना गया। भाजपा ने इस सहायता राशि को बढ़ाकर 3,000 करने और 15 लाख और परिवारों को जोड़ने का वादा कर महिला मतदाताओं का समर्थन हासिल करने में कामयाबी पाई। इसके अलावा राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए भारत में पहली बार आठवें वेतन आयोग के गठन की घोषणा ने मध्यम वर्ग और सरकारी कर्मचारियों के वोट सुनिश्चित किए।

इसके अलावा भाजपा ने अपने सहयोगी असोम गण परिषद और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट के साथ मिलकर मजबूत सोशल इंजीनियरिंग तैयार की। ऊपरी असम में चाय बागान श्रमिकों के लिए भूमि अधिकार और बेहतर प्रतिनिधित्व सुनिश्चित कर भाजपा ने अपने आधार को मजबूत किया। बुनियादी ढांचा और विकास डबल इंजन सरकार का दावा करते हुए भाजपा ने राज्य में सड़क और बुनियादी ढांचे के विस्तार को मुख्य मुद्दा बनाया। 'असोम माला' और 'भारतमाला' जैसे प्रोजेक्ट्स ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था और कनेक्टिविटी में सुधार किया, जिससे लखीमपुर, धेमाजी और माजुली जैसे जिलों में भाजपा को बढ़त मिली। दूसरे राज्यों की तरह यहां भी भाजपा ने ध्रुवीकरण को प्रमुख हथियार बनाया।

गुवाहाटी में भाजपा की हैट्रिक की खुशी मनाती एक महिला।

सीटों के परिसीमन ने बदला खेल

असम की 126 विधानसभा सीटों का 2023 में जो नया परिसीमन हुआ, उसने चुनावी गणित को भाजपा के पक्ष में करने में बड़ी भूमिका निभाई। निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं को इस तरह से बदला गया जिससे कई इलाकों में जनसांख्यिकीय संतुलन भाजपा के अनुकूल हो गया। अनुसूचित जनजातियों के लिए सीटें 16 से बढ़ाकर 19 और अनुसूचित जातियों के लिए 8 से बढ़ाकर 9 कर दी गईं। बोडोलैंड क्षेत्रीय क्षेत्र में सीटों की संख्या 12 से बढ़ाकर 15 करना और स्थानीय दलों के साथ तालमेल बिठाना सफल रहा। इसके अलावा, हिमंता के नेतृत्व और आक्रामक छवि ने भी इस जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 'विकास और विरासत' के मुद्दे को लेकर चुनाव लड़ा। मिया मुस्लिम और अवैध अप्रवास पर कड़ा रुख अपनाकर हिंदू मतों को एकजुट करने में सफल रहे।

तमिलनाडु: युवाओं ने लिखी विजय की सियासत में हीरो जैसी एंट्री की कहानी

द्रमुक के खिलाफ सत्ताविरोधी लहर के बीच भ्रष्टाचारमुक्त शासन के वादे पर किया एतबार

अमृत विचार नेटवर्क

चेन्नई। तमाम अनुमानों को ध्वस्त करके थलपति विजय की पार्टी तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके) ने अपने पहले ही चुनाव में राज्य के दशकों पुराने द्रविड़ द्विध्रुवीय (द्रमुक बनाम अन्नाद्रमुक) वर्चस्व को तोड़ दिया। देर शाम तक रुझानों और परिणामों के अनुसार टीवीके करीब 110 सीटों पर बढ़त बनाए हुए थी, जो बहुमत के आंकड़े 118 के बेहद करीब है। टीवीके की सियासत में फिल्मी सी लगने वाली इस एंट्री में युवाओं ने प्रमुख भूमिका निभाई।

माना जा रहा है कि युवा और पहली बार वोट करने वाले मतदाताओं ने टीवीके की जीत की पटकथा लिखी। चुनाव प्रचार अभियान में भी विजय की रैलियों में युवाओं की भारी भीड़ उमड़ी थी जिसे चुनावी वोट बैंक में बदलने में टीवीके सफल रही। पार्टी ने 85.1% के रिकॉर्ड मतदान का फायदा उठाया। युवा पीढ़ी ने द्रविड़ दलों के पारंपरिक गठजोड़ के बजाय विजय के फ्रेश फेस और भ्रष्टाचार मुक्त शासन के वादे पर ज्यादा विश्वास दिखाया। द्रमुक के खिलाफ अंदर ही अंदर चल रही प्रचंड सत्ता विरोधी लहर ने टीवीके का काम और आसान कर दिया। द्रमुक इसी वजह से तीसरे नंबर पर खिसक गई।

टीवीके का शहरी क्षेत्रों में क्लीन स्वीप

टीवीके ने शहरी क्षेत्रों, विशेषकर चेन्नई में द्रमुक के वोट बैंक में बड़ी सेंध लगाई। नतीजों के हिसाब से देखा जाए तो मतदाताओं ने द्रमुक और अन्नाद्रमुक के बारी-बारी वाले पलटने वाले शासन के प्रति अपनी अरुचि दिखाई है और टीवीके को तीसरे विकल्प के रूप में आजमाने की इच्छा जताई है। चेन्नई की 34 में से 29 सीटों पर टीवीके ने बढ़त बनाई, जिससे द्रमुक का किला पूरी तरह ध्वस्त हो गया। विजय ने खुद पेराम्बुर निर्वाचन क्षेत्र से जीत हासिल की, जबकि तिरुचिरापल्ली में भी पार्टी को भारी समर्थन मिला।

अकेले चुनाव लड़ने की रणनीति सफल

किसी बड़े दल के साथ गठबंधन न करने के विजय के फैसले ने मतदाताओं को विश्वास दिलाया कि वे किसी के पिछलग्गू नहीं हैं। पार्टी की विचारधारा को धर्मनिरपेक्ष सामाजिक न्याय के रूप में पेश करना और द्विभाषी नीति का समर्थन करना तमिल पहचान के साथ गहराई से जुड़ गया।

टीवीके की अप्रत्याशित जीत का जश्न माने के लिए चेन्नई में उमड़े युवा।

केरलम: कांग्रेस ने ढहाया वाम का आखिरी गढ़

भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद और अंहकारी शासन के आरोपों से घिरी थी विजयन सरकार

अमृत विचार नेटवर्क

तिरवनंतपुरम। प्रचंड सत्ताविरोधी लहर ने केरलम में वाम मोर्चा की अगुवाई वाली एलडीएफ सरकार को उखाड़ फेंका। इसी के साथ वाम का पूरे देश से सफाया हो गया। कांग्रेस की अगुवाई वाले यूडीएफ ने 140 में से 102 सीटों के प्रचंड बहुमत के साथ राज्य में अपनी सरकार बनाने का रास्ता साफ कर लिया।

एलडीएफ सरकार के 10 साल के शासन के बाद जनता में इस बार असंतोष की प्रबल लहर थी। मतदाताओं ने भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद और शासन में अहंकार के आरोपों के कारण पिनाराई विजयन सरकार को सिरे से नकार दिया। इससे पहले एक्जिट पोल और सर्वेक्षणों में भी शासन के प्रति भारी नाराजगी सामने आई थी। यूडीएफ के प्रमुख सहयोगी दल आईयूएमएल ने मालाबार क्षेत्र में रिकॉर्ड 22 सीटें जीतकर जीत को निर्णायक बना दिया। मलप्पुरम जिले की सभी 16 सीटों पर यूडीएफ ने पहली बार कब्जा किया है। मध्य केरल जैसे त्रिशूर, कोट्टायम और पतनमतिट्टा में ईसाई मतदाताओं का बड़ा वर्ग वापस यूडीएफ की ओर मुड़ा। भाजपा द्वारा लाए गए कुछ कानूनों से नाराजगी और रबड़ की कीमतों जैसे कृषि मुद्दों ने भी इस समुदाय को कांग्रेस के और करीब लाने में भूमिका अदा की।

कल्याणकारी वादों ने वोटरों को लुभाया

कांग्रेस ने इंदिरा गारंटीज नाम से अपने घोषणापत्र में वादों का एक पैकेज पेश किया, जिसने मतदाताओं को प्रभावित किया। इसमें महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा, 25 लाख का स्वास्थ्य बीमा, वरिष्ठ नागरिक कल्याण योजनाएं और रोजगार के वादे शामिल थे। टिकट वितरण में युवा नेताओं को तरजीह दी गई।

बड़े चेहरों पर पराजय का दाग

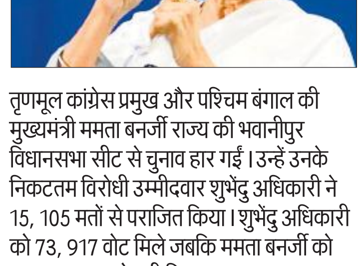
तृणमूल कांग्रेस प्रमुख और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी राज्य की भवानीपुर विधानसभा सीट से चुनाव हार गईं। उन्हें उनके निकटतम विरोधी उम्मीदवार शुभेंदु अधिकारी ने 15, 105 मतों से पराजित किया। शुभेंदु अधिकारी को 73, 917 वोट मिले जबकि ममता बनर्जी को महज 58,812 वोट ही मिल पाए।

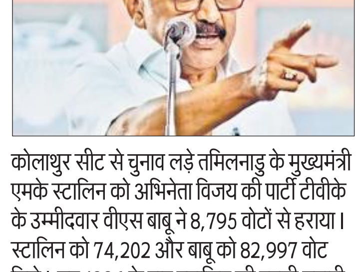
कोलाथुर सीट से चुनाव लड़े तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन को अभिनेता विजय की पार्टी टीवीके के उम्मीदवार वीएस बाबू ने 8,795 वोटों से हराया। स्टालिन को 74,202 और बाबू को 82,997 वोट मिले। यह 1996 के बाद स्टालिन की पहली चुनावी हार है। वह तमिलनाडु के चौथे ऐसे मुख्यमंत्री बन गए हैं जो पद पर रहते हुए विधानसभा चुनाव हार गए।

पश्चिम बंगाल : टीएमसी की वरिष्ठ नेता और मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य दमदम उत्तर सीट से चुनाव हार गईं। सुविमल डे नंदाकुमार सीट से निवर्तमान विधायक भाजपा के खानरा निर्मल से हार गए। एगरा विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के दिव्येंदु अधिकारी ने टीएमसी के निवर्तमान विधायक तरुण मैती को हराया।

तमिलनाडु : भाजपा की वरिष्ठ नेता तमिलिसाई सुंदरराजन मायलापुर निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव हार गईं। भाजपा का एक और प्रमुख चेहरा वानाति श्रीनिवासन कोयंबटूर उत्तर से चुनाव हार गईं। एनटीके पार्टी के नेता सीमन को करईकुडी निर्वाचन क्षेत्र में अप्रत्याशित हार का सामना करना पड़ा।

केरलम : राज्य के परिवहन मंत्री और अभिनेता केबी गणेश कुमार को पठानपुरम में कांग्रेस के ज्योति कुमार चमाकला ने हराया। मंत्री वी शिवनकुट्टी भी नेमोम सीट से भाजपा के राजीव चंद्रशेखर से पिछड़ गए। अरूर सीट से निवर्तमान विधायक और प्रसिद्ध गायिका डालीमा जोजो को कांग्रेस की शनीमोल उस्मान ने हराया। वीएन वासावन, वीणा जॉर्ज, और एमबी राजेश जैसे कई वरिष्ठ मंत्री भी पीछे रहे या हार गए।

असम : कांग्रेस के प्रमुख चेहरे गौरव गोगोई को जोरहाट सीट पर भाजपा के हितेंद्र नाथ गोस्वामी ने 23,000 वोटों से हराया। विश्वनाथ में कांग्रेस नेता जयंत बोरा भी भाजपा के पल्लब लोचन दास से हार गए।

भाजपा ने राज्य में 100 से अधिक सीटें लूटीं : ममता

कोलकाता। टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने राज्य चुनावों में भाजपा की भारी जीत को अनैतिक करार दिया और आरोप लगाया कि 100 से अधिक सीटों पर जनादेश लूटा गया है। भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र में मतगणना केंद्र से बाहर निकलते हुए उन्होंने कहा, हम वापसी करेंगे। ममता बनर्जी ने आरोप लगाया, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मिलीभगत से केंद्रीय बलों की मदद से चुनाव आयोग की गतिविधियाँ अवैध थीं। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें निर्वाचन आयोग के कदाचार के खिलाफ बोलने के कारण निशाना बनाया गया। कहा, मैंने मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज अग्रवाल से शिकायत की, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ।

न्यूज ब्रीफ

15 जिलों में 30 वृहद गो संरक्षण केंद्रों का लोकार्पण

लखनऊ, अमृत विचार : पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह ने सोमवार को पशुपालन निदेशालय में आयोजित कार्यक्रम में 15 जनपदों में स्थापित 30 वृहद गो संरक्षण केंद्रों का लोकार्पण किया। इस दौरान हरदोई में सर्वाधिक सात केंद्रों का उद्घाटन हुआ, जबकि अन्य जिलों में एक अथवा दो-दो केंद्र स्थापित किए गए हैं। मंत्री ने कहा कि चालू वित्तीय वर्ष में वृहद गो संरक्षण केंद्रों के निर्माण के लिए एक अरब रुपये का प्रावधान किया गया है।

पीजीटी परीक्षा 9 व 10 को, सख्त निर्देश

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्य सचिव एसपी गोयल ने पीजीटी (पोस्ट ग्रेजुएट टीचर) लिखित परीक्षा-2022 की तैयारियों की समीक्षा करते हुए सभी जिलाधिकारियों को परीक्षा नकलविहीन, निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और पिछली कमियों को दोहराने की अनुमति नहीं होगी। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग द्वारा आयोजित यह परीक्षा 9 और 10 मई को प्रदेश के 17 जिलों—आगरा, अलीगढ़, अयोध्या, आजमगढ़, बांदा, बरेली, बस्ती, गोरखपुर, झांसी, कानपुर नगर, लखनऊ, मेरठ, मिर्जापुर, मुरादाबाद, प्रयागराज, सहारनपुर और वाराणसी—में कराई जाएगी।

8 को पहला दल आदि कैलास को होगा रवाना

हल्द्वानी, अमृत विचार : कुमाऊं मंडल विकास निगम ने हल्द्वानी से आदि कैलास यात्रा की तैयारियां पूरी कर ली हैं। पहला दल रवाना होने में अब महज तीन दिन ही बाकी हैं, आठ मई को पहला दल रवाना होगा। कुमंविनि अधिकारियों के अनुसार, आदि कैलास यात्रा के लिए अब तक 80 यात्रियों ने पंजीयन कराया है।

खाई में गिरी पर्यटकों की कार, एक युवक की मौत

नैनीताल, अमृत विचार : नैनीताल के पाइंस क्षेत्र में सोमवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। राजस्थान के पर्यटकों का वाहन अनियंत्रित होकर करीब 100 मीटर गहरी खाई में जा गिरा। हादसे में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनमें से एक युवक को अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया। सूचना पर पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू अभियान चलाकर कड़ी मशक्कत के बाद तीनों घायलों को खाई से बाहर निकालकर सड़क तक पहुंचाया। इसके बाद सभी को बीडी पांडे जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने हल्द्वानी निवासी राहुल कुमार को मृत घोषित कर दिया।

हाईटेंशन लाइन के खंभों के नीचे अब दोगुना मुआवजा

कैबिनेट ने दी मंजूरी, किसानों को मिलेगा लाभ, टावर बेस पर 200 प्रतिशत और लाइन कॉरिडोर पर 30 प्रतिशत भुगतान का प्रावधान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में हाईटेंशन बिजली लाइनों से प्रभावित किसानों को बड़ी राहत देने वाला महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। अब 765, 400, 220 और 132 केवी ट्रांसमिशन लाइनों के टावर (खंभों) के नीचे आने वाली जमीन पर किसानों को 200 प्रतिशत यानी जमीन की कीमत का दोगुना मुआवजा मिलेगा। इसके साथ ही, जिन खेतों के ऊपर से बिजली की लाइनें गुजरती हैं (राइट ऑफ वे/कॉरिडोर), वहां जमीन की कीमत का 30 प्रतिशत मुआवजा देने का प्रावधान किया गया है। सरकार का अनुमान है कि इस नई व्यवस्था से किसानों को कुल मिलाकर 21 से 33 प्रतिशत तक अधिक लाभ मिलेगा।

ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने बताया कि वर्ष 2018 से पहले ऐसी जमीनों पर लगभग कोई मुआवजा नहीं मिलता था। बाद में टावर बेस पर करीब 85 प्रतिशत तक मुआवजा देने की व्यवस्था की गई, लेकिन लाइन कॉरिडोर के लिए स्पष्ट प्रावधान नहीं था। नई नीति इस कमी को दूर करती है। उन्होंने बताया कि मुआवजा जिलाधिकारी द्वारा तय सर्किल रेट के आधार पर दिया जाएगा, जिससे पारदर्शिता बनी रहेगी और किसानों को उचित मूल्य मिल सकेगा।

नई व्यवस्था से किसानों को पहले की तुलना में अधिक और न्यायसंगत मुआवजा मिलेगा। इससे जहां किसानों की आय में वृद्धि होगी, वहीं बिजली परियोजनाओं को लेकर उनका सहयोग भी बढ़ेगा। सरकार का मानना है कि इससे विकास कार्यों और किसान हितों के बीच बेहतर संतुलन स्थापित होगा।

पीडब्ल्यूडी में सख्ती, गुणवत्ता से समझौता नहीं : कैबिनेट ने लोक निर्माण विभाग में निविदा प्रक्रिया को और सख्त और पारदर्शी बनाने का फैसला भी किया है। 5 करोड़ से अधिक के कार्यों के लिए एसबीडी और 5 करोड़ से कम के लिए टी-1/टी-2 प्रणाली लागू होगी। कम दर पर टेंडर लेने वालों से अतिरिक्त परफॉर्मेंस सिक्योरिटी ली जाएगी और 15 प्रतिशत से अधिक कम बोली पर गुणवत्ता की विशेष जांच होगी।

कैबिनेट बैठक के दौरान भाजपा की चुनावी जीत पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को मिठाई खिलाते मुख्यमंत्री योगी, साथ में अन्य मंत्रीगण।

हर जिले में दो फेलो की तैनाती

कैबिनेट के निर्णय के अनुसार, प्रत्येक जनपद में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में संचालित ओटीडी सेल को मजबूत करने के लिए दो विशेषज्ञ तैनात किए जाएंगे, एक आर्थिक विकास फेलो और एक डेटा विश्लेषक फेलो। ये दोनों मिलकर जिले की आर्थिक गतिविधियों की निगरानी और रणनीति निर्माण में अहम भूमिका निभाएंगे। ये फेलो विभिन्न विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर कृषि, उद्योग, निवेश, अवसंरचना, पर्यटन, रोजगार और जिला घरेलू उत्पाद (डीडीपी) जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों की नियमित समीक्षा करेंगे। नियोजन विभाग के डैशबोर्ड के माध्यम से ऑनलाइन रिपोर्टिंग और केपीआई आधारित मॉनिटरिंग की जाएगी, जिससे निर्णय प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, तथ्यपरक और परिणामोन्मुख बनेगी।

डिजिटल सिस्टम से साक्ष्य होंगे सुरक्षित छोटे अपराधों में जेल के बजाय सेवा

योगी कैबिनेट ने नई न्याय संहिताओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए तीन महत्वपूर्ण नियम लागू किए हैं, पहला ई-साक्ष्य प्रबंधन नियम, दूसरा ई-समन (इलेक्ट्रॉनिक आदेशिका) नियम और तीसरा सामुदायिक सेवा गाइडलाइंस 2026 है। ये नियम न्याय प्रक्रिया को आधुनिक, तेज और ज्यादा प्रभावी बनाने की दिशा में बड़ा कदम माने जा रहे हैं। ई-साक्ष्य के तहत अब डिजिटल सबूत सुरक्षित और मजबूत होंगे। नए ई-साक्ष्य प्रबंधन नियमों के तहत डिजिटल सबूत (जैसे मोबाइल डेटा, वीडियो, ईमेल आदि) को एक वैज्ञानिक तरीके से इकट्ठा, सुरक्षित और अदालत में पेश किया जाएगा। इससे सबूत के साथ छेड़छाड़ की संभावना कम होगी। केस मजबूत होंगे और फैसले ज्यादा सटीक होंगे। वहीं, ई-समन नियम के तहत अब कोर्ट के समन और वारंट डिजिटल माध्यम से भेजे जा सकेंगे, जैसे ईमेल, मोबाइल मैसेज या अन्य ऐप्स के जरिए। इससे नोटिस जल्दी पहुंचेगा। साथ ही, प्रक्रिया पारदर्शी और ट्रैक करने योग्य बनेगी तो वहीं महिलाओं और बच्चों से जुड़े मामलों में पहचान गोपनीय रहेगी। सामुदायिक सेवा की नई गाइडलाइंस के अनुसार छोटे अपराधों में अब जेल भेजने के बजाय 'सामुदायिक सेवा' कराई जा सकेगी। इससे अपराधियों को सुधार का मौका मिलेगा। जेलों पर बोझ कम होगा और समाज के लिए उपयोगी कार्य (जैसे सफाई, वृक्षारोपण, गो-सेवा, ट्रैफिक मैनेजमेंट) होंगे।

लखनऊ में 546 करोड़ की सड़क परियोजना मंजूर

राजधानी में आउटर रिंग रोड के रैथा अंडरपास से पीएम मित्र टेक्सटाइल पार्क तक 6-लेन सड़क निर्माण और आईआईएम मार्ग के चौड़ीकरण के लिए 546 .51 करोड़ रुपये की परियोजना को मंजूरी दी गई है। इससे कनेक्टिविटी बेहतर होगी और लॉजिस्टिक्स लागत में कमी आएगी।

टेक्सटाइल पार्क से औद्योगिक विकास को मिलेगा बल : संत कबीर टेक्सटाइल एवं अपैरल पार्क योजना के तहत चार बंद कताई मिलों की 251.8 एकड़ भूमि उद्योग विभाग को निःशुल्क हस्तांतरित करने को मंजूरी दी गई है। इससे रोजगार सृजन और औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

दिव्यांग आरक्षण को पदों का पुनर्चिन्हांकन

लखनऊ, अमृत विचारः प्रदेश सरकार ने दिव्यांगजन को लोक सेवाओं में 4 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया है। प्रमुख सचिव राजेश कुमार सिंह की ओर से जारी शासनादेश में समूह 'क', 'ख', 'ग' और 'घ' के पदों का पुनर्चिन्हांकन किया गया है। सभी विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि चिन्हित पदों पर नियमानुसार दिव्यांगजन की भर्ती सुनिश्चित की जाए।

शासनादेश में कहा गया है कि दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 के तहत रोजगार में आरक्षण के लिए पदों का चिन्हांकन अनिवार्य है। इसी क्रम में वर्ष 2018 से 2025 तक जारी आदेशों की समीक्षा कर संशोधित रूप से पदों का पुनर्चिन्हांकन किया गया है। इसमें दृष्टिबाधित, श्रवण बाधित, चलन क्रिया से प्रभावित, बौद्धिक एवं मानसिक दिव्यांगता तथा बहु-दिव्यांग श्रेणियों को शामिल किया गया है।सरकार ने पाया कि कई विभागों में पहले चिन्हित पदों की श्रेणी और उपश्रेणी स्पष्ट नहीं थी। विशेषज्ञ समिति की समीक्षा के बाद अब विभागवार विस्तृत वर्गीकरण किया गया है, जिससे आरक्षण का लाभ सही पात्रों तक पहुंच सके।

चार बच्चों और मां का हत्यारा मुठभेड़ में ढेर

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर

आमिर

- फायरिंग के बाद हुई जवाबी कार्रवाई में दो पुलिसकर्मी भी घायल

अमृत विचार। चार मासूम बच्चों और उनकी मां की हत्या के आरोपी आमिर को पुलिस ने मुठभेड़ में ढेर कर दिया है। मुठभेड़ सोमवार सुबह टांडा-बांदा हाईवे किनारे अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र में हुई। मुठभेड़ में एसओजी प्रभारी विनोद यादव के बुलेटप्रूफ जैकेट में गोली लगी। पुलिसकर्मी जाकिर हुसैन और एसआई राजेश यादव भी घायल हुए हैं। पुलिस के अनुसार आरोपी आमिर हत्या और दुष्कर्म के मामलों में जमानत पर है।

बता दें कि अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के मुरादाबाद मोहल्ले में बीते दो मई को चार मासूम भाई-बहनों की बेरहमी से ईंट से कूचकर हत्या की गई थी। घटना के बाद बच्चों की मां गासिया खातून संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई थी, जिससे पुलिस ने शुरुआत में उसी पर हत्या का शक जताया था। मगर तीन मई को गासिया का शव घर से करीब 100 मीटर दूर नाले के किनारे मिला था, उसके शरीर पर चोट के निशान पाए गए, जिससे मामला और उलझ गया। सीओ नीतीश तिवारी ने बताया कि महिला का पति सऊदी अरब में है। परिवार वालों के मुताबिक उसने वहां पर पाकिस्तानी महिला से शादी कर ली है। इसलिए आरोपी आमिर महिला से शादी करके उसकी जमीन और अन्य संपत्ति हड़पना चाहता था, लेकिन उसने इंकार कर दिया। जिसके बाद उसने चार मासूम बच्चों और गासिया की निर्मम हत्या कर दी। जांच के दौरान सामने आए सुरागों के आधार पर पुलिस ने आमिर को मुख्य आरोपी माना।

बिना बैंक कर्ज पूरी हुई गंगा एक्सप्रेस-वे परियोजना : योगी

मुख्यमंत्री ने 500 लेखा परीक्षकों को बांटे नियुक्ति पत्र, दिया वित्तीय अनुशासन पर जोर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को लोकभवन में सहकारी समितियां एवं पंचायत लेखा परीक्षा विभाग के 371 तथा स्थानीय निधि लेखा परीक्षा विभाग के 129 नवचयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस दौरान उन्होंने वित्तीय अनुशासन और पारदर्शिता पर विशेष जोर देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश अब बड़ी इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं को अपने संसाधनों से पूरा करने में सक्षम हो चुका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गंगा एक्सप्रेस-वे का निर्माण बिना किसी बैंक कर्ज के 42 हजार करोड़ रुपये से अधिक लागत से किया गया है। उन्होंने बताया कि नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश 'बीमारू' राज्य की श्रेणी से निकलकर रेवेन्यू सरप्लस राज्य बना है, जहां बेहतर प्रबंधन और वित्तीय अनुशासन से बजट और प्रति व्यक्ति आय में तीन गुना वृद्धि हुई है। गंगा एक्सप्रेस-वे के किनारे नौ इंडस्ट्रियल व लॉजिस्टिक हब विकसित किए जा रहे हैं, जिससे निवेश और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

उन्होंने कहा कि वर्तमान भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और मेरिट आधारित है तथा अब तक 9 लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी दी जा चुकी है। एमएसएमई क्षेत्र से करीब 3 करोड़ लोगों को रोजगार मिला है।

नवचयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, साथ में अन्य। अमृत विचार

कुप्रबंधन पर टिप्पणी

मुख्यमंत्री ने जयप्रकाश नारायण इंटरनेशनल सेंटर (जेपीएनआईसी) परियोजना को कुप्रबंधन का उदाहरण बताते हुए कहा कि 200 करोड़ की लागत बढ़कर 860 करोड़ हो गई, फिर भी कार्य अधूरा है।

राजस्व में वृद्धि

उन्होंने बताया कि आबकारी राजस्व 12 हजार करोड़ से बढ़कर 62-63 हजार करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जो बेहतर प्रबंधन का परिणाम है।

बिना सिफारिश नौकरी मिलने पर युवाओं ने जताया आभार

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से सोमवार को लोकभवन में सहकारी समितियां एवं पंचायत लेखा परीक्षा विभाग और स्थानीय निधि लेखा परीक्षा विभाग के लेखा परीक्षक की नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों की चयन प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी ठहराया। इस दौरान विभिन्न जिलों से आए युवाओं के चेहरों पर उत्साह और आत्मविश्वास साफ झलक रहा था। मुख्यमंत्री योगी के हाथों सहकारी समिति एवं पंचायत लेखा परीक्षा विभाग में मऊ के सौरभ कुमार गोंड, वाराणसी के राम कुमार गुप्ता, गोरखपुर की पूर्णिमा सिंह सहित कई अभ्यर्थियों को मुख्यमंत्री ने नियुक्ति पत्र सौंपे। इसी प्रकार स्थानीय निधि लेखा परीक्षा विभाग में पीलीभीत के वकार हुसैन अंसारी, सोनभद्र की प्रांशु सिंह, हमीरपुर के सुधीर यादव और बलिया की श्वेता समेत अन्य चयनित अभ्यर्थियों को भी नियुक्ति पत्र प्राप्त हुए। इस अवसर पर अभ्यर्थियों ने मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि पारदर्शी भर्ती व्यवस्था ने युवाओं में नई उम्मीद और विश्वास पैदा किया है।

चारा लेने गए किशोर को तेंदुए ने मार डाला

भानपुर (लखीमपुर खीरी), अमृत विचारः भीरा थाना क्षेत्र के रामनगर कलां गांव में मवेशियों के लिए चारा लेने गए 14 वर्षीय किशोर पर झाड़ियों में छिपे बैठे तेंदुए ने हमला कर दिया। उसकी चीख-पुकार सुनकर दौड़े ग्रामीणों ने बमुश्किल तेंदुए के मुंह से उसे छुडा़या और सीएचसी भेजा, जहां उसकी मौत हो गई।

गांव रामनगर कलां निवासी संदीप कुमार कश्यप (14) पुत्र शेषपाल कश्यप सोमवार दोपहर नदी किनारे मवेशियों के लिए चारा लेने गया था। इसी दौरान झाड़ियों में पहले से घात लगाए बैठे तेंदुए ने अचानक उस पर हमला कर दिया। किशोर की चीख सुनकर आसपास खेतों में काम कर रहे ग्रामीण मौके पर पहुंचे और शोर मचाकर किसी तरह तेंदुए को भगाया। गंभीर रूप से घायल संदीप को तत्काल बिजुआ सीएचसी ले जाया गया लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका।

प्रॉपर्टी डीलर की गोली मारकर हत्या

बिलारी, अमृत विचार। बिलारी कोतवाली क्षेत्र के गांव कमालपुर चांदोरा में सोमवार को गांव में टहल रहे प्रॉपर्टी डीलर की पांच हमलावरों ने गोली मारकर निर्मम हत्या कर दी। घटना से गांव में दहशत का माहौल पैदा हो गया। सूचना पर पुलिस क्षेत्राधिकारी के साथ मौके पर पहुंचे। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी गांव से फरार हो गए। पैसों के लेन-देन को लेकर हत्याकांड को अंजाम दिया गया है। पीड़ित परिवार ने हमलावरों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर पुलिस के सामने विरोध प्रदर्शन किया। कोतवाली क्षेत्र के गांव कमालपुर चांदोरा निवासी 32 वर्षीय रणजीत चौहान हिंदूवादी संगठनों से जुड़े हुए थे।

बच्चों को पढ़ाएं, सशक्त भारत बनाएं: मुख्यमंत्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को आयोजित 'जनता दर्शन' में प्रदेशभर से आए फरियादियों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने अभिभावकों से बच्चों की शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की अपील करते हुए कहा कि हर बच्चे का स्कूल में प्रवेश सुनिश्चित कराना जरूरी है, तभी शिक्षित और सशक्त समाज का निर्माण संभव होगा।

कार्यक्रम में कुछ अभिभावक अपने बच्चों के साथ पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने बच्चों से संवाद कर उनकी पढ़ाई की जानकारी ली। जब पता चला कि कुछ बच्चों का अब तक स्कूल में दाखिला नहीं हुआ है, तो उन्होंने अभिभावकों को जागरूक करते हुए बताया कि प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था में पिछले वर्षों में व्यापक सुधार हुआ है। परिषदीय विद्यालयों में छात्रों को ड्रेस, किताबें, जूते-मोजे और 1200 रुपये की सहायता राशि दी जा रही है, साथ ही मिड-डे मील के तहत पौष्टिक भोजन भी मिल रहा है। वहीं अवैध कब्जों की शिकायतों पर सख्त रुख अपनाते हुए उन्होंने अधिकारियों को संयुक्त जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए।

लखनऊ में जनता दर्शन में फरियादियों की समस्याएं सुनते मुख्यमंत्री योगी।

उत्तराखंड में भारी बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : उत्तराखंड में भारी बारिश, तेज आंधी और बिजली गिरने की घटनाओं से जन-जीवन अस्तव्यस्त है। प्रशासन ने पर्वतीय जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं, चमौली, पिथौरागढ़ समेत कई जगहों पर भी जनजीवन प्रभावित है। हालांकि, चारधाम यात्रा जारी है। हल्द्वानी में सोमवार तड़के एक मकान पर बिजली गिरी। इससे मकान क्षतिग्रस्त हुआ लेकिन कोई हताहत नहीं हुआ।

पिथौरागढ़ जिले में भारी बारिश की संभावना को देखते हुए सोमवार को सभी स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों को छुट्टी घोषित कर दी गई। जिले में सुबह से ही तेज बारिश के साथ गरज-चमक जारी है। मौसम विभाग की चेतावनी के चलते प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। डीएम आशीष कुमार भटगांई ने चेताया कि मानसून के दौरान भूस्खलन, अतिवृष्टि और मार्ग अवरोध जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए सभी व्यवस्थाएं पूरी तरह सक्रिय रखी जाएं।इधर, रुद्रप्रयाग और चमोली में देर रात से लगातार बारिश हो रही है। चमोली जिले के निजमूला घाटी में आकाशीय बिजली गिरने से किसानों को भारी नुकसान हुआ है।

ADMISSION OPEN
For Advertisement Contact :-
8445507002
9756905552

BASUBARAL SARASWATI VIHAR
SENIOR SECONDARY SCHOOL
AFFILIATED TO C.B.S.E. DELHI
Air-Conditioned Kindergarten Classrooms
NC, LKG & UKG
No Admission Fee
(For Classes NC, LKG, UKG, I & II)
Entrance Test for Admission
For Classes III to IX
Admission Fee Discount
(Based on Test Criteria)
PCM/PCB/Commerce/Humanities
Session 2026-27
7983035601, 8791688082, 8869098082
More Information : www.basubaral.com

ST. XAVIER SCHOOL
(Affiliated to ICSE)
CHANETI, SAINIK VIHAR, BAREILLY CANTT.
Rishabh Saxena
99.82 Percentile
JEE 2026
NO ADMISSION FEES
NO COMPOSITE FEES
ONLY TUITION FEES
Rs. 2400/- Per Month Class-XI (Science/Commerce)
ADMISSION OPEN
Munshi Nagar
Akansha Enclave
M. 7310623798
M. 9997697263
DELAPEER
KAILASH PURAM
M. 7310623798

मनोवैज्ञानिक बढ़त | यूपी में 2027 चुनाव के लिए भाजपा की 'सनातनी' राजनीति को मिली नई ऊर्जा

पश्चिम बंगाल में जीत के बाद अब यूपी में अश्वमेध का शंखनाद

धीरेंद्र सिंह, लखनऊ

- बंगाल में शानदार प्रदर्शन से बढ़ा आत्मविश्वास, विपक्ष पर बढ़ा दबाव

अमृत विचारः पश्चिम बंगाल के चुनाव परिणामों ने भाजपा को राष्ट्रीय स्तर पर नई राजनीतिक ऊर्जा दी है। पार्टी के भीतर इन नतीजों को महज जीत नहीं, बल्कि 'अश्वमेध की शुरुआत' के रूप में देखा जा रहा है। यह एक ऐसा अभियान है, जिसमें विस्तार की रणनीति लगातार आगे बढ़ती है।

इस 'सनातनी' राजनीतिक के आत्मविश्वास का असर अब उत्तर प्रदेश की 2027 की सियासत में भी दिखने लगा है। प्रमुख विपक्षी दल समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सामने नई चुनौती खड़ी होती नजर आ रही है।

प्राचीन भारतीय परंपरा में अश्वमेध यज्ञ सत्ता विस्तार और प्रभुत्व का प्रतीक माना जाता था- घोड़ा जहां-जहां जाता, वहां अधीनता या मुकाबला तय होता था। राजनीतिक विश्लेषक भाजपा की मौजूदा रणनीति को इसी रूपक से जोड़कर देखते हैं, जहां पार्टी एक राज्य से दूसरे राज्य तक अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर रही है। पश्चिम बंगाल में अपेक्षा से बेहतर प्रदर्शन ने इस रणनीति को मनोवैज्ञानिक बढ़त दी है, जिसे 2027 के यूपी चुनाव की तैयारी की पृष्ठभूमि के रूप में देखा जा रहा है।

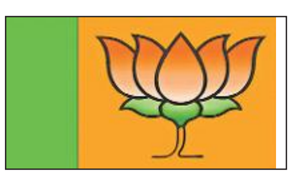

विपक्ष के लिए राह आसान नहीं दिख रही। सपा को अपने पारंपरिक वोट बैंक से बाहर विस्तार की चुनौती है, बसपा को अपने घटे जनाधार को फिर से मजबूत करना होगा, जबकि कांग्रेस को अपनी संगठनात्मक उपस्थिति बढ़ानी होगी। पश्चिम बंगाल के नतीजों ने भाजपा को रणनीतिक बढ़त दी है। पार्टी इसे उत्तर प्रदेश 2027 की तैयारी का शुरुआती संकेत मान रही है, जबकि विपक्ष के सामने अपनी राजनीतिक जमीन को पुनर्गठित करने की चुनौती और कठिन होती नजर आ रही है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा की दीर्घकालिक रणनीति का असर पिछले चुनावों में भी दिखता रहा है।

वर्ष 2014 में केंद्र में सत्ता परिवर्तन से लेकर 2017 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव तक राजनीतिक विमर्श में बड़े बदलाव देखने को मिले। 2017 में भाजपा को स्पष्ट बहुमत मिला और इसके बाद योगी आदित्यनाथ की ताजपोशी से पार्टी ने अपने राजनीतिक एजेंडे को और स्पष्टता के साथ आगे बढ़ाया। 2022 के विधानसभा चुनाव में भी भाजपा ने सत्ता बरकरार रखी, जबकि विपक्ष अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर सका। हालांकि 2024 में लोकसभा चुनाव में सपा-कांग्रेस ने मिलकर यूपी में भाजपा को झटका दिया, लेकिन अब पश्चिम बंगाल के नतीजों के बाद एक बार फिर भाजपा खेमे में उत्साह है, जबकि विपक्षी दलों की रणनीति पर सवाल उठ रहे हैं।

मोदी-शाह के साथ 'योगी फैक्टर' की गूंज

भाजपा रणनीतिकारों के अनुसार, नरेंद्र मोदी, अमित शाह और योगी आदित्यनाथ की तिकड़ी पार्टी की सबसे बड़ी राजनीतिक ताकत बनी हुई है। केंद्र की योजनाएं, संगठन की मजबूती और राज्य नेतृत्व का प्रभाव, इनका संयुक्त असर भाजपा को चुनावी बढ़त दिलाने वाला कारक माना जा रहा है। यूपी में आंकड़ों पर नजर डालें तो 2022 विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी को करीब 32% वोट शेयर के साथ 111 सीटें मिलीं, जबकि बहुजन समाज पार्टी का वोट शेयर घटकर लगभग 12-13% और सीट सिर्फ एक रह गई। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को दो सीटें और करीब 2-3% वोट शेयर ही मिला। इन आंकड़ों के आधार पर राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि विपक्ष के सामने 2027 में मजबूत मुकाबले के लिए संगठन, नेतृत्व और जनाधार, तीनों स्तरों पर काम करना होगा।

पुलिस से मुठभेड़ के बाद दो बदमाश गिरफ्तार

पुलिस पर फायरिंग की, जवाबी कार्यवाही में पैर में लगी गोली

संवाददाता, भोजीपुरा

अमृत विचार : पुलिस और बदमाशों के बीच सोमवार तड़के हुई मुठभेड़ में दो बदमाश पकड़े गए हैं। इस दौरान हुई गोलीबारी में शातिर बदमाश अफसर अली पैर में गोली लगने से घायल हो गया, जबकि एक सिपाही भी बाल-बाल बचा। पुलिस ने घायल बदमाश को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। पकड़े गए बदमाशों के पास से चोरी का सामान और अवैध असलहा बरामद हुआ है।

मुठभेड़ के दौरान पैर में गोली लगने से घायल बदमाश। • अमृत विचार

थाना भोजीपुरा पुलिस सोमवार तड़के करीब 2:45 बजे बसुधरन ढाल के पास गश्त पर थी। इसी दौरान दो संदिग्ध व्यक्ति कंधे पर बोरियां टांगे पैदल आते दिखे। पुलिस ने जब उन्हें रुकने का इशारा किया, तो बदमाशों ने खेतों की ओर भागते हुए पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग शुरू कर दी। इस गोलाबारी में एक गोली आरक्षी दीपक की बाजू को छूते हुए निकल गई, जिससे वे मामूली रूप से घायल हो गए।पुलिस ने आत्मरक्षार्थ जवाबी फायरिंग की, जिसमें मुख्य आरोपी अफसर अली पुत्र अली शेर निवासी बदायूं के पैर में गोली लगी और वह वहीं गिर पड़ा। उसका साथी हसनैन उर्फ साहिल निवासी शाहजहांपुर खेतों में छिप गया था, जिसे पुलिस ने घेराबंदी कर दबोच लिया। घायल अफसर अली को पुलिसकर्मी अपने कंधे पर लादकर इलाज के लिए ले गए,पकड़े गए बदमाशों के पास से पुलिस ने एक 315 बोर का तमंचा, दो जिंदा कारतूस, एक खोखा, एक गैस सिलेंडर, चूल्हा, 10 स्टील की थाली और 2200 रुपये नकद बरामद किए हैं। ये दोनों आरोपी प्राथमिक विद्यालय दलपतपुर में हुई चोरी की घटना में भी शामिल थे।

गिरफ्तार किए गए दोनों बदमाश शातिर किस्म के अपराधी हैं। अफसर अली पर लूट, चोरी और आर्म्स एक्ट के करीब 17 मुकदमे दर्ज हैं, वहीं हसनैन उर्फ साहिल पर भी 14 आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस इन पर गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की तैयारी कर रही है।

पुलिस ने पांच स्मैक तस्करों को भेजा जेल

संवाददाता, मीरगंज

कार और स्मैक के साथ गिरफ्तार तस्कर

अमृत विचार: शाही थाना क्षेत्र में पुलिस ने गश्त के दौरान चार स्मैक तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से एक किलो 113 ग्राम स्मैक, नकदी और अन्य सामान बरामद हुआ है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब दो करोड़ रुपये बताई जा रही है।

रविवार रात तुरसा पट्टी तिराहे के पास गश्त के दौरान पुलिस ने एक संदिग्ध कार को रुकने का इशारा किया लेकिन कार नहीं रोकी गई। पुलिस ने घेराबंदी कर कार को रोक लिया। वाहन में सवार चारों आरोपियों को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक किलो 113 ग्राम स्मैक, करीब डेढ़ लाख रुपये नकद, रुपये गिनने की मशीन, तीन किलो बेंटोनाइट पाउडर, पांच मोबाइल फोन, एक कार बरामद की। पूछताछ में आरोपी ने स्मैक में बेंटोनाइट पाउडर मिलाकर पुड़िया बनाकर बेचने की बात स्वीकार की। आरोपियों की पहचान शराफत, नाशिर, शान खां और मुनासिफ के रूप में हुई है। सभी को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से जेल भेज दिया गया। गिरफ्तार करने वाली टीम में थानाध्यक्ष

• दो करोड़ की बताई जा रही बरामद स्मैक

देवेंद्र सिंह, सतीश कुमार, माजिद खान,आसिफ आदि रहे।

एसआई सूरज पाल सिंह की टीम ने 362 ग्राम स्मैक और 668 ग्राम पाउडर के एक तस्कर को गिरफ्तार किया। टीम ने गश्त के दौरान तस्कर को पकड़ा। पूछताछ में उसकी पहचान मेहताब पुत्र नवाब,ग्राम मोहनपुर, थाना फरीदपुर के रूप में हुई।उसने बताया कि शौक पूरे करने को उसने ये पेशा चुना। वह ट्रक ड्राइवरों से स्मैक खरीद लेता है और जरूरत के हिसाब से उसे बेंच देता है।ये काम वह कुछ सालों से कर रहा है।स्मैक में वह पाउडर मिला देता है।जिससे स्मैक की मात्रा बढ़ जाती है और अधिक रुपयों में बिकती है।

हल्की बारिश से ही 20 घंटे ठप रही आपूर्ति

अलीगंज, अमृत विचार । रविवार रात हुई हल्की बूंदाबांदी के बाद क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई।

विशारतगंज देहात और पिपरिया फीडर से जुड़े दर्जनों गांवों की बिजली सोमवार शाम तक गुल रही।बिजली न होने के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में चल रहे आटा चक्की, तेल स्पेलर और आरा मशीन जैसे लघु उद्योग पूरी तरह बंद रहे, जिससे कारोबारियों को आर्थिक चपत लगी।

उपभोक्ताओं का आरोप है कि बिजली घर पर तैनात अवर अभियंता नीरज कुमार ने सोमवार को भी उपभोक्ताओं के फोन रिसीव नहीं किए, एसडीओ रमेश कुमार ने बताया कि लाइन में शटडाउन होने के कारण आपूर्ति बाधित रही।

घर से लाखों के जेवर पार, मारपीट का आरोप

संवाददाता, नवाबगंज

अमृत विचारः थाना नवाबगंज क्षेत्र के ग्राम टांडा सादात की एक महिला ने गांव के ही युवक शफीक पुत्र इस्माईल पर घर में घुसकर सोने-चांदी के जेवर चोरी करने का आरोप लगाया है। पीड़िता का कहना है कि आरोपी का उनके घर पर पहले से आना-जाना था और उसने मौके का फायदा उठाकर वारदात को अंजाम दिया।

पीड़िता के अनुसार, 19 अप्रैल की दोपहर वह छत पर कपड़े लेने गई थी, जबकि उसका पति बीमारी के चलते कमरे में ही था। इसी दौरान आरोपी कमरे में घुसा और जेवरात रखे डिब्बे से सामान निकालकर फरार हो गया। पीड़िता ने उसे घर से निकलते हुए भी देखा था। शाम को जब उसने जेवर चेक किए तो वे गायब मिले।

पीड़िता का आरोप है कि जब उसने आरोपी से जेवर वापस मांगे तो उसने देने से इनकार कर दिया और गाली-गलौज करने लगा। विरोध करने पर वह मारपीट पर उतारू हो गया। महिला ने मामले की तहरीर थाना नवाबगंज में दी, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।

सिरौली में दुकान में घुसकर मारपीट

सिरौली ,अमृत विचार : पीड़ित विशाल शर्मा पुत्र अशोक शर्मा निवासी ग्राम शिवपुरी ने बताया कि वह शाम के समय अपनी दुकान पर मौजूद था।इसी दौरान प्रेम शंकर पुत्र हल्द्वारी निवासी आजाद नगर (झाला) उसकी दुकान में घुस आया और गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी।

पारिवारिक कलह से तंग दिव्यांग ने की आत्महत्या

बिशारतगंज अमृत विचारः संदिग्ध परिस्थितियों में युवक ने फांसी के फंदे पर झूल कर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। क्षेत्र के गांव अखा निवासी हरिचंद कश्यप ने बताया कि वह अपने परिवार के साथ हिमाचल प्रदेश के कालेआम में रहकर मजदूरी करते हैं। उनका पुत्र राहुल(25) विकलांग था पिछले 10 दिन पूर्व गांव आया था। उसकी पत्नी मायके गई हुई थी। घर पर अकेला था। रात में ही किसी समय राहुल ने छत की कड़ी में साड़ी से फंदा लगा लिया। राहुल ने पत्नी की बीमारी में मजदूरी करके बहुत रुपया लगाया था जिस कारण वह मानसिक तनाव में आ गया था । इसी वजह से उसने यह कदम उठा लिया। रविवार की सुबह पड़ोसियों ने घर जाकर देखा तो वह फंदे पर झूल रहा था। सोमवार को शव का अंतिम संस्कार किया गया।

मृतक राहुल ।

घायल युवक की मौत

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार : बीती रात फतेहगंज शाही रोड पर अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की इलाज के दौरान सोमवार को मौत हो गई। जबकि बाइक पर बैठा दूसरा साथी गंभीर घायल हो गया।पुलिस ने मृतक के शब को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

जानकारी के मुताबिक गांव ट्यूलिया निवासी हर प्रसाद गंगवार (37) अपनी सुसराल गांव कुरतरा में रहते थे।रविवार देर रात वह अपने गांव ट्यूलिया से बाइक के द्वारा गांव अगरास निवासी अपने मित्र छेदालाल के साथ गांव कुरतरा जा रहे थे।फतेहगंज शाही रोड पर भिटौरा बीएसएफ कैंपस के पास किसी अज्ञात वाहन ने बाइक में ज़ोरदार टक्कर मार दी।हादसे में दोनो गंभीर घायल हो गए।सूचना पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस से दोनो को बरेली अस्पताल भेज दिया। जहां सोमवार दोपहर को इलाज के दौरान हरप्रसाद गंगवार की मौत हो गयी।जबकि बाइक पर पीछे बैठे छेदा लाल की हालत गंभीर बनी हुई है।

पूर्व बार अध्यक्ष रविन्द्र पाल का निधन

नवाबगंज, अमृत विचारःएडवोकेट प्रैक्टिशनर्स एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष और वरिष्ठ अधिवक्ता रविंद्र पाल सिंह का सोमवार को निधन हो गया। वे 68 वर्ष के थे और पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रहे थे। बताया जाता है कि सोमवार को अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई,उन्हें बरेली रेफर किया गया, जहां उपचार के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली। दोपहर बाद उनका अंतिम संस्कार कस्बे की श्मशान भूमि में किया गया, शोक व्यक्त करने वालों में सांसद छत्रपाल गंगवार, विधायक डॉ. एमपी आर्य, डॉ. आशुतोष गंगवार, रविशंकर गंगवार,नीरेंद्र सिंह राठौर, नंद किशोर, तेजपाल गंगवार, आदि शामिल रहे।

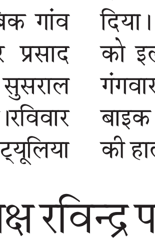

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

बेदखली/सम्बन्ध विच्छेद

हमने अपने पुत्र प्रेम प्रकाश व पुत्रवधू सुनीता पत्नी प्रेम प्रकाश को गलत चाल चलन व अभद्र व्यवहार करने के कारण अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति व अपने परिवार से बेदखल कर सम्बन्ध बिच्छेद कर लिए हैं। भविष्य में उनके द्वारा किए गए किसी भी प्रकार के कृत्यों, लेनदेन व मुकदमेबाजी आदि के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। हमारे परिवार के किसी सदस्य उपरोक्त के किसी कृत्य के लिए किसी प्रकार से जिम्मेदार नहीं होंगे। धनीराम पुत्र कोमल प्रसाद व तारावती पत्नी प्रेम प्रकाश निवासी ग्राम जवाहरपुर थाना व तहसील बहेड़ी, जिला बरेली।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि हमने अपने पुत्र अनिल कुमार व पुत्रवधु रीता देवी पत्नी अनिल कुमार व अनिल कुमार के पुत्र शिवा उर्फ शिब्बू को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। हमारा उनसे कोई वास्ता नहीं होगा। **रूपराम पुत्र स्व. श्री मिठ्ठन लाल एवं श्रीमती वर्फी देवी पत्नी श्री रूपराम निवासीगण ग्राम सैदपुर खजुरिया थाना कैन्ट तहसील व जिला बरेली।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि हमने अपने पुत्र मनीष कुमार को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा। हमारा उससे कोई वास्ता नहीं होगा। **रूपराम पुत्र स्व. श्री मिठ्ठन लाल एवं श्रीमती वर्फी देवी पत्नी श्री रूपराम निवासीगण ग्राम सैदपुर खजुरिया थाना कैन्ट तहसील व जिला बरेली।**

सूचना

मैंने अपने पुत्र राहत खान पुत्र संजर हुसैन खान फ्लैट नम्बर -03, वार्ड नम्बर -06 महरौली, नई दिल्ली को अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में अब मेरा उससे कोई वास्ता नहीं है। **संजर हुसैन खान पुत्र स्व. कैसर हुसैन खान निवासी फ्लैट नम्बर-02, फर्स्ट फ्लोर क्रिस्टल अपार्टमेंट, वार्ड नम्बर -08, ब्लॉक A, महरौली, जिला साउथ दिल्ली, देहली**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

कागजों की मजबूत जमीन पर एक साल भी नहीं टिका ओवरहेड टैंक

जल जीवन मिशन में भ्रष्टाचार का खेल उजागर, विकास का ढांचा मलबे में बदला, सरकार सख्त, डीएम ने रात में अस्पताल जाकर घायलों का हाल जाना

संवाददाता, भमौरा

अमृत विचार : आलमपुर जाफराबाद ब्लॉक की ग्राम पंचायत सरदार नगर में करोड़ों रुपये की लागत से बना ओवरहेड टैंक महज एक साल के भीतर ढह गया। इस हादसे ने विकास कार्यों में भ्रष्टाचार की परतें खोल दीं। सोमवार शाम करीब 5:45 बजे टैंक के भरभराकर गिरने से पास में ताश खेल रहे पांच ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की गूंज लखनऊ तक पहुंची तो सरकार ने भी सख्त रुख अपनाते हुए संबंधित इंजीनियरों की सेवाएं समाप्त कर दीं। अधिशासी अभियंता को नोटिस जारी किया गया है, जबकि एई और जेई से भी जवाब तलब किया गया है।

ग्रामीणों के मुताबिक जल जीवन मिशन के तहत करीब 3 करोड़ 62 लाख रुपये की लागत से बने इस टैंक के निर्माण में शुरू से ही अनियमितताएं बरती जा रही थीं। आरोप है कि मानकों की अनदेखी कर घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया गया और शिकायतों के बावजूद जिम्मेदार अधिकारी चुप्पी साधे रहे। रविवार को हुई बारिश के बाद टैंक के पिलर कमजोर होकर जमीन में धंस गए, जिससे सोमवार को पूरा ढांचा ढह गया।

हादसे में डोरी लाल, अर्जुन, वीरपाल, रविंद्र और नन्कू उर्फ वेदपाल गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन मौके पर पहुंचा और घायलों को अस्पताल भिजवाया गया। जेसीबी से मलबा हटाया गया, लेकिन इस घटना ने निर्माण की गुणवत्ता और निगरानी व्यवस्था पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।

- जल जीवन मिशन की गुणवत्ता पर सवाल, सरकार सख्त

ग्राम प्रधान पति सरताज ने आरोप लगाया कि निर्माण कार्य हैदराबाद की कंपनी एनसीसी कंस्ट्रक्शन द्वारा किया गया था। कई बार शिकायतों के बावजूद न तो ठेकेदार ने ध्यान दिया और न ही अधिकारियों ने कार्रवाई की। ग्रामीण संजीव पाठक का कहना है कि पूरे प्रोजेक्ट में भ्रष्टाचार साफ दिख रहा था, लेकिन जांच केवल कागजों तक सीमित रही।

मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन भी हरकत में आ गया है। डीएम अविनाश सिंह ने रात में अस्पताल पहुंचकर घायलों का हालचाल जाना और हर संभव मदद का भरोसा दिया। इसके बाद वे रात में ही गांव पहुंचे और ग्रामीणों से बातचीत कर स्थिति का जायजा लिया। जलजीवन मिशन की अधिशासी अभियंता कुमकुम गंगवार रात में थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई। ग्रामीणों ने इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच, ठेकेदार के खिलाफ सख्त कार्रवाई तथा घायलों को उचित मुआवजा देने की मांग की है।

सरदारनगर ग्राम पंचायत में करोड़ों की लागत से बने ओवरहेड टैंक के गिरकर मलबे में तब्दील होने के बाद ग्रामीण और पुलिस कर्मी मौके पर पहुंचे । • अमृत विचार

आज लखनऊ की टीम करेगी ओवरहेड टैंक ढहने की जांच

बरेली, अमृत विचार। आंवला तहसील की सरदार नगर ग्राम पंचायत में सोमवार शाम भरभराकर गिरे ओवरहेड टैंक के मामले को प्रशासन ने गंभीरता से लिया है। जिलाधिकारी ने प्रकरण का संज्ञान लेते हुए जल निगम की एक्सईएन कुमकुम गंगवार से टंकी निर्माण से संबंधित विस्तृत जानकारी तलब की है। वहीं, एक्सईएन ने बताया कि पूरे मामले की तकनीकी जांच के लिए मंगलवार को लखनऊ से एक विशेष टीम मौके पर आएगी। यह टीम पिलर धंसने और निर्माण की गुणवत्ता की गहनता से जांच करेगी ताकि हादसे के असली कारणों का पता लगाया जा सके। एक साल में ओवरहेड टैंक गिरने का पहला मामला बताया जा रहा।

बरेली में निजी अस्पताल में भर्ती घायलों से हाल जानते डीएम अविनाश सिंह।

घटना के बाद मौके पर पहुंचे सीओ ने अपनी टीम के साथ पड़ताल की। • अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

दुकान में चोरी करता युवक पकड़ा

देवरनियां, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र में चोरी की एक घटना को अंजाम दे रहे एक युवक को दुकानदारों ने पकड़ लिया। आरोपी गल्ले से नकदी चुराकर भाग रहा था। तभी लोगों ने उसे दौड़ाकर पकड़ा और पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। पकड़े गए युवक ने पूछताछ में अपना नाम इरफान पुत्र नन्हे बताया, जो ग्राम डोहरिया पड्डोरा, थाना भोजीपुरा, का निवासी है। लोगों ने उसे उसकी मोटरसाइकिल सहित पुलिस को सौंप दिया। पुलिस ने चरण सिंह की तहरीर के आधार पर आरोपी युवा के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। चरण सिंह की पेस्टीसाइड की दुकान में गया। चरण सिंह कुछ देर के लिए पड़ोस की दुकान में गये तो युवक ने गल्ले से पांच हजार रुपये निकालकर भागा। तभी दौड़ाकर पकड़ लिया गया।

टूर्नामेंट में विधायक ने खिलाड़ियों को किया सम्मानित

भोजीपुरा, अमृत विचार : धौराटांडा में 1 मई से चल रहे दस दिवसीय फेम नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट के तीसरे दिन क्षेत्रीय विधायक शहज़िल इस्लाम अंसारी ने क्रिकेट प्रेमियों एवं खिलाड़ियों से मुलाकात की। अन्ना क्रिकेट क्लब की टीम के जीतने पर मैन ऑफ द मैच रहे मोहम्मद तबरेज को शील्ड देकर सम्मानित किया। नगर पंचायत देवरनिया के पूर्व चेयरमैन हाफिज इकराम खान, इफ्तिखार अहमद, तफसीर अहमद, मेराज अंसारी, नदीम रब्बानी, सभासद मोहम्मद नजम, सभासद मोहम्मद नासिर, मोहम्मद शाकिर रजवी तंजीर आलम, रेहान रजवीआदि रहे।

चार मई, दीदी गई के लगाए नारे

संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : पश्चिम बंगाल और असम विधानसभा चुनावों में भाजपा की सफलता के बाद तहसील, कस्बों में भाजपा कार्यकर्ताओं ने खुशी मनाई। आतिशबाजी छोड़ी।मिठाई बांटी। जुलूस निकाला और चार मई दीदी गई के नारे लगाकर खुशी का इजहार किया।

मीरगंज तहसील क्षेत्र में कस्बे में ब्लॉक प्रमुख कार्यालय पर कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया। कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाई और भारत माता की जय के नारे लगाए। कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख गोपाल कृष्ण गंगवार, सोमपाल शर्मा, होरीलाल गंगवार, रमेश कुर्मी, नरेंद्र गंगवार आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे। ग्राम संजरपुर एवं हुरहुरी में विधायक डा. डीसी वर्मा ने मिठाई बांटकर खुशी का इजहार किया। इस अवसर पर प्रधान संघ अध्यक्ष सोनू कुर्मी, के.पी गंगवार, रवि कुर्मी, संतोष शर्मा, तेजपाल फौजी, मनोज गंगवार, आदि रहे।

तहसील स्थित पराग डेरी पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी छोड़कर मिठाई खिलाई। इस दौरान ओमपाल गंगवार, सुधीर शर्मा, अमरनाथ गुप्ता, प्रदीप पांडेय आदि रहे।

आंवला में बाइक रैली निकालकर खुशी मनाई

आंवला में जीत की खुशी में कार्यकर्ताओं ने बाइक रैली निकाली। रैली विद्या मंदिर से जो नगर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाई। आतिशबाजी कर जश्न मनाया। रैली में शामिल लोगों ने 4 मई ममता दीदी गई जैसे नारे लगाए। अनमोल गुप्ता, प्रभाकर शर्मा, मनोज मौर्य, सुनील श्रीवास्तव, सूरजभान सेठ , संजय अग्रवाल उर्फ बौबी , उषा सतीजा ,आदि मौजूद रहे।

मीरगंज में भाजपा कार्यकर्ताओं ने जुलूस निकाला। • अमृत विचार

रिठौरा में आतिशबाजी के साथ मना जीत का उत्सव

रिठौरा में कार्यकर्ताओं ने मुख्य चौराहे पर इकट्ठा होकर जश्न मनाया। भाजपा नेता अमित कुमार गुप्ता के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने जमकर आतिशबाजी की और मिठाई बांटकर एक-दूसरे को बधाई दी। जश्न में सभासद अनिल कुमार गुप्ता, मनोज कश्यप, ओमप्रकाश , सूर्य प्रकाश शर्मा,अमित गुप्ता, गौतम शंखधार प्रमुख रूप से शामिल रहे।

फतेहगंज पूर्वी,में भी भाजपा कार्यकर्ताओं ने मिठाई खिलाकर खुशी मनाई। इस दौरान पूर्व चेयरमैन शोभना अग्रवाल, पवन राज मिश्रा, डा. यशपाल सिंह रामू, प्रशांत मिश्रा उर्फ चिक्की, अरुण मिश्रा, आदि लोग थे ।

शीशगढ़ में होली दिवाली मनाई

शीशगढ़ में बस स्टैंड पर कार्यकर्ताओं ने पटाखे छोड़कर आतिशबाजी की और एक-दूसरे को मिठाई खिलाई। समर्थकों ने रंग-गुलाल उड़ाकर होली और दिवाली एक साथ मनाई। इस दौरान वसीम अकरम, शिव कुमार ठाकुर, सभासद हिमांशु गुप्ता, लक्ष्मी देवल, लालता प्रसाद राठौर सहित कई भाजपा कार्यकर्ता शामिल थे। उन्होंने 4 मई, दीदी गई' के नारे लगाए।

बहेड़ी प्रचंड बहुमत से बीजेपी की सरकार बनने पर जिला मंत्री ललित कुमार शर्मा एडवोकेट ने अधिवक्ताओं को मिठाई खिलाकर खुशी मनाई। इस अवसर पर बार अध्यक्ष रामेन्द्र सिंह राठी, महासचिव दीप चंद पांडे कोषाध्यक्ष रविंद्र कुमार गंगवार, मनोज कुमार जौहरी कृष्णा अवतार शर्मा, सुनील रस्तोगी, जसवीर चौहान, गजेंद्र पाल, लाल सिंह, हरीश गंगवार, देवेंन्द्र पटेल, आदि मौजूद रहे।

फरीदपुर में एमएलसी कुंवर महाराज सिंह के आवास पर मिठाई बांटकर व आतिशबाजी कर खुशी मनाई गई। इस अवसर प्रतुल अग्रवाल, धर्मेंद्र तोमर, सोमदत्तपाल राजेश गुप्ता विनोद राठौड़ अनूप मिश्रा शैलेश सिंह वैभव गुप्ता देवेंद्र सिंह अंशुल गुप्ता अर्चना सिंह सुभाष्टनी जायसवाल आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे । ओमवीर गुर्जर संजय चौहान सोमदत्त पाल, बार एसोसिएशन अध्यक्ष अतुल शुक्ला ब्रह्मेंद्र मिश्रा चंदन शुक्ला साहूकारा चौराहे और विधायक कार्यालय पर आतिशबाजी की।

बिशारतगंज में निकाला जुलूस

बिशारतगंज में भाजपा कार्यकर्ताओं ने उत्साह से ढोल नगाड़ों के साथ प्रमुख मार्गो से जुलूस निकाला। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष नानक राम सागर, कुलदीप मौर्य, राधे श्याम साहू, पूरनलाल,डॉक्टर संजय विश्वास, रामरतन साहू, अखलेश सिंह, निर्मल दास साहू बालगोविंद गोस्वामी,शिवकुमार रहे।

सेंथल में मना जश्न

सेंथल,में भाजपा की प्रचंड जीतपर कार्यकर्ताओं ने जमकर जश्न मनाया। इस दौरान किसान मोर्चा के जिला महामंत्री नितिश उपाध्याय , विनय चौधरी सहित तमाम लोग शामिल रहे। मोहल्ला गड़ी स्थित भाजपा कार्यालय पर सलीम हैदर गुड्डू द्वारा मिष्ठान वितरण कर जश्न मनाया गया। इस दौरान हरपाल मौर्य, मुकेश शर्मा, असगर अली सिद्दिकी, हसन मियां, मोहद्दस मेहंदी, अजीत सागर, करन सागर, अर्जुन सिंह आदि मौजूद रहे।

मल्लहपुर में प्राथमिक विद्यालय खुलने पर खुशी

नवाबगंज, अमृत विचार : ग्राम मल्लहपुर में बंद पड़ा प्राथमिक विद्यालय दोबारा खुलने पर ग्रामीणों में खुशी का माहौल है। स्कूल खुलने के बाद गांव में जश्न मनाया गया और पैनी नजर संस्था की अध्यक्ष एडवोकेट सुनीता गंगवार का ग्रामीणों ने स्वागत कर आभार व्यक्त किया। ग्रामीणों का कहना है कि विद्यालय खुलवाने के लिए वे पिछले जुलाई माह से लगातार प्रयास कर रहे थे, लेकिन जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से मायूसी के बाद सुनीता गंगवार के प्रयासों से अंतत: स्कूल दोबारा संचालित हो सका। विद्यालय खुलने से ग्रामीणों ने कहा कि अब उनके बच्चों को गांव में ही शिक्षा का अवसर मिल सकेगा। इस अवसर पर सुनीता गंगवार ने कहा कि शिक्षा बच्चों का मौलिक अधिकार है और इसे बाधित करना कानूनन अपराध है।

भात लेकर आए मेहमानों से छेड़छाड़

फरीदपुर अमृत विचार : शादी में भात लेकर आए मेहमानों से छेड़छाड़ करने का मामला कोतवाली पहुंचा। मामले मे तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। फरीदपुर थाना क्षेत्र के ग्राम खल्लपुर निवासी बृजेश ने तहरीर में बताया रविवार को उसकी बेटी की गांव में बारात आई थी जिसमे बदायूं के गांव उत्तने निवासी जयपाल और राजीव अपनी भांजी का भात लेकर घर की महिलाओं की भी साथ लेकर आए थे।

ब्योधन बुजुर्ग में संक्रमण से एक व्यक्ति की मौत

संवाददाता, सिरौली

- मृतक के परिवार के कई लोग बुखार से पीड़ित,
- तीन वर्षीय बालक डायरिया बुखार के चलते बिसौली में भर्ती

अमृत विचार : ब्लॉक रामनगर का गाँव ब्योधन बुजुर्ग इस समय लोग दहशत में है। गाँव में फैले संक्रमण ने एक हँसते-खेलते परिवार को उजाड़ दिया है। गाँव में संक्रमण की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई है। जबकि दर्जनों ग्रामीण जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रहे हैं।

मृतक अंजूपाल

गाँव के निवासी अजूंपाल (45) को बीते 28 अप्रैल से अचानक उल्टी और दस्त की शिकायत हुई थी। परिजनों ने बदहवासी में झोलाछाप से संपर्क किया, लेकिन मर्ज बढ़ता ही गया। सही इलाज न मिल पाने के कारण रविवार को अजूंपाल की हालत बेहद बिगड़ गई और उन्होंने दम तोड़ दिया। अजूंपाल की मौत के बाद परिवार में कोहराम मचा है,

मृतक की पत्नी और उसकी तीन बेटियों की हालत भी नाजुक बनी है। बेटी रजनी तेज बुखार से तप रही है और उसे ड्रिप चढ़ाई जा रही है। यही हाल मृतक के भाई सुरेंद्र के परिवार का है। सुरेंद्र की पत्नी तारावती, राजेश्वरी, कविता और छात्र भोज टाइफाइड व मलेरिया की चपेट में हैं। तीन वर्षीय विवर्त मौर्य को डायरिया और बुखार के चलते बिसौली में भर्ती कराया गया है। ग्रामीण पप्पू के चारों बच्चे बुखार से तप रहे हैं। प्रीति दिवाकर और संगीता भी संक्रमण का शिकार हैं।

पीएचसी प्रभारी सुनील कुमार ने बताया कि उन्हें गांव में बीमारी फैलने की सूचना मिली है। उन्होंने आश्वासन दिया है कि मंगलवार को स्वास्थ्य विभाग की एक विशेष टीम गांव भेजी जाएगी, जो कैंप लगाकर मरीजों की जाँच करेगी और दवाइयां वितरित करेगी।

आंवला रेलवे स्टेशन बारिश से जलमग्न, यात्री रहे परेशान

संवाददाता, आंवला

आंवला स्टेशन पर जलभराव और बेंच पर खड़ा यात्री।

अमृत विचार : सोमवार सुबह हुई तेज हवाओं और मूसलाधार बारिश ने बरेली के आंवला रेलवे स्टेशन की व्यवस्थाओं को पूरी तरह से जलमग्न कर दिया। स्टेशन के प्लेटफॉर्म से लेकर रेलवे सुरक्षा बल की चौकी तक, हर जगह पानी भर जाने से यात्रियों और रेल कर्मियों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

बारिश के कारण प्लेटफॉर्म पर भारी जलभराव हो गया। ट्रेन से उतरने वाले यात्रियों को स्टेशन पर भरे गंदे पानी से होकर स्टेशन के बाहर निकलना पड़ा।

आंवला स्टेशन को केंद्र सरकार की अमृत भारत योजना के तहत विकसित किया जा रहा है। हालांकि, प्रत्यक्षदर्शियों का आरोप है कि निर्माण कार्य नियमों के ताक पर रखकर किया जा रहा है, जिसकी वजह से जल निकासी की व्यवस्था पूरी तरह ठप हो गई है। स्टेशन पर बनी रेलवे सुरक्षा बल की चौकी में भी पानी घुस गया, जिससे ड्यूटी पर तैनात जवानों को भी असुविधा का सामना करना पड़ा।

स्टेशन पर मौजूद यात्रियों ने प्रशासन के खिलाफ नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि अधूरा और लापरवाही से किया जा रहा निर्माण कार्य अब उनके लिए मुसीबत बन गया है। जलभराव और फिसलन के कारण कई लोग चोटिल भी हो रहे हैं। स्टेशन पर आए यात्री ने बताया कि "एक तरफ करोड़ों रुपये खर्च कर स्टेशन को आधुनिक बनाने का दावा किया जा रहा है, वहीं दूसरी तरफ बुनियादी सुविधाओं और ड्रेनेज सिस्टम का बुरा हाल है। प्रशासन इस गंभीर समस्या को नजरअंदाज कर रहा है।

किसानों की जमीन पर सड़क का मामला गरमाया

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- 25 साल पहले स्वेच्छा से दी गई जमीन के बदले मुआवजे की मांग डीएम ने दिए जांच के निर्देश

अमृत विचार : नवाबगंज तहसील क्षेत्र में किसानों की जमीन पर बनी सड़क को लेकर एक बार फिर विवाद सामने आया है। करीब 25 वर्ष पहले गांव के किसानों ने सार्वजनिक आवागमन की सुविधा के लिए स्वेच्छा से अपनी जमीन सड़क निर्माण के लिए दी थी। अब किसान बेचेलाल, लालबहादुर, ताराचंद समेत करीब 15 किसान उस जमीन के बदले जमीन या उचित मुआवजे की मांग उठा रहे हैं।

मामला लगभग 500 मीटर लंबी सड़क से जुड़ा है। यह सड़क नदी के कटान से क्षतिग्रस्त हो गई थी, जिसके बाद इसके पुनर्निर्माण की प्रक्रिया शुरू हुई। इसी दौरान करीब 15 किसानों ने आपत्ति दर्ज कराते हुए कहा कि सड़क जिन 10 गाटों से होकर गुजर रही है, वह उनकी भूमि है और पहले दिए गए आश्वासन के अनुरूप अब तक उन्हें जमीन के बदले जमीन नहीं मिली। मामले में सोमवार को लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता भगत सिंह जिलाधिकारी से मिले। जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने कहा कि यह सड़क क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि नदी के कटान से मार्ग का हिस्सा नष्ट हो गया था। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसानों के साथ न्याय किया जाएगा और उन्हें उनका हक दिलाया जाएगा। डीएम ने नवाबगंज के अधिकारियों को पूरे प्रकरण को गंभीरता से लेकर आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए हैं।

पत्नी और प्रेमी पर सुमित की हत्या की रिपोर्ट दर्ज

संवाददाता, बिथरी चैनपुर

अमृत विचार : बिथरी के रामगंगानागर में एक सप्ताह पहले फांसी लगाकर आत्महत्या करने वाले युवक की मौत में पत्नी के अवैध संबंधों का मामले सामने आया है।पुलिस ने मृतक की पत्नी और उसके प्रेमी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

मृतक सुमित सोनकर के चाचा ब्रजेन्द्र कुमार ने पुलिस से की शिकायत में बताया कि सुमित करीब छह माह पहले से रामगंगा नगर कॉलोनी में अपनी पत्नी के साथ रहकर मजदूरी करता था।उन्होंने बताया पत्नी के पड़ोस में रहने वाले एक युवक से अवैध संबंध हो गए थे।जब इसकी जानकारी सुमित को हुई तब उसने इसका विरोध किया था। पूरी बात सुमित ने अपने चाचा को बताई थी।24 अप्रैल को सुमित की पत्नी ने करीब डेढ़ बजे उसकी बहन को सुमित द्वारा फांसी लगाने की सूचना दी थी।जानकारी मिलने पर जब परिजन वहां पहुंचे तो उसका मृत शरीर चारपाई पर पड़ा हुआ था।जिसपर उन्होंने पत्नी से पूछा तो उसने साढ़े 12 बजे की घटना बताई।तुरंत पुलिस को सूचना न दिए जाने और फांसी लगने के बाद शव चारपाई कर कैसे आया समेत कई कई सबाल पूछे तो उसने सीधे जबाब नही दे पाई ।

परिजनों का आरोप है कि सुमित की पत्नी ने ही अपने प्रेमी के साथ षड्यंत्र रचकर सुमित की हत्या की है।पुलिस ने दोनों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।एस ओ राजेश बाबू मिश्रा ने बताया मामले की जाँच की जा रही है।

मृतक बच्चों के परिजनों को आर्थिक मदद देने की मांग

बरेली/मीरगंज, अमृत विचार: मीरगंज तहसील के ग्राम तिलमास में रविवार दोपहर तालाब में डूबने से तीन बच्चों की मौत पर सपा के जिलाध्यक्ष शुभलेश यादव और महानगर अध्यक्ष शमीम खां सुल्तानी ने गहरा शोक व्यक्त किया। सोमवार को पीड़ित परिवारों से मिलने पहुंचे जिलाध्यक्ष ने घटना को पूरे समाज को झकझोर देने वाला बताया। उन्होंने शासन-प्रशासन से प्रत्येक पीड़ित परिवार को पांच-पांच लाख रुपये की तत्काल आर्थिक सहायता देने और तालाबों पर सुरक्षा के इंतजाम करने की मांग की। सुरेश गंगवार, मनोहर पटेल, भद्रसेन गंगवार, राजेश मौर्य, जोगेंद्र पटेल, नाजिम कुरेशी, नरेंद्र यादव, भानु प्रताप सिंह रहे।

नवविवाहिता को ले जाने का आरोप

नवाबगंज अमृत विचार : थाना क्षेत्र के एक गांव में मायके आई नवविवाहिता को गांव के ही एक युवक द्वारा बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप है। पीड़िता की मां ने युवक, उसके भाई और चाचा पर आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी है। एक माह पूर्व युवती का विवाह हुआ था वह पहली बार मायके आई थी। रविवार शाम उसकी मां खेत पर घास काटने गई थी ।इसी दौरान गांव का युवक अपने परिजनों की मदद से उसे बाइक पर बैठाकर ले गया।

कार्यालय ग्रा.पं. अभयपुर महमूदपुर विकास खण्ड दमखोदा बरेली

पत्रांक : 011/ग्रा.पं. वर्ष 2026-27 दिनांक : 30.04.2026

निविदा सूचना

समस्त पंजीकृत ठेकेदारों/फर्मो को सूचित किया जाता है कि वर्ष 2026-27 में 15/16वें वित्त एवं राज्य वित्त व मनरेगा एवं श्री जी राम जी योजना अन्तर्गत कराये जाने हेतु सामग्री क्रय हेतु ईट, रोड़ी, सीमेन्ट, बजरी, बजरफुट, देशी रेत, सरिया, इन्टरलॉकिंग ग्राम पं. में निविदा आमंत्रित है जो दिनांक 02.05.2026 को 5 बजे तक जमा की जायेंगी जोकि दिनांक 05.05.2026 को 3 बजे खोली जायेगी। कार्य विवरण निम्नवत् है :-

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	योजना
1.	टहा में किशन लाल के मकान से लालू के खोका तक सीसी नाली निर्माण	4 लाख	मनरेगा

कुसमा - प्रधान हरेन्द्र सिंह मतौलिया-सचिव

कार्यालय ग्राम पंचायत कुआडांडा कासिमपुर ब्लॉक सालारपुर बदायूं

निविदा सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत कुआडांडा कासिमपुर में केन्द्रवित्त/राज्यवित्त/योजनान्तर्गत निर्माण कार्य हेतु सामग्री आपूर्ति (बजरी, बदरफुट, सीमेण्ट, सरिया, अन्य सामग्री) हेतु निविदा आंमत्रित की जाती है। इच्छुक फर्म दिनांक 08.05.2026 तक दिन में 12:00 बजे तक सील बन्द लिफाफे में आवेदन (जी.एस.टी. रजिस्टर्ड) ग्राम पंचायत कार्यालय में कार्यदिवस में जमा कर सकता है। आवेदन शील बन्द 10.05.2026 को ग्राम पंचायत के सदस्यों की उपस्थिति में खोला जायेगा। निविदाओं को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को सुरक्षित रहेगा।

क्र.सं.	कार्य का नाम	लम्बाई चौड़ाई	अनुमानित लागत
1.	ग्राम पंचायत में कुआं का सौन्दर्यकरण कार्य।	1	198200/-
2.	ग्राम पंचायत में मनोज के घर से छुट्टन के घर तक सी.सी.,नाली निर्माण कार्य	1	450000/-
3.	शिव कुमार के घर से छुट्टन के घर तक सी.सी. नाली निर्माण कार्य	1	500000/-

ग्राम प्रधान-नेत्रपाल सचिव-सुधीर कुमार सिंह

कार्यालय ग्राम पंचायत हसनपुर ब्लॉक सालारपुर बदायूं

निविदा सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत हसनपुर में केन्द्रवित्त/राज्यवित्त/योजनान्तर्गत निर्माण कार्य हेतु सामग्री आपूर्ति (बजरी, बदरफुट, सीमेण्ट, सरिया, अन्य सामग्री) हेतु निविदा आंमत्रित की जाती है। इच्छुक फर्म दिनांक 08.05.2026 तक दिन में 12:00 बजे तक सील बन्द लिफाफे में आवेदन (जी.एस.टी. रजिस्टर्ड) ग्राम पंचायत कार्यालय में कार्यदिवस में जमा कर सकता है। आवेदन शील बन्द 10.05.2026 को ग्राम पंचायत के सदस्यों की उपस्थिति में खोला जायेगा। निविदाओं को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को सुरक्षित रहेगा।

क्र.सं.	कार्य का नाम	लम्बाई चौड़ाई	अनुमानित लागत
1.	अम्बेडकर पार्क में इण्टरलॉकिंग कार्य।	1	400000/-
2.	फिरासत के घर से जितेन्द्र के घर तक सी.सी. नाली निर्माण कार्य	1	450000/-
3.	जाटव तालाब के पास रेनवाटर हार्वेस्टिंग कार्य।	1	150000/-

ग्राम प्रधान-शिवकुमार सचिव-सुधीर कुमार सिंह

कार्यालय ग्राम पंचायत कुंवरगांव देहात ब्लॉक सालारपुर बदायूं

निविदा सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत कुंवरगांव देहात में केन्द्रवित्त/राज्यवित्त/योजनान्तर्गत निर्माण कार्य हेतु सामग्री आपूर्ति (बजरी, बदरफुट, सीमेण्ट, सरिया, अन्य सामग्री) हेतु निविदा आंमत्रित की जाती है। इच्छुक फर्म दिनांक 08.05.2026 तक दिन में 12:00 बजे तक सील बन्द लिफाफे में आवेदन (जी.एस.टी. रजिस्टर्ड) ग्राम पंचायत कार्यालय में कार्यदिवस में जमा कर सकता है। आवेदन शील बन्द 10.05.2026 को ग्राम पंचायत के सदस्यों की उपस्थिति में खोला जायेगा। निविदाओं को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को सुरक्षित रहेगा।

क्र.सं.	कार्य का नाम	लम्बाई चौड़ाई	अनुमानित लागत
1.	पक्की सड़क से किशोरीलाल के घर तक नाला निर्माण कार्य	1	500000/-
2.	नन्दगांव में सरकारी नल से शेर सिंह के घर तक खडण्जा निर्माण कार्य	1	400000/-
3.	नत्थूलाल के घर से ओमवीर के घर तक खडण्जा निर्माण कार्य	1	400000/-
4.	रामचन्द्र के घर से नत्थू के घर तक सी.सी. नाली निर्माण कार्य	1	400000/-

ग्राम प्रधान-रामेश्वर सचिव-सुधीर कुमार सिंह

कार्यालय ग्राम पंचायत बल्लिया ब्लॉक सालारपुर बदायूं

निविदा सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत बल्लिया में केन्द्रवित्त/राज्यवित्त/योजनान्तर्गत निर्माण कार्य हेतु सामग्री आपूर्ति (बजरी, बदरफुट, सीमेण्ट, सरिया, अन्य सामग्री) हेतु निविदा आंमत्रित की जाती है। इच्छुक फर्म दिनांक 08.05.2026 तक दिन में 12:00 बजे तक सील बन्द लिफाफे में आवेदन (जी.एस.टी. रजिस्टर्ड) ग्राम पंचायत कार्यालय में कार्यदिवस में जमा कर सकता है। आवेदन शील बन्द 10.05.2026 को ग्राम पंचायत के सदस्यों की उपस्थिति में खोला जायेगा। निविदाओं को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को सुरक्षित रहेगा।

क्र.सं.	कार्य का नाम	लम्बाई चौड़ाई	अनुमानित लागत
1.	रामचन्द्र के घर से अतर सिंह के घर तक सी.सी. नाली निर्माण कार्य	1	450000/-
2.	सत्यवीर के घर से सुरेश जाटव के घर तक सी.सी. नाली निर्माण कार्य	1	400000/-

ग्राम प्रधान-हरदेवी सचिव-सुधीर कुमार सिंह

कार्यालय नगर पालिका परिषद, गोला गोकर्णनाथ, जनपद-खीरी

पत्रांक : 54/ई-टेन्डर न.पा.प. गोला/2026-27 दिनांक : 28.04.2026

ई-निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु अमृत 2.0 के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि के अन्तर्गत निम्नानुसार कार्य हेतु स्वायत्त निकाय/पब्लिक सेक्टर विभाग/राज्य सरकार/ केन्द्र सरकार/अन्य सरकारी विभाग में निर्धारित श्रेणी में कार्य की लागत के सीमा के अनुरूप पंजीकृत निविदादाताओं से ई-टेण्डरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा की समस्त शर्ते वेबसाईट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध रहेगी। किसी कारण वश अवकाश होने पर निविदा तिथि अगला कार्य दिवस मानी जायेगी।

ई-निविदा खरीदने की तिथि व समय	28.04.2026 समय 11:00 बजे से
ई-निविदा डालने की अन्तिम तिथि व समय	10.05.2026 समय 02:00 बजे तक
ई-निविदा डाउनलोड करने की तिथि व समय	28.04.2026 समय 11:00 बजे से 10.05.2026 समय 02:00 बजे तक
ई-निविदा खोलने की तिथि व समय	12.06.2026 समय 03:00 बजे
फाइनेन्सियल बिड खुलने की तिथि	तकनीकी बिड स्वीकृत होने स्वीकृत होने के उपरान्त

नोट : 1. निविदा आमंत्रणकर्ता को आई.टी.बी. के क्लाज-9 के अनुसार परिशिष्ट/शुद्धि पत्र जारी करने का अधिकार है। जो किसी भी समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जायेगा। सभी सम्भवित निविदादताओं को सलाह दी जाती है कि वह नियमित रूप से ई-निविदा पोर्टल पर निगरानी रखे।

2. सक्षम प्राधिकारी द्वारा किसी भी निविदा को अस्वीकृत करने तथा निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का पूर्ण अधिकार होगा।

संजय कुमार, अधिशासी अधिकारी, न.पा.प. गोला — विजय शुक्ला, अध्यक्ष, न.पा.प. गोला

कार्यालय नगर पंचायत खुदागंज, जनपद - शाहजहाँपुर

पत्रांक:- 32/न.पं.खुदा./2026-27 दिनांक : 04/05/2026

उत्तर प्रदेश नगरपालिका अधिनियम, 1916 (सं.प्र. ऐक्ट संख्या 2, 1916) की धारा 298 (2) के अधीन प्राप्त अधिकारों का प्रयोग करके नगर पंचायत, खुदागंज की बोर्ड बैठक दिनांक 30.09.2025 के प्रस्ताव सं.-4 (ग) के द्वारा अपनी सीमा के अन्तर्गत लगे विज्ञापनों का विनियमन और नियंत्रण एवं अनुज्ञप्ति शुल्क वसूली हेतु "विज्ञापन शुल्क उपविधि" बनायी है, जिससे उक्त ऐक्ट की धारा 301 (1) के अन्तर्गत आपत्तियां एवं सुझाव आमन्त्रित किये जाने के उद्देश्य से 15 दिवस के लिए प्रकाशित किया जाता है। सभी आपत्तियां एवं सुझाव अधिशासी अधिकारी को सम्बोधित इस कार्यालय को प्रेषित किये जायेगे। केवल उन्ही आपत्तियों पर विचार किया जायेगा, जो नियत तिथि तक प्राप्त होगें। निर्धारित अवधि समाप्त होने के उपरान्त प्राप्त आपत्तियों एवं सुझाव पर कोई विचार नही किया जायेगा। इस नियमावली से पूर्व यदि कोई नियमावली इससे सम्बन्धित प्रचलित है तो इस सीमा तक संशोधित या निरस्त समझी जायेगी।

विज्ञापन शुल्क उपविधि-2026

1. शीर्षक-यह नियमावली नगर पंचायत खुदागंज, जनपद-शाहजहाँपुर "विज्ञापन शुल्क उपविधि 2026" कहलायेगी।
2. प्रकृति-यह नियमावली उत्तर प्रदेश साधारण गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से प्रभावी होगी।
3. परिभाषाएं-जब तक विषय या प्रसंग से कोई बात प्रतिकूल न हो, इस नियमावली में-
   (क) अधिनियम का तात्पर्य नगरपालिका अधिनियम, 1916 (सं.प्र. एक्ट संख्या 2,1916) से है।
   (ख) "अधिशासी अधिकारी" से तात्पर्य नगर पंचायत खुदागंज के अधिशासी अधिकारी से है।
   (ग) बोर्ड का तात्पर्य नगर पंचायत खुदागंज के बोर्ड से है।
   (घ) अध्यक्ष का तात्पर्य नगर पंचायत खुदागंज के अध्यक्ष/प्रशासक से है।
   (ड.) नगर पंचायत से तात्पर्य नगर पंचायत खुदागंज, जनपद-शाहजहाँपुर से है।
   (च) नगर पंचायत सीमाओं से तात्पर्य वर्तमान में निर्धारित सीमायें या भविष्य में बढ़ने से निर्धारित होकर प्रभावी होने वाली सीमा से है।
   (छ) "विज्ञापन" से तात्पर्य किसी ऐसे पत्र, पत्रांक, सूचना पोस्टर, कपड़े के बैनर, कागज के छोटे पोस्टर चिपकाने वाले, साइन बोर्ड या अन्य किसी ऐसे पक्ष से है जो विज्ञापन के लिए प्रस्तुत की गई है।
   (ज) "भवन" से तात्पर्य घर/दुकान/बाउन्ड्रीवॉल के प्रत्येक भाग, जिसमें बाहरी दीवारों का घेरा या भवन के किसी भाग से है, जिसमें विज्ञापन प्रदर्शित किया गया है।
   (झ) "विज्ञापनकर्ता" में वे सभी व्यक्ति सम्मिलित है जो विज्ञापन कार्य करने के लिए नियुक्त किये गए हों तथा फर्मो या कम्पनी के मालिक, स्वामी प्रतिनिधि, साझेदार या प्रबंधक आदि जिनके लिये विज्ञापन प्रदर्शित गया है।
4. अधिशासी अधिकारी से पूर्व में लिखित अनुज्ञा प्राप्त किये बिना कोई भी व्यक्ति नगर पंचायत की सीमा के भीतर किसी भवन, पुल, मार्ग, फुटपाथ, उपरिगामी सेतु या उससे संलग्न भूमि या वृक्ष रक्षक नगर प्राचीन बाउन्ड्रीवॉल नगर में विद्युत या टेलीफोल के खम्बे, चल वाहनों या किसी भी खुले स्थान पर कोई विज्ञापन या किसी प्रकार की सूचना या चित्र जिससे किसी समान प्रज्ञा वाले व्यक्ति विज्ञापन होने का आभास हो, न तो परिनिर्मित करेगा, न चिपकायेगा, न प्रदर्शित करेगा, न लिखेगा, न लटकायेगा, न चित्रित करेगा।
5. नगरीय सीमान्तर्गत उपरोक्त वर्णित किसी भी प्रकार के विज्ञापन हेतु निर्धारित प्रारूप पर आवेदन करना होगा तथा प्राप्त आवेदन को आदर्श उपविधि में दिये गये निर्देशानुसार गुण एवं दोष के आधार पर सही पाये जाने पर ही अनुज्ञा प्रदान किये जाने सम्बन्धी अग्रेत्तर कार्यवाही सम्पादित की जायेगी।
6. अधिशासी अधिकारी को यह अधिकार होगा कि यह अपने द्वारा किसी स्वीकृत आज्ञा को जनहित में रद्द कर दे।
7. नगर पंचायत खुदागंज की सीमा के भीतर अनाधिकृत विज्ञापन लगाने पर अधिशासी अधिकारी को यह अधिकार होगा कि वह उस व्यक्ति के ही खर्चे पर हटा दें और इस प्रकार किया गया व्यय नगर पालिका अधिनियम के अन्तर्गत उस व्यक्ति या फर्म से वसूल कर लिया जायेगा जिसके लिये या जिसका विज्ञापन करने के लिये यह लगवाया गया था। यदि विज्ञापन हटाये जाने की तिथि से एक माह के अन्दर न छुड़वाया जाये तो अधिशासी अधिकारी संबंधित लोगों को इसके लिये सूचना देकर ऐसे विज्ञापनों को नीलाम कर सकेगा।
8. इन नियमों के अन्तर्गत प्रत्येक आज्ञा के स्वीकार किये जाने पर लिखित शुल्क अग्रिम जमा करना होगा।
9. दर/शुल्कः-

क० सं०	विज्ञापन का प्रकार	देय वार्षिक शुल्क	देय मासिक शुल्क
1	भूमि, दीवार और भवन, विद्युत तथा अन्य खम्भें, सार्वजनिक स्थल और सड़कों पर विज्ञापन पट (साइन बोर्ड, होर्डिंग, बैनर, साइनेज) के निर्माण और प्रदर्शन	राजकीय राजमार्ग पर रू० 500.00 प्रति वर्ग मी०/प्रति वर्ष राजकीय राजमार्ग से इतर मार्गों पर रू० 400.00 प्रति वर्ग मी०/प्रति वर्ष	राजकीय राजमार्ग पर रू० 50.00 प्रति वर्ग मी०/प्रति माह राजकीय राजमार्ग से इतर मार्गों पर रू० 40.00 प्रति वर्ग मी०/प्रति माह
2	वॉल पेन्टिंग	राजकीय राजमार्ग पर रू० 100.00 प्रति वर्ग मी०/प्रति वर्ष राजकीय राजमार्ग से इतर मार्गों पर रू० 80.00 प्रति वर्ग मी०/प्रति वर्ष	—— ——
3	शक्ति चलित तीन, चार पहिया वाहन एवं अन्य पर सचल विज्ञापन (सड़क प्रदर्शन को छोड़कर)	हल्का वाहन (आटो रक्शिा/3, 4 व्हीलर) रू० 2,500.000 प्रति वाहन/प्रति वर्ष भारी वाहन (बस आदि) रू० 10,000.00 प्रति वाहन/प्रति वर्ष	—— ——
4	ध्वनि विस्तारक यंत्र	——	200.00 रू० प्रति बाक्स/स्पीकर प्रतिदिन
5	एल०ई०डी० स्क्रीन	——	प्रथम मिनट पर 25 रू० अगले मिनट प्रति हेतु 01 रू०
6	सड़क प्रदर्शन (रोड शो)	——	तीन पहिया- रू० 25.00 प्रतिदिन चार पहिया- रू० 250.00 प्रतिदिन छः पहिया- रू० 500.00 प्रतिदिन
7	विद्युत और इलेक्ट्रानिक युक्ति से संचालित विज्ञापन/परिवर्तनशील संदेश	रू० 600.00 प्रति वर्ग मी०/प्रति वर्ष	रू० 60.00 प्रति वर्ग मी०/प्रति माह
8	1- पोस्टर 2- पर्चा 3- पताका 4- गुब्बारे 5- छतरी (कैनोपी)	——	1- रू० 150.00 प्रति सैकड़ा 2- रू० 300.00 प्रति सैकड़ा 3- रू० 50.00 प्रति सैकड़ा 4- रू० 250 प्रतिदिन 5- रू० 250 प्रतिदिन
9	एक स्तम्भ (यूनीपोल)	उपर्युक्त मद सं०-01 के अनुसार	उपर्युक्त मद सं०-01 के अनुसार
10	अन्य प्रकार के विज्ञापन (जिनका आलेख ऊपर नही है।)	उपर्युक्त मद सं०-01 के अनुसार	उपर्युक्त मद सं०-01 के अनुसार

नोट- निजी भूमि/भवनों पर प्रदर्शित विज्ञापानों हेतु उर्पयुक्त निर्दिक्ट दरों का 70 प्रतिशत अनुज्ञा शुल्क देय होगा।

10 निजी भवनों पर पोस्टर/बैनर आदि चिपकाने अथवा वॉल राइटिंग के पूर्व भवन स्वामी की लिखित अनुमति आवश्यक होगी।
11. अनुज्ञा प्रदान करने की रीति- (1) सार्वजनिक नीलामी के द्वारा (2) नगर पंचायत द्वारा स्वयं।
12. यदि नगर पंचायत यह आभास करती है कि प्रदर्शित विज्ञापन नियमावली के विरुद्ध है तो नगर पंचायत उसे हटा देगी।
13. दुकानों के आगे नाम पट्टिका लगे बोर्ड एवं सामाजिक संदेश देने वाले विज्ञापन पर नियमावली लागू नहीं होगी।
14. ऐसा विज्ञापन नही लगवाया जा सकता जो मनुष्य की भावनाओं को ठेस पहुंचाता हो, दूसरे व्यक्ति के प्रति घृणा उत्पन्न करता हो या व्यक्तिगत द्वेष से प्रेरित होकर, ऐसा उत्बोधन करती हो जो विवाद उत्पन्न करता हो।
15. उपरोक्त अनुसूची में विनिर्कट कर दरें अनुवृत्ति वित्तीय वर्ष जिसमें यह नियमावली प्रदत्त होगी के 02 वर्षो की समाप्ति के बाद 10 प्रतिशत तक बढ़ी हुयी समझी जायेगी। तत्पश्चात् इसी प्रकार की वृद्धि प्रत्यके दो वित्तीय वर्ष की समाप्ति के पश्चात् प्रभावी होगी।
16. अध्यक्ष/अधिशासी अधिकारी, नगर पंचायत खुदागंज में यह अधिकार निहित होगा कि प्रस्तावित नियमावली से भिन्न किसी प्रकार के विज्ञापन शुल्क के सम्बन्ध में नियम सम्मत शुल्क का निर्धारण कर सकता।
17. नगर पंचायत स खुदागंज सीमान्तर्गत विज्ञापन दाता व्यक्तियों/संस्थाओं/कम्पनियों तथा नगर पंचायत के मध्य कोई विवाद उत्पन्न होता है तो अध्यक्ष/अधिशासी अधिकारी, नगर पंचायत खुदागजं का निर्णय दोनों पक्षों को मान्य होगा जो अन्तिम होगा।
18. नगर पंचायत/जिला प्रशासन/चुनाव आयोग या राज्य सरकार के द्वारा हटाये गये विज्ञापनों की क्षतिपूर्ति देय न होगी।
19. विद्युत या इलेक्ट्रानिक युक्ति से संचालित साइन बोर्ड पेड़ों/विद्युत पोलों/ट्रान्सफार्मर के खम्भों पर किसी भी दशा में दर्शित नही किये जायेगें। क्यिास्क पट प्रत्येक खम्भे पर दो (आगे/पीछे) से अधिक नहीं लगाये जायेंगे। दो बैनरों के बीच की दूरी 1 फुट अनिवार्य होगी तथा क्रास द रोड बैनर लगाया जाना प्रतिबन्धित है।
20. उपरोक्त शर्तो में परिवर्तन-परिवर्धन करने का अधिकार अध्यक्ष, नगर पंचायत खुदागंज में निहित होगा।
21. शासन स्तर से समय-समय पर निर्गत शासनादेश मान्य होंगे तथा नियमावली उस सीमा तक संशोधित समझी जायेगी।

नोट- उपरोक्त नियमों के किसी अनुच्छेद का उल्लंघन करने पर अर्थदण्ड किया जायेगा। जो रु. 1,000.00 (रुपये एक हजार मात्र) तक हो सकता है। यदि निरन्तर उल्लंघन जारी रहे तो प्रत्येक दिन के लिए जिसके बारे में सिद्ध हो जाये कि अपराधी अपराध करता चला आ रहा है। तो रु. 25.00 (रुपये पच्चीस मात्र) अर्थदण्ड प्रतिदिन उपरोक्त के अतिरिक्त किया जायेगा। अर्थदण्ड अदा न करने पर आर.सी. जारी करने का अधिकार अधिशासी अधिकारी को होगा तथा सक्षम न्यायालय में वाद दायर किया जायेगा।

अधिशासी अधिकारी, नगर पंचायत खुदागंज, शाहजहाँपुर — अध्यक्ष, नगर पंचायत खुदागंज, शाहजहाँपुर

दुखी मत हो, तुम जो भी खोते हो, वह किसी और रूप में वापस आ जाता है।
–रूमी, सूफी

परिवर्तन की नई बयार

पश्चिम बंगाल की राजनीतिक उर्वर भूमि ने एक बार फिर इतिहास रचा है। चुनाव परिणामों ने न केवल सत्ता का केंद्र बदल दिया है, बल्कि पिछले डेढ़ दशक से चले आ रहे एकक्षत्र राजनीतिक विमर्श पर भी विराम लगा दिया है। पिछले 15 वर्षों से सत्ता पर काबिज ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस के अभेद्य दुर्ग में 'कमल' का यह उदय भारतीय लोकतंत्र की उस अंतर्निहित शक्ति का प्रमाण है, जहां जनता की खामोशी बड़े-बड़े किलों को ढहाने का माद्दा रखती है। किसी भी लोकतंत्र में 15 साल का समय एक लंबा कालखंड होता है।

टीएमसी के शासनकाल के शुरुआती वर्षों में जो परिवर्तन' का उत्साह था, वह धीरे-धीरे 'सत्ता विरोधी लहर में तब्दील होता गया। संदेशखाली जैसी घटनाओं ने महिला सुरक्षा के दावों पर सवाल खड़े किए, तो वहीं शिक्षक भर्ती घोटाले जैसे भ्रष्टाचार के मामलों ने राज्य के शिक्षित युवाओं और मध्यम वर्ग के भरोसे को हिलाकर रख दिया। भाजपा ने इन जख्मों को पहचानकर अपनी चुनावी रणनीति बुनी और भ्रष्टाचार मुक्त बंगाल के नारे को सीधे जन-जन तक पहुंचाया। इस जनादेश का एक महत्वपूर्ण पहलू मतों का ध्रुवीकरण और सामाजिक समीकरणों का बदलाव है। बंगाल की राजनीति पारंपरिक रूप से पहचान और अस्मिता के इर्द-गिर्द घूमती रही है। टीएमसी का मजबूत आधार माना जाने वाला मुस्लिम मतदाता वर्ग इस बार कुछ क्षेत्रों में बिखरे हुए नजर आए, वहीं दूसरी ओर मतुआ समुदाय और आदिवासी बेल्ट में भाजपा की पकड़ और अधिक मजबूत हुई। यह इस बात का संकेत है कि मतदाता अब केवल लोकलुभावन योजनाओं के सहारे नहीं, बल्कि स्थायी बुनियादी ढांचे और रोजगार के ठोस अवसरों की तलाश में हैं। बंगाल की राजनीति का एक काला पक्ष हमेशा चुनावी हिंसा रहा है। इस बार के चुनावों में भी हिंसा की खबरें सुर्खियों में रहीं, लेकिन जनता ने भारी मतदान के जरिए यह संदेश दे दिया कि वे भयमुक्त वातावरण चाहते हैं। ममता बनर्जी की हार के पीछे एक बड़ा कारण उनके कैडरों पर लगे दबंगई के आरोप भी रहे। भाजपा के लिए अब सबसे बड़ी चुनौती इस राजनीतिक हिंसा के चक्र को तोड़कर एक शांतिपूर्ण शासन व्यवस्था स्थापित करना होगा। 15 साल बाद सत्ता में आए इस बदलाव को संभालना नई सरकार के लिए आसान नहीं होगा। बंगाल पर चढ़ा भारी कर्ज, औद्योगिक पिछड़ापन और केंद्र के साथ राज्य के रिश्तों को पटरी पर लाना प्राथमिकता होगी।

ममता बनर्जी ने विपक्ष में रहकर जिस आक्रामकता की राजनीति की है, वही आक्रामकता अब वे एक सशक्त विपक्षी नेता के तौर पर सदन में दिखाएंगी। ऐसे में नई सत्ता को सुशासन की कसौटी पर खुद को हर दिन साबित करना होगा। जनादेश से स्पष्ट है बंगाल विकास की एक नई पटकथा लिखना चाहता है। यह जीत केवल भाजपा की नहीं, बल्कि उस आम बंगाली मानस की है, जिसने बदलाव के लिए अपना मत दिया। सत्ता का यह हस्तांतरण केवल कुर्सियों का बदलाव नहीं होना चाहिए, बल्कि यह बंगाल के गौरव और आर्थिक पुनरुद्धार की नई शुरुआत होनी चाहिए।

प्रसंगवश

रिश्तों के ताने-बाने में पनपती विकृतियां

हाल ही में कानपुर में एक पिता ने अपनी 11 साल की दो मासूम जुड़वां बेटियों की निर्मम हत्या कर दी। कारण चाहे जो भी हो, लेकिन समाज में पनपती विकृतियां अब आपसी रिश्तों पर भी हावी होती प्रतीत हो रही हैं। यह बर्बादी की एक नई कहानी है, जो अब धीरे-धीरे सामान्य होती जा रही है। ये अपने-आप में पहली घटना नहीं है, बल्कि ऐसे सैकड़ों मामले दरकते रिश्तों की अपनी दास्तां बयान करते हैं। जिन रिश्तों और संबंधों को किसी समय प्रेम, विश्वास और सुरक्षा से बांधा जाता था, वही अब स्वार्थपरक अनैतिक आचरण में लिप्त हो, कलयुग कहे जाने वाले समय की कालिख बनने का काम कर रहे हैं। यह हमें सोचने पर मजबूर कर रहे हैं कि आखिर ये समाज कहा जा रहा है और हम कहां जा रहे हैं?

डॉ. मोनिका शर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

कानपुर घटनाक्रम में हत्या के पीछे तनाव और नशे को जांच का आधार बनाया गया है, लेकिन देश का कोई भी कोना ऐसे मामलों से शायद ही अब अछूता हो। इससे पहले दिल्ली के नोएडा में आरुषि तलवार और गुरुग्राम में राधिका यादव की अपने ही पिता द्वारा जघन्य हत्या जैसे मामले भरोसे के इन रिश्तों की कहानी बयां करते हैं। राजस्थान के अलवर और मेरठ में पत्नी के प्रेमी संग पति की हत्या, लखनऊ में बेटे द्वारा कारोबारी पिता की हत्या कर टुकड़े ड्रम में रखने जैसे दिल दहला देने वाले प्रकरणों ने जनमानस को हिला कर रख दिया है।

असल में अब समाज में रिश्तों का कत्ल एक गंभीर समस्या बनती जा रही है, जिनके स्वरूप अलग-अलग देखे जा सकते हैं। जहां आपसी विवाद, प्रॉपर्टी और पैसा, अनैतिक संबंध, अहंकार और भरोसे की कमी के कारण भाई-भाई, बेटे-पिता, पिता-बेटी और पति-पत्नी के रिश्ते तार-तार हो रहे हैं। पिछले सालों में बढ़ने वाला नशे का प्रचलन भी इसका एक बड़ा कारण बन रहा है, जिसमें व्यक्ति अपराध करने से पहले यह नहीं समझ पाता कि सामने सगे-संबंधी हैं या कोई और। ऐसा लगता है जैसे कि रिश्तों का कत्ल करने की होड़ मची हुई है। ऐसा करने में कोई भी रिश्ता किसी भी रिश्ते से पीछे नहीं है।

इस तरह की अनैतिक घटनाएं जैसे सगे-संबंधियों को मार देना या संपत्ति के लिए अपनों की हत्या सामाजिक ताने-बाने को कमजोर कर रही हैं। अत्यधिक स्वार्थ, लालच और अहंकार के कारण व्यक्ति अपनों के प्रति संवेदनहीन हो रहा है। रिश्तों में प्यार और भरोसे की कमी के कारण वे बोझ बन कर अंततः टूट जाते हैं। आपसी सम्मान और प्रेम में कमी आ रही है, जिससे रिश्तों की परिभाषा बदल रही है और सामाजिक सौहार्द खत्म हो रहा है। परिणाम स्वरूप परिवार तबाह हो रहे हैं और समाज शर्मसार हो रहा है। इस तरह के मामले बताते हैं कि भौतिक सुख-सुविधाओं की चाह में इंसानियत खत्म हो रही है।

देश में हर रोज कहीं न कहीं हो रही इस तरह की घटनाएं बता रही हैं कि परिवार और समाज में सुरक्षा का भाव दिनों-दिन कम हो रहा है। तनाव के चलते रिश्तों में खटास होने से व्यक्ति का मानसिक संतुलन बिगड़ रहा है। मानवता पर सवाल उठने लगे हैं। प्यार और स्नेह की जगह अब नफरत ले रही है, जो समाज के लिए खतरनाक है। यह आवश्यक है कि हम अपने रिश्तों में आपसी विश्वास, समझ और प्रेम को बहाल करें, ताकि समाज में एक-दूसरे के प्रति सम्मान बना रहे।

(यह लेखिका के निजी विचार हैं।)

बीजेपी का विस्तार और क्षेत्रीय क्षत्रपों का नया स्वरूप

योगेश कुमार गोयल
वरिष्ठ पत्रकार

2026 के पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणाम भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में केवल सत्ता परिवर्तन या सत्ता वापसी की घटना मात्र नहीं हैं, बल्कि ये देश की राजनीतिक दिशा और मतदाता के बदलते मनोविज्ञान का एक ऐसा विस्तृत दस्तावेज हैं, जिसने भविष्य की राजनीति के लिए नए प्रतिमान स्थापित कर दिए हैं। इन परिणामों ने स्पष्ट कर दिया है कि भारतीय मतदाता अब केवल भावनात्मक नारों या पारंपरिक वोट बैंक के गणित में उलझने वाला नहीं है, बल्कि वह शासन की जवाबदेही, नेतृत्व की विश्वसनीयता और विकास के ठोस धरातल पर अपना निर्णय सुना रहा है।

पूर्वोत्तर की पहाड़ियों से लेकर दक्षिण के तटीय मैदानों तक फैली इस राजनीतिक हलचल का यदि सूक्ष्म विश्लेषण किया जाए तो यह साफ दिखाई देता है कि 'भगवा' राजनीति का पूर्वी विस्तार अब अपने चरम पर है, जबकि दक्षिण में क्षेत्रीय अस्मिता और नए राजनीतिक विजन के बीच एक दिलचस्प संघर्ष छिड़ गया है। ये चुनाव परिणाम उन तमाम राजनीतिक पंडितों के लिए एक सबक हैं, जो केवल पुराने आंकड़ों के आधार पर भविष्यवाणियां करते थे, क्योंकि इस बार मतदाताओं ने एक ऐसी 'परिवर्तन की आंधी' का सूत्रपात किया है, जिसने कई दिग्गजों के राजनीतिक भविष्य पर प्रश्नचिह्न लगा दिए हैं।

> 2026 के पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणाम देश की राजनीतिक दिशा और मतदाता के बदलते मनोविज्ञान का एक ऐसा विस्तृत दस्तावेज हैं, जिसने भविष्य की राजनीति के लिए नए प्रतिमान स्थापित कर दिए हैं।

पश्चिम बंगाल की राजनीति में आए 'महाभूकंप' को देखे बिना 2026 के इस जनादेश की व्याख्या अधूरी है। लगभग डेढ़ दशक से राज्य की सत्ता पर काबिज तृणमूल कांग्रेस का ढहना और भाजपा का 150 सीटों के पार जाना यह दर्शाता है कि बंगाल की जनता 'सिंडिकेट राज' और 'कट मनी' की संस्कृति से ऊब चुकी थी। बंगाल का यह परिणाम केवल एक चुनावी जीत नहीं, बल्कि एक वैचारिक क्रांति है, जहां मतदाताओं ने 'बंगाली अस्मिता' के साथ 'राष्ट्रीय विकास' के समन्वय को स्वीकार किया है।

संदेशखाली जैसी घटनाओं ने शासन के प्रति जो आक्रोश पैदा किया था, वह ईवीएम के माध्यम से ज्वालामुखी की तरह फटा। भाजपा ने यहां जिस प्रकार से हिंदू मतों का ध्रुवीकरण किया और साथ ही मतुआ एवं राजवंशी समुदायों को अपने पक्ष में संगठित किया, उसने टीएमसी के अभेद्य दुर्ग की ईंट से ईंट बजा दी। ग्रामीण बंगाल में 'प्रधानमंत्री आवास योजना' और 'जल जीवन मिशन' जैसी केंद्रीय योजनाओं ने एक नया 'लाभार्थी वर्ग' तैयार किया, जिसने प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण की पारदर्शिता को राज्य सरकार की भ्रष्टाचार युक्त मशीनरी से बेहतर पाया। यह चुनाव परिणाम ममता बनर्जी के उस करिश्मे के अंत का भी संकेत है, जो कभी अपराजेय माना जाता था और अब बंगाल की राजनीति एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां सुशासन और कानून-व्यवस्था ही सत्ता की एकमात्र कसौटी रह गई है।

असम की ओर रुख करें तो यहां की स्थिति बंगाल से बिल्कुल भिन्न, लेकिन उतनी ही प्रभावशाली है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व में भाजपा की 'हैट्रिक' ने यह सिद्ध कर दिया है कि जब विकास को सांस्कृतिक अस्मिता के साथ जोड़ दिया जाता है, तो वह एक अजेय फॉर्मूला बन जाता है। असम में भाजपा की जीत केवल सत्ता की निरंतरता नहीं है, बल्कि यह उस विश्वास की पुष्टि है, जो जनता ने सरमा के प्रभावी और साहसी नेतृत्व में दिखाया है। असम का जनादेश संदेश देता है कि यदि नेतृत्व के पास विजन हो और वह जमीनी मुद्दों पर आक्रामक तरीके से कार्य करे तो जनता उसे फिर सेवा का अवसर प्रदान करती है। यहां विपक्ष की बिखरी हुई ताकत और कांग्रेस की वैचारिक शून्यता ने भाजपा की राह को और भी आसान बना दिया।

दक्षिण भारत के राजनीतिक परिदृश्य में तमिलनाडु ने इस बार पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। थलपति विजय के रूप में एक नए राजनीतिक सूर्य का उदय यह बताता है कि तमिलनाडु की जनता अब डीएमके और एआईएडीएमके के दशकों पुराने द्वंद्व से मुक्ति चाहती थी। विजय की पार्टी 'तमिलगा वेत्री कड़गम' द्वारा 100 सीटों का आंकड़ा पार करना एक राजनीतिक चमत्कार है, जिसने एमजीआर के उस दौर की याद ताजा कर दी, जब सिनेमा और राजनीति का संगम सत्ता की चाबी बन गया था। विजय ने खुद को केवल एक फिल्मी सितारे के रूप में नहीं, एक 'संकटमोचक' और 'युवा आइकन' के रूप में पेश किया। उन्होंने गठबंधन की राजनीति को ठेंगा दिखाते हुए 'अकेले शेर' की तरह चुनावी मैदान में उतरने का जो साहस दिखाया, उसने तमिल युवाओं के बीच एक नई ऊर्जा का संचार किया।

केरल का चुनाव परिणाम भी कम दिलचस्प नहीं रहा, जहां 'एक बार इधर, एक बार उधर' की पारंपरिक रीत ने पिनाराई विजयन की तमाम कोशिशों के बावजूद एलडीएफ को सत्ता से बाहर कर दिया। यूडीएफ की प्रचंड वापसी दर्शाती है कि केरल का शिक्षित मतदाता भ्रष्टाचार और राजकोषीय कुप्रबंधन को बर्दाश्त करने के मूड में नहीं था। विभिन्न घोटालों ने एलडीएफ की साख को जो चोट पहुंचाई, उसकी भरपाई उसकी जनहितैषी योजनाओं से भी नहीं हो सकी। राहुल गांधी की वायनाड में सक्रियता और 'न्याय' जैसी योजनाओं के वादे ने कांग्रेस नीत यूडीएफ के पक्ष में सकारात्मक माहौल बनाया। महत्वपूर्ण बात यह रही कि अल्पसंख्यक समुदायों, विशेषकर ईसाइयों और मुस्लिमों के बीच उपजे असंतोष ने सत्ता के संतुलन को पूरी तरह बिगाड़ दिया।

पुडुचेरी जैसे छोटे केंद्र शासित प्रदेश ने भी यह दिखाया कि राजनीति में स्थिरता और केंद्र के साथ तालमेल का कितना महत्व है। एन रंगासामी की सहज छवि और भाजपा के साथ उनके गठबंधन ने मतदाताओं को यह भरोसा दिलाया कि विकास के लिए केंद्र और स्थानीय सरकार का एक पटरी पर होना जरूरी है। नतीजों ने साबित किया कि छोटे क्षेत्रों में व्यक्तिगत संपर्क और सामाजिक समीकरण ही हार-जीत की रेखा खींचते हैं। यहां का मतदाता प्रशासनिक गतिरोध के बजाय स्थिरता को अधिक महत्व देता है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

आमने सामने

बंगाल और असम में जनादेश को प्रभावित किया गया है। ED, CBI, चुनाव आयोग, पुलिस और केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल कर चुनाव को प्रभावित किया गया। भारी संख्या में केंद्रीय बल तैनात कर पहली बार इस तरह जनादेश 'चुराया' गया है। चुनाव प्रक्रिया को बीजेपी के पक्ष में मोड़ा गया है।

–दीपक बैज
छत्तीसगढ़ कांग्रेस अध्यक्ष

देश की नजर इन चुनाव परिणामों पर है। पश्चिम बंगाल की जनता ने बदलाव का संकेत दिया है। बंगाल में टीएमसी को जनता ने नकार दिया है। असम में कांग्रेस के तमाम प्रयासों के बावजूद बीजेपी सरकार बना रही है। साथ ही पुडुचेरी और तमिलनाडु में भी बीजेपी की स्थिति मजबूत हुई है।

–अरुण साव
उपमुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

मौसम का दोष जलवायु परिवर्तन पर मत मढ़ो!

पंकज चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

भारत में मौसम का बदलता मिजाज और बैसाख के महीने में जेठ जैसी तपिश का अहसास होना, अब केवल एक प्राकृतिक घटना नहीं, बल्कि एक गहरे पारिस्थितिक संकट की चेतावनी है। अक्सर भीषण गर्मी और लू के लिए अल नीनो या वैश्विक जलवायु परिवर्तन को दोष देकर हम अपनी जिम्मेदारी से बचते रहे हैं, लेकिन वास्तविकता यह है कि यह संकट काफी हद तक मानव-निर्मित है। आज हम जिस भीषण गर्मी का सामना कर रहे हैं, वह वैश्विक वायुमंडलीय बदलावों और स्थानीय स्तर पर पर्यावरण के प्रति बरती गई नीतिगत लापरवाही का एक मिला-जुला परिणाम है।

जब हम अपनी विकास योजनाओं के नाम पर हज़ारों हेक्टेयर प्राथमिक जंगलों, पहाड़ियों और जल निकायों को नष्ट करते हैं, तो हम अनजाने में उन प्राकृतिक 'कूलिंग एजेंटों' को खत्म कर देते हैं, जो इस तपिश के खिलाफ हमारी एकमात्र सुरक्षा थे। बुंदेलखंड जैसे क्षेत्रों में, जहां तापमान अब नियमित रूप से 48C के स्तर को छूने लगा है, यह स्पष्ट है कि हमारी विकास की भूख ने धरती के प्राकृतिक थर्मोस्टेट को बिगाड़ दिया है।

> गर्मी का घातक रूप हमारी खेती और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की कमर तोड़ रहा है। 'थर्मल शॉक' के कारण गेहूं जैसी प्रमुख फसलों के दाने दूध भरने की अवस्था में ही सूख रहे हैं।

इस मानव-निर्मित गर्मी की सबसे प्रत्यक्ष और क्रूर मार उन मजदूरों और सड़क किनारे काम करने वाले श्रमिकों पर पड़ती है, जो इस ढांचे का निर्माण कर रहे हैं। भारत के करोड़ों निर्माण श्रमिक, रेहड़ी-पटरी वाले और गिग-इकोनॉमी के कर्मचारी इस गर्मी को केवल एक आंकड़े के रूप में नहीं, बल्कि एक शारीरिक हमले के रूप में महसूस करते हैं। आंकड़ों के अनुसार, गर्मी के कारण भारत को 2030 तक अपने कुल कामकाजी घंटों का 5.8% हिस्सा खोना पड़ सकता है, जो लगभग 3.4 करोड़ पूर्णकालिक नौकरियों के बराबर है।

बांदा जैसे शहरों में, कंक्रीट और कोलतार की सड़कें गर्मी को सोखकर रात में भी उसे वापस छोड़ती हैं, जिससे 'अर्बन हीट आइलैंड' प्रभाव पैदा होता है और स्थानीय तापमान ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में 5C से 7C तक अधिक बना रहता है। नीतिगत स्तर पर मजदूरों के लिए 'छाया का अधिकार' या लू के दौरान काम के घंटों में बदलाव जैसे नियम केवल कागजों तक सीमित हैं, जो हमारे विकास के उस अंधेपन को दर्शाते हैं, जहां श्रम को एक जैविक इकाई के बजाय केवल एक मशीन समझा जाता है।

गर्मी का यह घातक रूप हमारी खेती और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की कमर तोड़ रहा है। 'थर्मल शॉक' के कारण गेहूं जैसी प्रमुख फसलों के दाने दूध भरने की अवस्था में ही सूख रहे हैं, जिससे पैदावार में 15% से 25% तक की गिरावट दर्ज की जा रही है। मिट्टी की नमी खत्म होने से उपजाऊ जमीन अब मरुस्थल में बदल रही है, फिर भी हमारी नीतियां सूखे क्षेत्रों में अधिक पानी चाहने वाली फसलों को बढ़ावा दे रही हैं। इसी तरह, जंगलों के विखंडन और अवैध खनन ने वन्यजीवों के लिए भोजन का संकट पैदा कर दिया है।

छतरपुर और पन्ना टाइगर रिजर्व के आसपास के इलाकों में, खनन के कारण प्राकृतिक जल स्रोत सूख चुके हैं, जिसके परिणामस्वरूप जंगली जानवरों का बस्तियों की ओर आना 40% तक बढ़ गया है। यह केवल मानव-पशु संघर्ष नहीं है, बल्कि उस पारिस्थितिक सुरक्षा चक्र का टूटना है, जो इंसानों और जानवरों को एक साथ सुरक्षित रखता था।

वर्तमान 'हीट एक्शन प्लान' (एचएपी) की सबसे बड़ी विफलता यह है कि वे केवल शहरों में मौतों को रोकने पर केंद्रित हैं, जबकि जमीन, जल और मिट्टी के गिरते स्वास्थ्य की अनदेखी करते हैं। अब समय आ गया है कि नीतिगत स्तर पर 'वन हेल्थ' के दृष्टिकोण को अपनाया जाए, जहां मिट्टी की नमी, पशुधन का स्वास्थ्य और वन्यजीवों का संरक्षण एक ही इकाई के रूप में देखा जाए। हमें केवल वृक्षारोपण की रस्म अदायगी से ऊपर उठकर बुंदेलखंड के चंदेलकालीन तालाबों जैसे पारंपरिक जल-प्रबंधन तंत्र को पुनर्जीवित करना होगा। ये तालाब केवल पानी का स्रोत नहीं थे, बल्कि वे स्थानीय पारिस्थितिकी को ठंडा रखने के विकेंद्रीकृत साधन थे। नीति निर्माताओं को यह समझना होगा कि राजमार्गों के लिए काटे गए पेड़ केवल लकड़ी नहीं थे, बल्कि वे उस सूक्ष्म-जलवायु का हिस्सा थे, जो फसलों को झुलसने से बचाती थी।

हमें विकास की अपनी परिभाषा को बदलना होगा। बुंदेलखंड में पत्थर खनन के लिए काटी गई हर पहाड़ी और उत्तराखंड में कंक्रीट के विस्तार के लिए नष्ट की गई हरियाली हमारे भविष्य की ठंडी हवाओं को रोक रही है। आर्थिक लाभ की तुलना में गर्मी के कारण होने वाला स्वास्थ्य और कृषि का नुकसान कहीं अधिक है। भविष्य की नीतियों की सफलता अब इस जवाबदेही पर टिकी है कि हम बुनियादी ढांचे के निर्माण में 'ग्रीन इंजीनियरिंग' को कितनी प्राथमिकता देते हैं और पर्यावरण नियमों की अनदेखी को कब बंद करते हैं।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

सोशल फोरम

'गोल्डन फ्यूचर' की ओर

जब कोई राष्ट्र भविष्य की तकनीक और विज्ञान के बजाय 'मिथकों' और 'विभाजन' की राजनीति में अपनी ऊर्जा झोंक देता है, तो वह आत्मघाती रास्ते पर होता है। क्या हम केवल अतीत के गौरव में ही जिंदा रहेंगे? टीके अरुण का हाल में छपा लेख 'Enough With Mythologies' हमारे गाल पर एक तमाचा है। वे सही कहते हैं कि भारत की युवा ऊर्जा आज 'सांप्रदायिक नफरत' और 'प्रतिगमन की विचारधारा' (Ideology of Regression) में बर्बाद की जा रही है। हम एक ऐसे 'स्वर्ण युग' की कल्पना में पीछे की ओर भाग रहे हैं, जिसका अस्तित्व ही संदिग्ध है, जबकि दुनिया 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' और 'क्वांटम कंप्यूटिंग' के युद्ध जीत रही है।

ज्ञानेंद्र अवस्थी
डाटा एनालिस्ट

भारत के पास 24.5 करोड़ युवाओं (20-30 वर्ष) की वह शक्ति है, जो दुनिया में किसी के पास नहीं है, लेकिन हकीकत क्या है? हमारे बेहतरीन दिमाग या तो विदेशों में बस रहे हैं या फिर 'ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स' (GCCs) में विदेशी कंपनियों के लिए 'मजदूरी' कर रहे हैं। जो युवा हाथ तकनीक और नवाचार (Innovation) के लिए होने चाहिए थे, वे आज सोशल मीडिया पर सांप्रदायिक विद्वेष फैलाने और डिजिटल पहरों का हिस्सा बनने में खर्च हो रहे हैं।

एक लीटर एथेनॉल के लिए 10,000 लीटर पानी फूंकना विकास नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के खिलाफ युद्ध है। अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में कच्चा तेल तीन वर्षों के औसत 45/लीटर उपलब्ध रहा है, लेकिन 'सेठों' के मुनाफे के लिए हम रुपये -65/लीटर का एथेनॉल बना रहे हैं और वह भी अपने मुख्य भोजन (चावल) को जलाकर।

जहां हम 'मिथकों' की राजनीति में उलझे रहे, चीन ने अपनी नींव पत्थर की कर ली। चीन का रणनीतिक तेल भंडार 1,397 मिलियन बैरल पहुंच गया, जबकि भारत मात्र 21 मिलियन बैरल (0% वृद्धि) पर खड़ा है। हमारा चीन के साथ व्यापार घाटा 155% बढ़कर $112.1 बिलियन हो गया है। दुखद यह है कि हम चीन से खिलौने नहीं, बल्कि अपनी इंडस्ट्री के लिए 'ऑर्गेनिक केमिकल्स' और 'मशीनरी' मांग रहे हैं। हम उत्पादन के लिए पूरी तरह चीन के 'तकनीकी गुलाम' बन चुके हैं।

हमें तकनीक चाहिए, हमें पानी चाहिए और हमें वह 'विजन' चाहिए, जो हमें 21वीं सदी का नेतृत्व दिला सके, न कि वह विचारधारा जो हमें 11वीं सदी में वापस ले जाए।

–फेसबुक वॉल से

सामयिकी

ग्रामीण स्वास्थ्य की चुनौतियां व जरूरत

उत्तराखंड के दूर-दराज़ पहाड़ी गांव दिखने में जितने सुंदर होते हैं, वहां का जीवन उतनी ही जटिल और चुनौतीपूर्ण होती है। ऊंचे-ऊंचे पहाड़ और घुमावदार रास्तों के बीच सीमित संसाधनों के साथ यहां के लोगों का जीवन अपनी रफ्तार से चलता है। वैसे तो यहां के दूर-दराज गांवों में लगभग सभी बुनियादी सुविधाओं का अभाव दिख जाता है, लेकिन जब बात स्वास्थ्य सुविधाओं की आती है, तो यह मुश्किल पहाड़ जैसी बड़ी नजर आती है। खासकर महिलाओं, किशोरियों, बच्चों और बुजुर्गों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच आज भी यहां के कई ग्रामीण क्षेत्रों में एक संघर्ष की तरह है, हालांकि बीते कुछ वर्षों में इस दिशा में काफी सुधार भी हुए हैं, लेकिन अभी भी एक लंबा रास्ता तय करना बाकी है। इसका सबसे अधिक असर महिलाओं और किशोरियों पर पड़ता है। गर्भवती महिलाओं को नियमित जांच और प्रसव के लिए दूर जाना पड़ता है, जिससे उनका स्वास्थ्य जोखिम बढ़ जाता है।

कविता बिष्ट
एक्टिविस्ट

अगर पिछले पांच वर्षों पर नज़र डालें, तो उत्तराखंड के ग्रामीण स्वास्थ्य तंत्र में कुछ सकारात्मक बदलाव भी देखने को मिले हैं। राज्य सरकार और केंद्र सरकार ने मिलकर स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों की संख्या में वृद्धि हुई है। वर्तमान में उत्तराखंड के ग्रामीण इलाकों में लगभग 250 से अधिक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और 60 से अधिक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कार्यरत हैं। इसके अलावा उप-केंद्रों की संख्या भी हजारों में है, जो गांव-स्तर पर बुनियादी स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करते हैं। पिछले पांच वर्षों में संस्थागत प्रसव दर में वृद्धि हुई है और मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में गिरावट आई है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत आशा कार्यकर्ताओं और आंगनबाड़ी सेवाओं ने गांव-गांव तक स्वास्थ्य जागरूकता पहुंचाई है। टीकाकरण अभियान और पोषण कार्यक्रमों ने बच्चों और महिलाओं के स्वास्थ्य में सुधार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

वर्ष 2026-27 के बजट में केंद्र सरकार ने स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए लगभग 90,000 करोड़ रुपये से अधिक का प्रावधान किया है, जिसमें ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने पर विशेष जोर दिया गया है। वहीं उत्तराखंड सरकार ने भी अपने बजट में स्वास्थ्य सेवाओं के लिए करीब 4,000 करोड़ रुपये का आवंटन किया है। इसमें ग्रामीण अस्पतालों के उन्नयन, नए स्वास्थ्य केंद्रों की स्थापना और चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता पर ध्यान दिया गया है।

नई योजनाओं के तहत 'आयुष्मान भारत हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर' को और मजबूत किया जा रहा है, जिससे गांव स्तर पर ही प्राथमिक उपचार और जांच की सुविधा उपलब्ध हो सके। मोबाइल हेल्थ यूनिट्स और डिजिटल हेल्थ मिशन के माध्यम से दूरस्थ क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने की कोशिश की जा रही है। इसके अलावा, गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष योजनाएं और किशोरियों के स्वास्थ्य पर केंद्रित कार्यक्रम भी चलाए जा रहे हैं।

केवल योजनाएं बनाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनका प्रभावी क्रियान्वयन भी उतना ही जरूरी है। जब एक महिला को अपने स्वास्थ्य के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती है, तो यह केवल उसकी शारीरिक परेशानी नहीं होती, बल्कि यह उसके अधिकारों की भी अनदेखी होती है। एक सशक्त समाज वही होता है, जहां हर व्यक्ति को बुनियादी सुविधाएं समान रूप से उपलब्ध हों, चाहे वह किसी भी भौगोलिक क्षेत्र में क्यों न रहता हो। (यह लेखिका के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

अंतस

साधना का सार है समाधि। सर्वस्व है, उपसंहार है। निष्कर्ष है। फल है। प्रतिफल है। परिणाम है। समाधि दो शब्दों से मिलकर बना है- सम और धी। सम यानी सम्यक या एक जैसा होना। धी यानी बुद्धि या प्रज्ञा। इस प्रकार समाधि का अर्थ हुआ बुद्धि का एक समान स्तर पर होना। समत्व की स्थिति में होना। समदर्शी होना। समदृष्टि होना। स्थिर बुद्धि होना। इसका एक अर्थ है समय आधि अर्थात समय के पार जाना। योग-साधना की चरम अवस्था है समाधि, लेकिन ध्यान रहे समाधि मंजिल नहीं है, यह केवल एक पड़ाव है। आध्यात्म की असली यात्रा इसके बाद ही शुरू होती है।

आचार्य प्रदीप द्विवेदी
आध्यात्मिक लेखक

योग-साधना की चरम अवस्था है समाधि

त्रिगुणात्मक प्रकृति के प्रभाव से परे

यदि कोई साधक समाधि की अवस्था को उपलब्ध है, तो इसका अर्थ यह हुआ कि साधक सम अवस्था में है। वह सुख-दुख, हानि-लाभ, मान-अपमान आदि द्वंदों से मुक्त है, परे है। उस स्थिति में साधक का कोई पृथक अस्तित्व नहीं रहता। साधक का ब्रह्म में अवस्थान हो जाता है। भगवान की सत्ता, चैतन्य और आनंद अपने आप साधक की वाणी, भाव और कार्य के द्वारा पूर्ण रूप से प्रस्फुटित होने लगते हैं। समाधि की अवस्था में प्रमाण, विपर्यय, विकल्प, निद्रा, स्मृति आदि चित्तवृत्तियां मिट जाती हैं। समाधि की अवस्था को पा लेने पर साधक जीवमात्र को जीवन-मरण और संसारचक्र में घुमाने वाले दुःखदायक अविद्या, अस्मिता, राग, द्वेष और अभिनिवेश आदि पंचक्लेशों से मुक्त हो जाता है, पर यह अवस्था पाना आसान नहीं है। कई पड़ाव पार करने होते हैं। एक लंबी अवधी की प्रक्रिया है। आत्मा के ऊपर से अविद्या, अज्ञान का आवरण हट जाता है। जिस प्रकार बादलों के आवरण से मुक्त होते ही सूर्य का तेज प्रकट हो जाता है, वैसे ही अविद्या, अज्ञान का आवरण हटते ही, मिटते ही आत्मा अपने यर्थास्वरूप को पहचानकर परमात्मा में स्थित हो जाती है। साधक सत, रज, तम आदि त्रिगुणात्मक प्रकृति के प्रभाव से परे हो जाता है। वह शब्द, रूप, रस, गंध आदि तन्मात्राओं के प्रभाव से भी परे हो जाता है।

समाधि के चरण

- समाधि के दो चरण या स्तर बताए गए हैं- संप्रज्ञता व असंप्रज्ञता। संप्रज्ञता समाधि के 4 प्रकार हैं- पहला है सवितर्क समाधि। यह समाधि का वह रूप है, जिसमें स्थूल विषय पर ध्यान लगाया जाता है। उदाहरणस्वरूप मूर्ति पर ध्यान जमाने को सवितर्क समाधि कहा जाता है। दूसरी है सविचार समाधि। यह समाधि का वह रूप है, जिसमें सूक्ष्म विषय पर ध्यान लगाया जाता है। इस समाधि में कभी-कभी तन्मात्रा भी ध्यान का विषय होती है। तीसरी है सानंद समाधि। इस समाधि में ध्यान का विषय इंद्रियां रहती हैं। हमारी इंद्रियां 11 हैं- 5 ज्ञानेन्द्रियां, 5 कर्मेन्द्रियां और मन। इन्हीं पर ध्यान लगाया जाता है। चौथी है सस्मित समाधि। इस अवस्था में ध्यान का विषय अहंकार है। अहंकार को अस्मिता कहा जाता है। कुछ विद्वानों का कहना है कि संप्रज्ञता समाधि वैराग्य से धुले हुए निर्मल चित्त की परिणीति है। इस समाधि में चित्त शुद्ध तो होता है, पर चित्त में कर्मों के संस्कारों के बीज अभी भी शेष रहते हैं। इसलिए इसे सबीज समाधि भी कहते हैं। इसलिए इस सबीज को निर्बीज करने के लिए समाधि के अगले चरण में प्रवेश करना होता है, जिसे असंप्रज्ञता या निर्बीज समाधि कहते हैं। असंप्रज्ञता समाधि में सारी मानसिक क्रिया की समाप्ति हो जाती है। मन केवल अप्रकट संस्कारों को धारण किए रहता है।

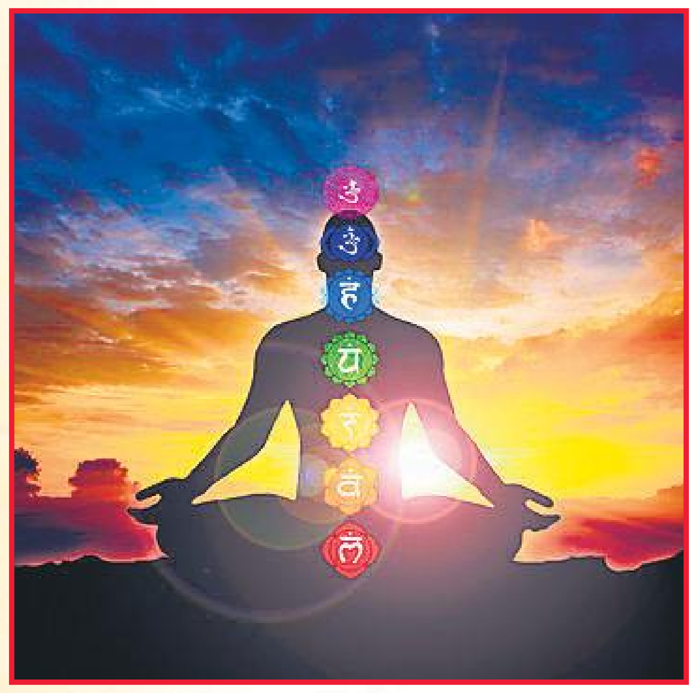

- इस प्रकार समाधि का पहला चरण अर्थात संप्रज्ञता समाधि-शुचिता का है। समाधि का दूसरा चरण अर्थात असंप्रज्ञता समाधि-विलीनता का है। समाधि के प्रथम चरण अर्थात संप्रज्ञता समाधि में साधक के मन की सारी अशुद्धि तिरोहित हो जाती है। सभी विकार व बुराइयां मिट जाती हैं। पर चित्त में कर्म संस्कारों के बीज बने रहते हैं। समाधि के दूसरे चरण अर्थात असंप्रज्ञता समाधि में कर्म संस्कारों के बीज भी नष्ट हो जाते हैं और चित्तवृत्तियों का पूर्णत: निरोध हो जाता है। असंप्रज्ञता समाधि की अवस्था में बुराई भी गिर जाती है और अच्छाई भी। यहां तक कि अच्छाई या शुद्ध अवस्था को धारण करने वाला मन भी समाप्त हो जाता है। यह अ-मन की अवस्था है। मन की यह समाप्ति प्रकारांतर से देहबोध की समाप्ति है। इस अवस्था में देह के पृथक होने का एहसास होता है। इस अवस्था में आत्मा अपने यथार्थस्वरूप को पहचान लेती है और आत्मा का संपर्क विभिन्न विषयों से छूट जाता है। यही मोक्ष की अवस्था है। नियत समय, नियम स्थान, नियमित साधना व सात्विक आहार-विहार व संयम का पालन करते हुए कोई भी साधक इस परम आनंद, परम सुख की अवस्था को पा सकता है। बशर्ते उसे पूर्णगुरू का सानिध्य मिले तब। अन्यथा भटकाव निश्चित है।

पौराणिक कथा

गांधारी को 100 पुत्रों का वरदान

हस्तिनापुर समय के साथ आगे बढ़ रहा था। माता सत्यवती और पितामह भीष्म अब अतीत की स्मृतियों को पीछे छोड़ वर्तमान में स्थिर हो चुके थे। भीष्म ने अपनी महान प्रतिज्ञा के अनुसार स्वयं को पूरी तरह हस्तिनापुर और उसके सिंहासन की रक्षा में समर्पित कर दिया था, वहीं सत्यवती भी इस गौरवशाली कुरुवंश की मर्यादा और सुरक्षा में तल्लीन थीं। धृतराष्ट्र और पांडु दोनों का विवाह संपन्न हो चुका था और अब राजवंश में नई पीढ़ी के आगमन की आशा जाग उठी थी।

वैशंपायन ने वर्णन किया कि महाराज पांडु ने अपनी पत्नियों कुंती और माद्री के साथ कुछ समय सुखपूर्वक व्यतीत किया, किंतु शीघ्र ही उन्होंने राज्य की बागडोर भीष्म के संरक्षण में सौंपकर दिग्विजय के लिए प्रस्थान किया। वे जिस दिशा में गए, वहां के अनेक राज्यों को अपने पराक्रम से जीत लिया। कहीं उन्होंने मैत्री संधियां स्थापित कीं, तो कहीं अन्यायी राजाओं को हटाकर न्यायपूर्ण शासन की स्थापना की। कई महीनों तक चले इस अभियान के बाद वे अपार धन-संपदा, स्वर्ण और रत्न लेकर हस्तिनापुर लौटे।

उनके लौटने पर नगर में उत्सव का वातावरण था। भीष्म ने उन्हें स्नेहपूर्वक आलिंगन किया, विदुर ने आशीर्वाद दिया और धृतराष्ट्र ने उनके पराक्रम की सराहना की। माताओं ने स्नेह बरसाया और कुंती-माद्री ने आरती उतारकर उनका स्वागत किया। पांडु द्वारा लाया गया धन राजकोष को समृद्ध कर गया। उन्होंने बड़ों को आभूषण भेंट किए और प्रजा में भी उदारता से दान वितरित किया। इसके बाद पांडु अपनी पत्नियों के साथ वन की ओर चले गए, जहां वे सरल और शांत जीवन व्यतीत करने लगे। उन्हें शिकार का विशेष शौक था और जब वे धनुष-बाण तथा शस्त्रों से सुसज्जित होकर वन में निकलते, तो उनका तेज किसी देवता के समान प्रतीत होता। नगरवासी और वनवासी दोनों ही उनसे अत्यंत प्रेम और सम्मान करते थे। धृतराष्ट्र की अनुमति से उन्हें वन में सभी आवश्यक सुख-सुविधाएं भी भेजी जाती थीं।

इधर हस्तिनापुर में भी घटनाएं चलती रहीं। भीष्म ने एक सुशील कन्या से विदुर का विवाह कराया, जिनसे आगे चलकर बुद्धिमान संतानों का जन्म हुआ। उसी समय गांधारी भी गर्भवती हुईं। उनके विषय में कहा जाता है कि उन्हें शिव से सौ पुत्रों का वरदान प्राप्त था। एक दिन जब वे इस वरदान के विषय में चिंतन कर रही थीं, तभी महर्षि वेदव्यास महल में पधारे। थकान और कष्ट के बावजूद गांधारी ने उनकी अत्यंत श्रद्धा से सेवा की। प्रसन्न होकर व्यास ने उन्हें वर मांगने को कहा। तब गांधारी ने अपने पति के समान सौ पुत्रों की कामना व्यक्त की। व्यास के आशीर्वाद से उन्होंने गर्भ धारण किया और अपने सौ पुत्रों के जन्म की प्रतीक्षा करने लगीं।

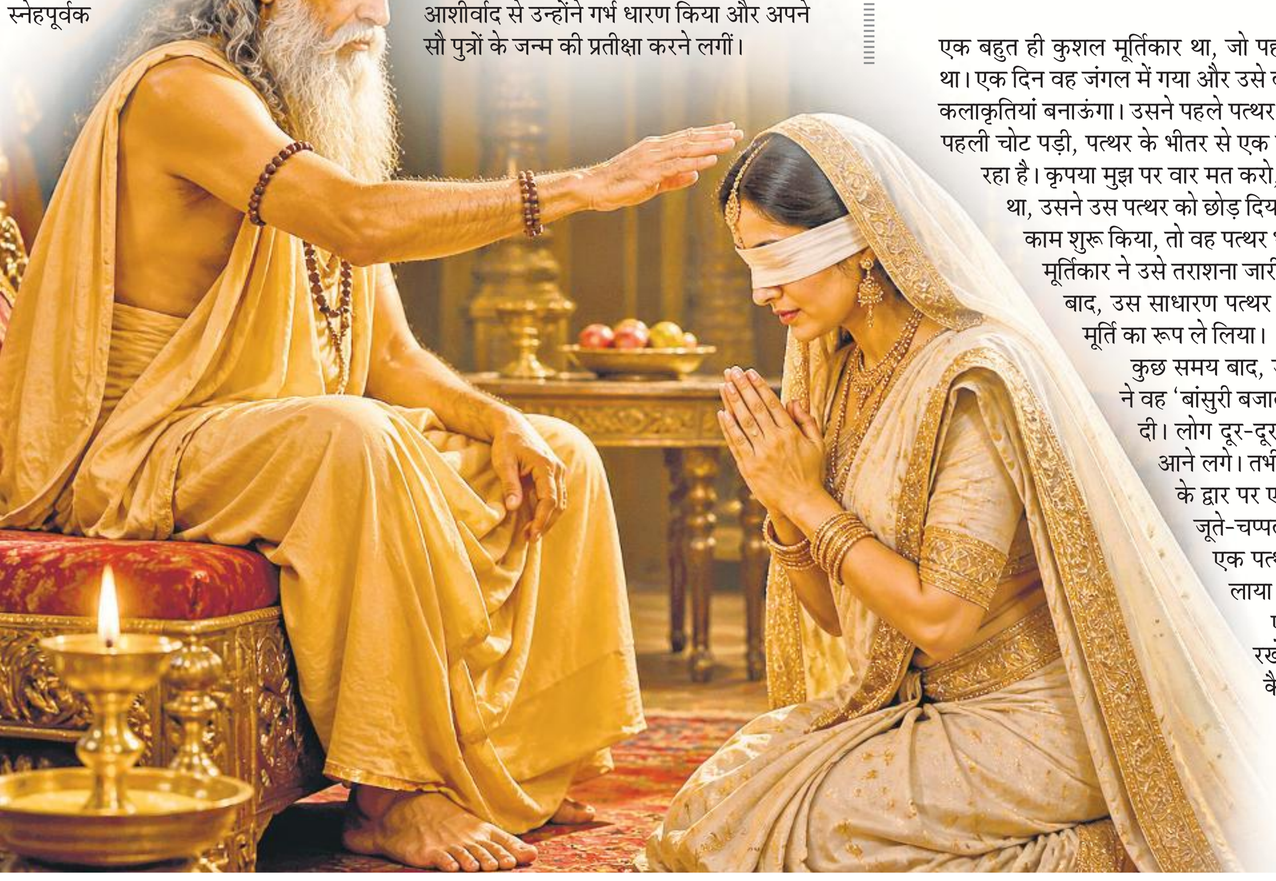

पीपल के नीचे दीपक जलाने से जीवन में आती है समृद्धि

पीपल के पेड़ के नीचे पांच मुखी (पंचमुखी) दीपक जलाना ज्योतिषीय और धार्मिक रूप से अत्यंत शुभ माना जाता है, जो मुख्य रूप से शनि दोष, साढ़ेसाती और ढैया के अशुभ प्रभावों को कम करता है। यह शनिवार को धन-समृद्धि, सुख-शांति और पितृ दोष से मुक्ति पाने का एक उपाय है, जिससे नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है।

अनिल सुधांशु
ज्योतिषाचार्य

शनि दोष और साढ़ेसाती में राहत - पीपल को शनिदेव का प्रतीक माना जाता है, इसलिए शनिवार को सरसों के तेल का दीपक जलाने से शनि के अशुभ प्रभाव कम होते हैं और मानसिक शांति मिलती है।

धन और सुख-समृद्धि- मान्यता है कि पीपल के पेड़ के नीचे नियमित या शनिवार को दीपक जलाने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और घर में धन-धान्य की कमी नहीं होती। पितृ दोष से मुक्ति, पीपल के नीचे शाम के समय दीपक जलाने से पितर शांत होते हैं और पितृ दोष दूर हो सकता है।

पंच तत्वों का संतुलन- पंचमुखी दीपक (5 मुखी) पांच तत्वों (पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश) का प्रतीक माना जाता है, जो जीवन में संतुलन लाता है।

दीपक जलाने के नियम

समय- शाम के समय (गोधूलि बेला) दीपक जलाना सबसे उत्तम है।
तेल- सरसों के तेल या घी का उपयोग करें।
परिक्रमा- दीपक जलाने के बाद पीपल के पेड़ की 7 बार परिक्रमा करना शुभ माना जाता है।
पीपल के पेड़ के नीचे पंचमुखी दीपक जलाना एक बेहद असरदार उपाय माना गया है, दीपक की लौ सिर्फ रौशनी नहीं देती, ये सूर्य तत्व का प्रतीक है। यही लौ जब पीपल के नीचे जलती है, तो ये सूर्य, शनि, राहु-केतु जैसे ग्रहों के बीच संतुलन बनाती है। इससे जीवन में स्थिरता और शांति आती है। हिंदू धर्म में पंचमुखी दीपक (पांच मुख वाला दीपक) का विशेष आध्यात्मिक और वास्तु महत्व है। यह पांच तत्वों (पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश) और दिशाओं का प्रतीक है। इसे जलाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार, वास्तु दोष का निवारण, सुख-समृद्धि की वृद्धि और शत्रु-बाधा से मुक्ति मिलती है।

पंचमुखी दीपक का महत्व और लाभ

- **लक्ष्मी और बरकत:** यह दीपक अष्ट लक्ष्मी (धन, समृद्धि आदि) को आकर्षित करता है, जिससे घर में धन-धान्य की कोई कमी नहीं रहती।
- **वास्तु दोष दूर करना:** घर के मुख्य द्वार पर या पूजा घर में इस दीपक को जलाने से नकारात्मक ऊर्जा नष्ट होती है और सकारात्मक ऊर्जा का वास होता है।
- **हनुमान जी की कृपा:** विशेष रूप से मंगलवार या शनिवार को हनुमान जी के सामने पंचमुखी दीपक जलाने से हनुमान जी के पंचमुखी अवतार की कृपा प्राप्त होती है, जिससे कष्ट दूर होते हैं और साहस व सुरक्षा मिलती है।
- **पांच दिशाओं की सुरक्षा:** यह दीपक पूर्व, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण और ईशान कोण, इन पांचों दिशाओं से आने वाली बाधाओं को दूर करता है।
- **प्रयोग विधि:** इसे आमतौर पर शाम के समय (प्रदोष काल) में गाय के शुद्ध घी या सरसों के तेल में जलाना सबसे उत्तम माना जाता है।
- **सावधानी:** पंचमुखी दीपक को जलाते समय ध्यान रखें कि सभी पांचों मुख अलग-अलग दिशाओं में हों।
- **सरसों का तेल:** पीपल की जड़ में या उसके नीचे सरसों के तेल का दीपक जलाना सबसे महत्वपूर्ण है, इसमें कुछ काले तिल भी डालें।
- **काला कपड़ा:** पीपल के पेड़ में काला कपड़ा या मौली (कलावा) बांधने से पितृ दोष, शनि और राहु-केतु के अशुभ प्रभाव कम होते हैं।
  काले तिल और उड़द की दाल: जल में काले तिल मिलाकर अर्पित करें।
- **गुड़:** गुड़ मिला जल या गुड़ का भोग अर्पित करने से सूर्य-शनि का दोष कम होता है।

कच्चा सूत: पीपल के पेड़ के चारों ओर 5 या 7 बार कच्चा सूत लपेटें।
धूप/अगरबत्ती: सुगंधित धूप से नकारात्मकता दूर होती है।

बोध कथा

पत्थर और बांसुरी

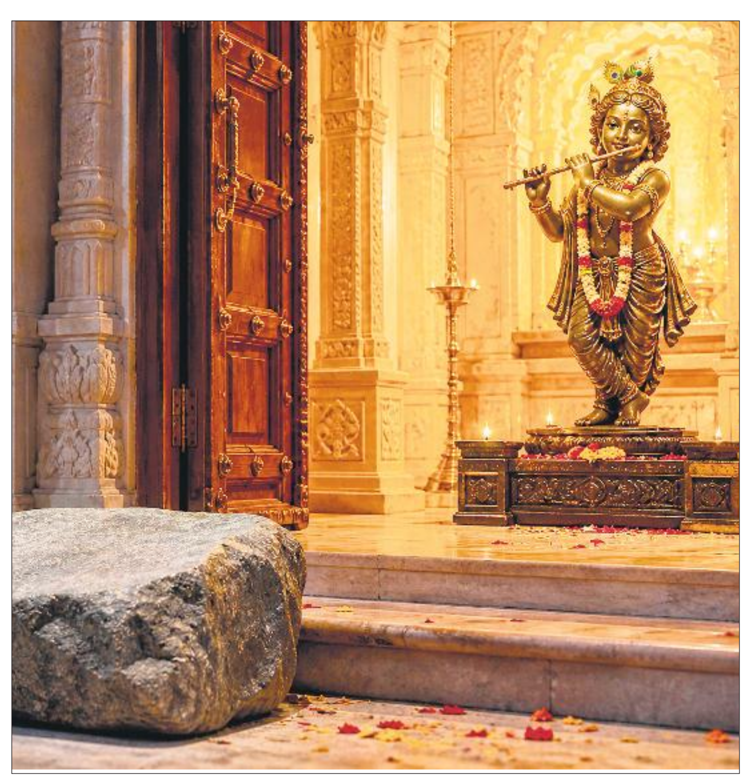

एक बहुत ही कुशल मूर्तिकार था, जो पहाड़ों से पत्थर चुनकर सुंदर मूर्तियां बनाया करता था। एक दिन वह जंगल में गया और उसे दो बड़े पत्थर मिले। उसने सोचा, इनसे मैं दो महान कलाकृतियां बनाऊंगा। उसने पहले पत्थर पर अपनी छेनी से वार करना शुरू किया। जैसे ही पहली चोट पड़ी, पत्थर के भीतर से एक दर्द भरी कराह निकली- "रुको! मुझे बहुत दर्द हो रहा है। कृपया मुझ पर वार मत करो, मुझे वैसे ही रहने दो जैसा मैं हूं।" मूर्तिकार दयालु था, उसने उस पत्थर को छोड़ दिया। वह दूसरे पत्थर के पास गया। जब उसने उस पर काम शुरू किया, तो वह पत्थर भी कांप रहा था, लेकिन उसने एक शब्द नहीं कहा। मूर्तिकार ने उसे तराशना जारी रखा। हफ्तों की कड़ी मेहनत, चोट और घर्षण के बाद, उस साधारण पत्थर ने एक अत्यंत सुंदर बांसुरी बजाते हुए बालक की मूर्ति का रूप ले लिया।

कुछ समय बाद, उस जंगल के पास एक भव्य मंदिर बना। मूर्तिकार ने वह 'बांसुरी बजाते बालक' की मूर्ति मंदिर के गर्भगृह में स्थापित कर दी। लोग दूर-दूर से उस मूर्ति की सुंदरता देखने और दर्शन करने आने लगे। तभी मंदिर के कर्मचारियों को अहसास हुआ कि मंदिर के द्वार पर एक ऐसे पत्थर की जरूरत है, जिस पर लोग अपने जूते-चप्पल उतार सकें। मूर्तिकार को याद आया कि जंगल में एक पत्थर उसने बीच में ही छोड़ दिया था। वह उसे उठा लाया और मंदिर की सीढ़ियों के पास रख दिया।

एक रात, जब मंदिर के पट बंद हो गए, तो नीचे रखे उस पत्थर ने ऊपर विराजमान मूर्ति से पूछा-"यह कैसा अन्याय है? हम दोनों एक ही पहाड़ के टुकड़े थे, एक ही दिन यहां लाए गए, लेकिन आज लोग तुम्हारी पूजा कर रहे हैं, तुम्हें फूलों का हार पहना रहे हैं और मुझ पर धूल-मिट्टी झाड़कर निकल जाते हैं। ऐसा क्यों?"

मूर्ति ने बड़ी शालीनता से उत्तर दिया- "मित्र, याद करो वह दिन जब कलाकार ने पहली चोट तुम पर की थी। तुमने दर्द से बचने के लिए संघर्ष को ठुकरा दिया और उसी अवस्था में रहना चुना, जिसमें तुम थे। मैंने उस हर चोट को सहा, हर घाव को अपनी प्रगति माना और खुद को तराशने दिया। आज मैं इसलिए पूजा जा रहा हूं, क्योंकि मैंने 'चोट' सहने का साहस दिखाया और तुम इसलिए पैर रखने के काम आ रहे हो, क्योंकि तुमने आराम को विकास से ऊपर रखा।"

कथा से सीख मिलती है कि जीवन में आने वाली कठिनाइयां और संघर्ष वास्तव में ईश्वर की 'छेनी और हथौड़ी' हैं, जो हमें एक बेहतर इंसान के रूप में तराश रही होती हैं। यदि हम आज के संघर्ष से भागेंगे, तो हम कल की ऊंचाई कभी नहीं छू पाएंगे।

-प्रमोद श्रीवास्तव

अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

आईआईआईटी के छात्र ने आत्महत्या की

नागपुर। भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी) नागपुर के इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम के द्वितीय वर्ष के एक छात्र ने सोमवार को कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। बुटीबोरी थाने के एक अधिकारी ने बताया कि कोल्हापुर के रहने वाले श्रेयस चंद्रकांत माने (20) ने तड़के करीब 4 :30 बजे परिसर में स्थित अपने छात्रावास की छत से छलांग लगा दी। सहायक निरीक्षक नीलेश चौरे ने कहा कि वह कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम के द्वितीय वर्ष का छात्र था। आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज कर लिया गया है। घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है।

धोखाधड़ी के मामले में हिरासत में खरात

नासिक। शिरडी पुलिस ने सोमवार को धोखाधड़ी के एक मामले की जांच के सिलसिले में ''स्वयंभू बाबा'' अशोक खरात को हिरासत में ले लिया। एक अधिकारी ने बताया कि मामला अहिल्यानगर जिले के शिरडी में स्थित पिंपलवाड़ी के रहने वाले किसान रावसाहेब नानासाहेब गोंडकर (55) की शिकायत पर भारतीय न्याय संहिता और महाराष्ट्र साहूकारी (विनियमन) अधिनियम के तहत दर्ज किया गया था। अधिकारी ने बताया कि शिकायतकर्ता गोंडकर ने आरोप लगाया है कि अगस्त 2023 से खरात, उसकी पत्नी कल्पना खरात और तीन अन्य लोगों ने मिलकर गोंडकर से पांच करोड़ रुपये की ठगी की।

हिमाचल में कार खाई में गिरी, चार लोगों की मौत

नाहन। हिमाचल प्रदेश के सिरमौर में सोमवार को एक वाहन अनियंत्रित होकर 400 फुट गहरी खाई में गिर गया जिससे एक मां और उसकी बेटी सहित कम से कम चार लोगों की मौत हो गई। यह घटना संगराह-गट्टाधार सड़क पर पियुलीलानी गांव के पास हुई। कार चालक ने अचानक वाहन पर से नियंत्रण खो दिया, जिससे वह 400 फुट गहरी खाई में जा गिरी। उन्होंने कहा कि पांच लोगों को ले जा रहा यह वाहन थीर धार से गट्टाधार जा रहा था, तभी यह हादसा हुआ, वाहन में सवार सभी लोग सिरमौर जिले के संगराह उपमंडल के निवासी थे।

दिल्ली महापौर दफ्तर को बम की धमकी मिली

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के महापौर कार्यालय को सोमवार की सुबह बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए गहन तलाश अभियान चलाया। बयान में कहा गया है कि अज्ञात व्यक्ति से सुबह नौ बजकर 20 मिनट पर ई-मेल भेजकर धमकी दी कि अपराह्न तीन बजकर 11 मिनट पर बम विस्फोट होगा। मामले की सूचना तुरंत पुलिस को दी गई, जिसके बाद परिसर की गहन तलाशी ली गयी। किसी अप्रिय घटना की खबर नहीं है। सुरक्षाकर्मियों ने तलाशी अभियान के दौरान कार्यालय के सभी संवेदनशील क्षेत्रों की जांच की। कार्यालय को एक अप्रैल को भी इसी तरह की धमकी मिली थी। बार-बार मिल रही धमकियों को देखते हुए, महापौर कार्यालय ने दिल्ली पुलिस आयुक्त को पत्र लिखकर विस्तृत जांच और कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

कच्छा-बनियान गिरोह के तीन सदस्य गिरफ्तार

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के सर्वोदय एनक्लेव में हाल में हुई लूट में शामिल कुख्यात ''कच्छा-बनियान'' गिरोह के तीन संदिग्ध सदस्यों को सोमवार तड़के पुलिस के साथ संक्षिप्त मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मुठभेड़ में आरोपी निर्मल परदी उर्फ निखिल (34), अंबर उर्फ देविन (25) और सम्राट उर्फ समर उर्फ काला (30) के पैरों में गोली लगी और उन्हें एम्स ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया।

बढ़ते तेजाब हमले चिंता का विषय सजा को बढ़ाने पर विचार करे केंद्र

सुप्रीम कोर्ट ने एक जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान सरकार को दिए निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने बर्बर तेजाब हमलों के मामलों में चिंताजनक वृद्धि को देखते हुए सोमवार को केंद्र से ऐसे अपराधों के लिए सजा बढ़ाने पर विचार करने और बेगुनाही साबित करने का भार आरोपी पर डालने का सुझाव दिया। आपराधिक न्यायशास्त्र के तहत, जब तक कानून में अन्य प्रावधान नहीं हों, आरोपी के खिलाफ दोष साबित करने का भार अभियोजन पक्ष पर होता है।

न्यायालय ने निर्देश दिया कि उपयुक्त संशोधन होने तक, जिन लोगों को जबरन तेजाब पिलाया गया हो या जिन्हें बाहरी विकृति के बिना आंतरिक चोटें आई हों, वे दिव्यांग व्यक्तियों का अधिकार अधिनियम, 2016 के तहत तेजाब हमलों के पीड़ितों के दायरे में आएंगे।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि यह स्पष्टीकरण 2016 के अधिनियम के लागू होने के समय से ही शामिल माना जाएगा। पीठ ने कहा कि यदि संबंधित मंत्रालय औपचारिक रूप से इस संशोधन को अधिसूचित करता है तो इसका स्वागत किया जाएगा।

न्यायालय ने यह आदेश तेजाब हमले की पीड़िता शाहीन मलिक द्वारा दायर जनहित याचिका की सुनवाई करते हुए पारित किया। शाहीन ने अनुरोध किया था कि ऐसे पीड़ितों को दिव्यांग व्यक्तियों की श्रेणी में रखा जाए ताकि उन्हें कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल सके। प्रधान न्यायाधीश ने सोमवार को सुनवाई के दौरान टिप्पणी की कि तेजाब हमलों के लिए निर्धारित सजा प्रभावी साबित नहीं हो रही है।

ऐसे अपराधों से सख्ती से निपटा जाना चाहिए

प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि ऐसे अपराधों से अत्यंत सख्ती से निपटा जाना चाहिए। सुनवाई के दौरान, पीठ के समक्ष जिक्र किया गया कि जिन पीड़ितों को जबरदस्ती तेजाब पिलाया गया था, उन्हें 2016 के अधिनियम के तहत तेजाब हमले के पीड़ितों की परिभाषा में शामिल नहीं किया गया है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पीठ को सूचित किया कि नोडल मंत्रालय ने 2016 के कानून से जुड़ी अनुसूची में संशोधन का प्रस्ताव पहले ही दे दिया है। मामले में अगली सुनवाई दो सप्ताह बाद होगी। उन्होंने कहा कि मामलों की संख्या बढ़ गई है। बर्बर और क्रूर तेजाब हमले हुए हैं। क्या आपको नहीं लगता कि सजा और भी कड़ी होनी चाहिए? पीठ ने कहा कि 2013 से तेजाब हमलों के मामलों में चिंताजनक वृद्धि हुई है, जो गंभीर विचारणीय विषय है। उसने सुझाव दिया कि सरकार को ऐसे अपराधों के लिए सजा में पर्याप्त रूप से वृद्धि पर विचार करना चाहिए, साथ ही आरोपी पर यह साबित करने का भार भी डालना चाहिए कि वह दोषी नहीं है। पीठ ने यह भी सुझाव दिया कि ऐसे जघन्य मामलों में दोषी पाए गए लोगों की संपत्ति जब्त करके पीड़ितों को मुआवजा दिया जाए।

सशस्त्र बल अधिकरण में रिक्त पदों पर भर्ती के लिए केंद्र से जवाब मांगा

नई दिल्ली। सशस्त्र बल अधिकरण में रिक्तियों पर संज्ञान लेते हुए उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को केंद्र और अन्य पक्षों से उस याचिका पर जवाब मांगा है जिसमें चयन प्रक्रिया को पूरा करने और रिक्त पदों को समयबद्ध तरीके से भरने का अनुरोध किया गया है। याचिका पर सुनवाई करने के लिए सहमति जताते हुए प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमनी से इस मामले में सहायता करने को कहा। पीठ ने याचिकाकर्ता 'आर्म्ड फोर्सेस ट्रिब्यूनल बार एसोसिएशन (रीजनल बेंच)'' की ओर से उपस्थित वकील को याचिका अटॉर्नी जनरल के कार्यालय को सौंपने का निर्देश दिया। पीठ ने मामले में सुनवाई के लिए दो सप्ताह बाद की तारीख तय की। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि यदि रिक्त पदों को नहीं भरा गया तो सशस्त्र बल अधिकरण (एएफटी) की 11 पीठों में से वर्ष के अंत तक केवल तीन ही कार्यरत रहेंगी। याचिका में केंद्र को निर्देश देने का अनुरोध किया गया है कि वह चयन प्रक्रिया पूरी करे और एएफटी में रिक्त पदों को समयबद्ध तरीके से भरे।

केंद्र और एम्स के खिलाफ अवमानना कार्यवाही बंद की

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक नाबालिग लड़की का 30-सप्ताह का गर्भ समाप्त करने से संबंधित मामले में केंद्र सरकार और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के खिलाफ एक अवमानना कार्यवाही सोमवार को समाप्त कर दी। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ को अवगत कराया कि 24 अप्रैल के आदेश का पालन कर लिया गया है। पीठ ने कहा कि हमें इस अवमानना याचिका पर आगे विचार करने का कोई कारण नहीं दिखता। इसलिए प्रतिवादियों के खिलाफ अवमानना कार्यवाही समाप्त की जाती है।

न्यायमूर्ति नागरत्ना ने मौखिक रूप से कहा कि ऐसे आदेश देना आसान नहीं होता, लेकिन न्यायालय को इन मामलों में निर्णय लेना पड़ता है। यह हमारे लिए आसान नहीं है। इसमें कोई जीतने वाला या हारने वाला नहीं है, लेकिन हमें बिना भावनाओं में आए निर्णय लेना पड़ता है। मैं आशा करती हूं कि भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा न आए, यानी अवांछित गर्भ समाप्त करने के लिए अदालत तक न लाना पड़े। न्यायमूर्ति ने कहा कि यदि ऐसे मामलों में एम्स गर्भसमापन की जिम्मेदारी नहीं लेता, तो महिला का जीवन खतरे में पड़ सकता है।

डॉक्टर की मृत्यु के बाद उसके वारिस पर भी मुकदमा संभव

नई दिल्ली, एजेंसी

- चिकित्सकीय लापरवाही पर सुप्रीम कोर्ट ने दी व्यवस्था

उच्चतम न्यायालय ने दूरगामी प्रभाव वाले एक महत्वपूर्ण फैसले में सोमवार को व्यवस्था दी कि कानून के तहत चिकित्सकीय लापरवाही के किसी भी मामले में यदि चिकित्सक की मृत्यु हो जाती है, तो उसके कानूनी वारिस के खिलाफ कार्यवाही जारी रखी जा सकती है।

न्यायमूर्ति जे. के. माहेश्वरी और न्यायमूर्ति ए. एस. चंदुरकर की पीठ ने तीन दशक से भी पुराने एक मामले में उस विधिक प्रश्न पर निर्णय दिया, जिसमें एक चिकित्सक ने शिकायतकर्ता की पत्नी का ऑपरेशन किया था, जिसके बाद उसकी दृष्टि चली गई थी। चिकित्सक और शिकायतकर्ता, दोनों की ही मौत हो चुकी है।

न्यायालय ने इसे एक विशेष मामला बताते हुए कहा कि इसमें पुराने वैधानिक प्रावधानों की व्याख्या करनी पड़ी है। हालांकि, शीर्ष अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि वह केवल लागू कानून की व्याख्या कर रही है, न कि यह तय कर रही है कि नीति सही है या उसमें बदलाव की आवश्यकता है। पीठ ने कहा कि नागरिक प्रक्रिया संहिता (सीपीसी) के आदेश 22 नियम-4 के संदर्भ में यह समझना आवश्यक है कि क्या कथित चिकित्सकीय लापरवाही के मामले में चिकित्सक की मृत्यु के बाद मुकदमा चलाने का अधिकार समाप्त हो जाता है या नहीं।

अदालत ने कहा कि मुकदमा करने का अधिकार का अर्थ कानूनी कार्यवाही के माध्यम से राहत प्राप्त करने का अधिकार है और ऐसी कार्यवाही सामान्य रूप से प्रतिवादी के खिलाफ शुरू की जाती है, जिनके पास अपना बचाव करने का समान अधिकार होता है। पीठ ने यह भी कहा कि बचाव का अधिकार और मुकदमा चलाने का अधिकार एक-दूसरे से गहराई से जुड़े होते हैं और दोनों का सह-अस्तित्व आवश्यक है, ताकि कार्यवाही आगे बढ़ सके।

पीठ ने कहा कि फिर भी, उपरोक्त चर्चा और 1986 के उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम तथा 2019 के उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम में दिए गए वैधानिक ढांचे को देखते हुए हम निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि कथित चिकित्सकीय लापरवाही करने वाले डॉक्टर की मृत्यु होने पर उसके कानूनी उत्तराधिकारियों को पक्षकार बनाया जा सकता है और उन्हें रिकॉर्ड में जोड़ा जा सकता है।

सीबीआई ने वांछित भगोड़े को यूएई से प्रत्यर्पित किया

नई दिल्ली, एजेंसी

केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) धोखाधड़ी और जबरन वसूली के मामलों में शामिल दिल्ली पुलिस के सबसे वांछित भगोड़े अपराधी मोहम्मद नवाज़ कक्कट इस्माइल को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से प्रत्यर्पित कर भारत ले आयी है। इस्माइल को सोमवार को हवाई मार्ग से भारत लाया गया और अब उसे दिल्ली पुलिस के हवाले कर दिया जाएगा। एक पुलिस अधिकारी ने बताया, "केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय के साथ समन्वय करते हुए रेड नोटिस के तहत वांछित अपराधी मोहम्मद नवाज़ कक्कट इस्माइल को यूएई से भारत लाने में सफलता हासिल की है। नवाज़ दिल्ली पुलिस द्वारा दर्ज एक मामले में वांछित था, जिसमें जबरन वसूली, धोखाधड़ी, आपराधिक गबन, जालसाजी, किसी और का रूप धारण करना और संगठित अपराध सिंडिकेट में शामिल होना जैसे विभिन्न अपराध शामिल थे।" उन्होंने बताया कि इस्माइल एक सुनियोजित जबरन वसूली रैकेट का मुख्य साजिशकर्ता था। उसने अन्य आरोपियों के साथ मिलकर आपराधिक साजिश रची और एक सरकारी अधिकारी होने का नाटक किया। सीबीआई ने दिल्ली पुलिस के अनुरोध पर इंटरपोल के माध्यम से उसके खिलाफ रेड नोटिस जारी करवाया। इसके बाद, उसकी लोकेशन का पता लगाया गया और यूएई के अधिकारियों ने उसे गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद, यूएई के अधिकारियों को उसके प्रत्यर्पण के लिए एक अनुरोध भेजा गया और आपसी समन्वय के बाद उसे भारत प्रत्यर्पित कर दिया गया।

पूर्व अधिकारी को हेराफेरी मामले में मिली जमानत

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने जिनेवा में स्थित भारत के स्थायी मिशन से दो लाख से अधिक स्विस फ्रैंक (करीब 2 करोड़ रुपये) की हेराफेरी करके 'क्रिप्टो-गैंबलिंग' गतिविधियों में लगाने के आरोपी एक पूर्व लेखा अधिकारी को सोमवार को जमानत दे दी।

विशेष न्यायाधीश विजेता सिंह रावत आरोपी मोहित की नियमित जमानत याचिका पर सुनवाई कर रही थीं, जिसने 17 दिसंबर 2024 को जिनेवा में स्थित स्थायी मिशन में सहायक अनुभाग अधिकारी का पदभार संभाला था। अदालत ने आरोपी पर लगाये गये आरोपों का उल्लेख करते हुए कहा कि उसने यूनियन बैंक ऑफ स्विट्जरलैंड में मिशन के खाते से कथित तौर पर हेरफेर या जालसाजी की और अनधिकृत तरीके से धनराशि निकाली।

बंगाल में भाजपा की जीत के बाद झालमुड़ी चर्चा में

- बनारस सहित कई अन्य राज्यों में झालमुड़ी बांटकर मनाया जश्न

नई दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की जीत पर झालमुड़ी के साथ उत्साहित भाजपा कार्यकर्ता।

पश्चिम बंगाल में भाजपा की शानदार जीत के साथ एकाएक झालमुड़ी फिर चर्चा में आ गई। दरअसल, चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री मोदी का झाड़ग्राम की एक दुकान से झालमुड़ी खरीदने का वीडियो वायरल हुआ था। तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी के इसे नाटक कहकर आलोचना करने के बाद इस पर कई दिन राजनीति गरमाई रही थी।

पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत की खबर आने के बाद वाराणसी में गंगा के घाटों पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने मिठाइयों के साथ झालमुड़ी बांटकर जीत का उत्सव मनाया। दशाश्वमेध घाट समेत प्रमुख घाटों पर बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और समर्थक, खासकर महिलाएं एकत्र हुईं। कार्यकर्ताओं ने पटाखे फोड़े, एक-दूसरे को रंग लगाया और पश्चिम बंगाल के लोकप्रिय नाश्ते 'झालमुड़ी' का वितरण किया। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में भाजपा की जीत का जश्न मनाया और इस दौरान लोगों को झालमुड़ी भी खिलाई। राजस्थान के बारां समेत कई शहरों में भी भाजपा की जीत की खुशी में झालमुड़ी का वितरण किया गया।दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भी भाजपा की जीत का जश्न कई मंत्रियों के साथ झालमुड़ी और रसगुल्ला खाकर मनाया। उन्होंने एक वीडियो भी पोस्ट किया जिसमें वह वह कैबिनेट मंत्री प्रवेश वर्मा, आशीष सूद, कपिल मिश्रा, मंजिंदर सिंह सिरसा और रवींद्र इंद्रराज सिंह के साथ झालमुड़ी और रसगुल्ला खाती दिख रही हैं। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने भी झालमुड़ी बांटी।

बारिश में भी गंगा आरती..

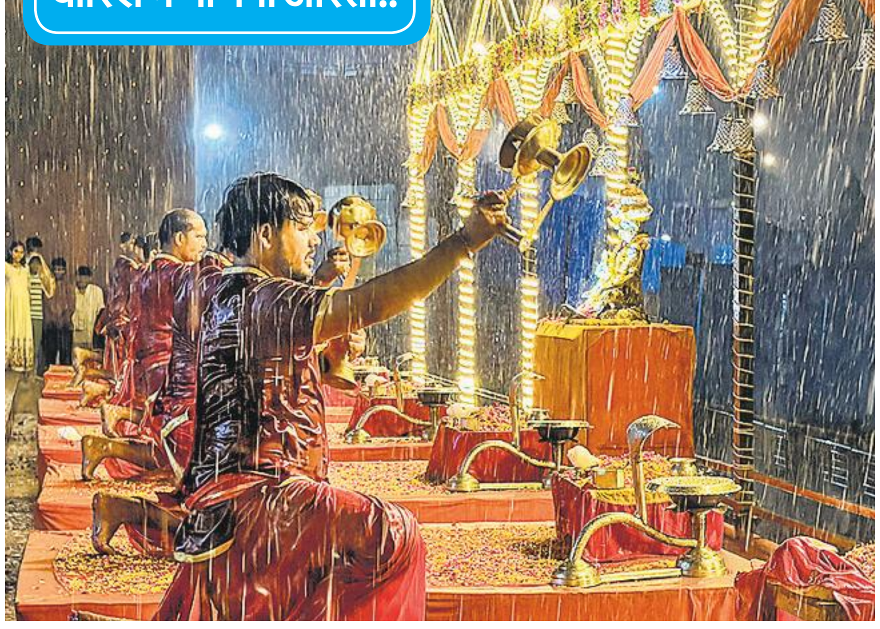

वाराणसी में भारी बारिश हुई, गली-मोहल्ले सराबोर हो गए, कुछ देर के लिए कामकाज ठप हो गया लेकिन दशाश्वमेध घाट पर होने वाली गंगा आरती भारी बारिश के दौरान भी जारी रही।

ट्रांसजेंडर अधिनियम पर होगी सुनवाई

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को केंद्र, सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से ट्रांसजेंडर व्यक्तियों (अधिकारों का संरक्षण) संशोधन अधिनियम, 2026 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर जवाब मांगा। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने याचिकाओं पर सुनवाई करने पर सहमति जताई और उन पर नोटिस जारी किया।

पीठ ने कहा कि यह मामला तीन न्यायाधीशों की पीठ के समक्ष रखा जाएगा, जिसका गठन प्रधान न्यायाधीश करेंगे। पीठ ने कहा, अंतरिम आदेश देने का कोई सवाल ही नहीं उठता। न्यायालय ने मामले की सुनवाई छह सप्ताह बाद के लिए निर्धारित की।

आदिवासियों पर थाने की सफाई करने जैसी जमानत शर्तें अमान्य

नई दिल्ली, एजेंसी

- सुप्रीम कोर्ट ने कहा-ऐसी शर्तों से परहेज करें सभी अदालतें

उच्चतम न्यायालय ने अनुसूचित जनजातियों के सदस्यों पर पुलिस थानों की सफाई करने जैसी अपमानजनक शर्तें लगाए जाने को लेकर सोमवार को ओडिशा की अदालतों की कड़ी आलोचना की। अदालत ने उड़ीसा उच्च न्यायालय द्वारा लगाई गई और सत्र अदालत द्वारा बरकरार रखी गई इस तरह की अपमानजनक जमानत शर्तों को अमान्य करार दिया।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने देश की सभी अदालतों से भविष्य में इस तरह की शर्तें लागू करने से परहेज करने का आग्रह किया। पीठ ने कहा कि ये आदेश गहरी जड़ें जमा चुकी जाति-आधारित पूर्वाग्रह को दर्शाते हैं जो जातिविहीन समाज के संवैधानिक संकल्प को कमजोर करता है। शीर्ष अदालत ने उड़ीसा उच्च न्यायालय और राज्य की जिला अदालतों द्वारा लगाये गए जमानत की शर्तों का स्वतः संज्ञान लिया था। ये शर्तें उस मामले से संबंधित थीं, जिसमें आदिवासी और दलित समुदायों के सदस्यों को एक कॉरपोरेट कंपनी द्वारा भूमि अधिग्रहण किये जाने के विरोध में प्रदर्शन करने के बाद हिरासत में लिया गया था। इन शर्तों के तहत, मुख्य रूप से दलित और आदिवासी समुदायों से संबंधित आरोपियों को कई महीनों तक पुलिस थानों की साफ-सफाई करनी पड़ती।

इन आदेशों पर निराशा और दुख व्यक्त करते हुए प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि देश की आजादी के 76 साल बाद, ऐसी शर्तें लगाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्यवश, ओडिशा में उच्च न्यायालय और कुछ जिला अदालतें जमानत देते समय ऐसी शर्तें लगा रहे हैं जो न्यायपालिका की छवि को धूमिल करती हैं।

राजस्थान पुलिस के जवानों को दिए जाएंगे ओआरएस के पैकेट

जयपुर, एजेंसी

- धूप और लू से बचाने को राज्य सरकार ने लिया निर्णय

राजस्थान में तपती धूप और लू के तीखे थपेड़ों के बीच पुलिस के जवानों को 'ओआरएस' (ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्ट) के पांच लाख पैकेट वितरित किए जाएंगे। सरकार के एक प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इसकी शुरुआत सोमवार से की गई। इसके अनुसार पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कुमार शर्मा के निर्देश पर राज्यभर के सभी कांस्टेबल को पांच लाख ओआरएस पैकेट वितरित किए जाएंगे ताकि ड्यूटी के दौरान ''डिहाइड्रेशन'' और लू के प्रभाव से उनकी सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। इसके अनुसार इस अभियान की कमान उप महानिरीक्षक (डीआईजी)-प्रशिक्षण शरद चौधरी संभाल रहे हैं। यह राहत सामग्री राज्य के 12 पुलिस प्रशिक्षण केंद्रों तथा राजस्थान से बाहर संचालित चार प्रशिक्षण केंद्रों तक पहुंचाई जाएगी। पुलिस महानिरीक्षक के माध्यम से हर कांस्टेबल तक इसकी उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। योजना के तहत प्रत्येक जवान को 10-10 ओआरएस पैकेट दिए जाएंगे ताकि गर्मी में लंबी ड्यूटी के दौरान वे खुद को हाइड्रेट रख सकें।

विवेक विहार अग्निकांड | घटना के एक दिन बाद स्थानीय लोगों ने दी जानकारी, भीषण आग में दो परिवारों के नौ लोगों की हो गई थी मौत

चोरी रोकने के लिए लगाई गई ग्रिल बनी लोगों की मौत का जाल

नई दिल्ली, एजेंसी

पूर्वी दिल्ली के विवेक विहार में भीषण आग की चपेट में आई इमारत के भीतर फंसे लोगों को बचाने के लिए पड़ोसियों ने खासी मशक्कत की थी, लेकिन चोरों को रोकने के लिए लगाई गई लोहे की ग्रिल मौत का जाल बन गई और सड़क पर खड़े वाहनों ने भी मुश्किलें पैदा कीं।

घटना के एक दिन बाद स्थानीय लोगों ने यह जानकारी दी। विवेक विहार में रविवार तड़के एक आवासीय इमारत में भीषण आग लग गई थी, जिसमें दो परिवारों के नौ लोगों की मौत हो गई जिसमें एक बच्चा भी शामिल है। अधिकारियों ने बताया कि संदेह है कि एयर-कंडीशनर में हुए धमाके के कारण यह आग लगी।

सोमवार को इलाके की संकरी गलियों में भारी सन्नाटा पसरा रहा। इलाके में शोक संतप्त परिवारों की सिसकियां और पुलिस की गाड़ियों व एम्बुलेंस के सायरन की आवाज़ें गूंज रही थी। स्थानीय लोग खामोश थे। इमारत का पिछला हिस्सा तबाही की सबसे भयानक तस्वीर पेश कर रहा था। काली पड़ी दीवारें और जली हुई बालकनी आग की भयावहता की गवाही दे रही थी। अंदर जली हुई चीज़ों के निशान और धुएं से काली पड़ी सीढ़ियां दिखाई दे रही थीं। इस दौरान फॉरेंसिक टीम और पुलिस के लोग अंदर-बाहर से घटना के बाद की स्थिति का रिकॉर्ड बना रहे थे। स्कूल से लौट रहे बच्चे वहां से गुजरते वक्त जली हुई इमारत को देख रहे थे जहां यह दुखद घटना हुई थी। स्थानीय लोगों ने बताया कि आग इतनी तेज़ गति से फैली कि संभलने का समय ही नहीं मिला। पास ही रहने वाली एक घरेलू सहायिका ने बताया कि वह सो रही थी और शोर से वह जगी। उसने कहा कि जब मैंने लोगों के चिल्लाने और सायरन की आवाज़ सुनी तो मेरी आंख खुली। जब मैं बाहर निकली, तो हर तरफ घना धुआं और अफरा-तफरी थी। चोरी के डर से यहां ज़्यादातर घरों में ग्रिल लगाई गई हैं, लेकिन आज इन्हीं ग्रिल ने लोगों को बाहर निकलने से रोक दिया। यह बहुत डरावना था। इमारत के पिछले हिस्से में लोहे की ग्रिल लगाई गई थी, जो इस इलाके में आम बात है। स्थानीय लोगों का दावा है कि इन चीज़ों ने बच निकलने के रास्ते भी बंद कर दिए। एक निवासी ने कहा कि ये ग्रिल हमारे घरों को चोरों से बचाने के लिए थीं, अगर ग्रिल न होती, तो वे बच सकते थे। एक पड़ोसी ने बताया कि किस तरह कई खामियां एक साथ आ मिलीं। उन्होंने कहा, वहां आठ फ्लैट हैं और ज़्यादातर परिवारों के पास दो-दो गाड़ियां हैं। पार्किंग और गली पहले से ही भरी हुई थीं, और ऊपर से जन्मदिन के कारण कुछ रिश्तेदार भी आए हुए थे, जिससे गाड़ियां बढ़ गईं। गार्ड भी मौजूद नहीं था।

भयावह था वह मंजर, लगा कि नहीं बचेंगे

पास की इमारत में रहने वाले एक अन्य पड़ोसी ने बताया कि फंसे लोगों की मदद के लिए जिससे जो बन पड़ा, वह किया गया। उनकी घर की खिड़कियां गर्मी के कारण चटक गई हैं। उन्होंने कहा, हमने ज़मीन पर गद्दे फेंके ताकि लोग कूद सकें। सोचने का समय नहीं था, हम जिसे भी बचा सकते थे, बचाने का प्रयास किया। बचने वालों में 25 वर्षीय वंशिका भी शामिल हैं। उस भयानक मंज़र को याद करते हुए उन्होंने कहा, मेरी मां की आंख पहले खुली और उन्होंने हम सबको जगाया। घर धुएं से भरा था, हमें कुछ दिखाई नहीं दे रहा था।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	77,269.40	24,119.30
बढ़त	355.90	121.75
प्रतिशत में	0.46	0.51

सोना 1,52,800 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,49,000 प्रति किलो

अमृत विचार
बरेली, मंगलवार, 5 मई 2026
www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन – तुलसी 2580, राज श्री 1960, फॉर्चून कि. 2705, रविन्द्र 2420, फॉर्चून 13kg 2375, जय जवान 2140, सचिन 2345, सूरज 2140, अवसर 2125, उजाला 2080, गृहणी 13 kg 2185, क्लासिक (kg) 2460, मोर 2330, चक्र टिन 2550, ब्लू 2425, आशीर्वाद मस्टर्ड 2420, स्वास्तिक 2535 **किराना**–निजामाबाद हल्दी 16000–18000, जीरा 25500, लाल मिर्च 21500–24000, धनिया 14000–18000, अजवायन 14000–19000, मेथी 7000–8000 सौंफ 11000–20000, सोंठ 33000, (प्रतिकि0) लौंग 850–1000, बादाम 750–1050, काजू 2 पीस 830, किशमिश पीली 330–380, मखाना 800–1150

चावल– (प्रति कु0)–डबल चाबी सेला 10800, आभा स्पाइस 8300, शरबती कच्ची 6500, शर्बती स्टीम 6500, मंसूरी 4500, महबूब सेला 4600, गौरी रॉयल 10200, राजभोग 8250, हरी पत्ती (1kg,5kg) 11700, हरी पत्ति नेचुरल 10900, गौरी स्पेशल 10100, गौरी प्रीमियम 11500, जन्नत 3700, गौरी डिलाइट 10800, मंसूरी पनघट 4400,लाडली 4400

दाल दलहन– मूंग दाल इंदौर 9900, मूंग धोवा 10100, राजमा चित्रा 11500–13000, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250–7450 मलका दाल 7450–9600, मलका छोटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8800–9800, मसूर दाल छोटी 10700–12200, दाल उड़द दिल्ली 11200, उड़द साबुत दिल्ली 10500, उड़द धोवा इंदौर 12700, उड़द धोवा 9800–11500, चना काला 7200, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7400, चना अकोला 6600, डबरा 7000–8400, सच्चा मोती 8700, मोटा सफेद 9700, अरहर गोला मोटा 8800, अरहर पटका मोटा 9500, अरहर कोरा मोटा 9800, अरहर पटका छोटा 11000–11600, अरहर कोरी छोटी 12600

चीनी– द्वारकेश 4300, बहेड़ी 4280, सितारगंज 4250

बरेली सर्राफा

सोना प्रति 10 ग्राम : पक्के आभूषण 151500, गिन्नी जेवर 147500, **चांदी प्रति किलो** : पक्की 246000 अनुमानित

बिजनेस ब्रीफ

यूपीआई के जरिए अप्रैल में 22.35 अरब लेनदेन: डीएफएस

नई दिल्ली। यूपीआई (यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस) के जरिये लेनदेन इस साल अप्रैल सालाना आधार पर 25 प्रतिशत बढ़कर 22.35 अरब रहा। वित्तीय सेवा विभाग ने सोमवार को यह जानकारी दी। वित्तीय सेवा विभाग ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि अप्रैल 2026 में यूपीआई के जरिये 22.35 अरब लेनदेन हुए।

टाटा समूह के निदेशक करें टाटा संस की सूचीबद्धता की पहल

नई दिल्ली। संस्थागत निवेशकों को परामर्श देने वाली इनगवर्न रिसर्च सर्विसेज ने टाटा समूह की सात सूचीबद्ध कंपनियों के निदेशकों से टाटा संस को सूचीबद्ध कराने के लिए पहल करने का आग्रह किया है, ताकि शेयरधारकों के हितों की रक्षा हो सके।

इनगवर्न रिसर्च के प्रबंध निदेशक एवं संस्थापक श्रीराम सुब्रमण्यन ने टाटा समूह की सात कंपनियों के स्वतंत्र निदेशकों एवं बोर्ड सदस्यों को लिखे पत्र में कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक के 2026 के नियामकीय बदलाव टाटा संस के निजी बने रहने पर प्रणालीगत जोखिम पैदा कर सकते हैं।

चुनावी नतीजों से शेयर बाजार में तेजी लौटी, सेंसेक्स 356 अंक चढ़ा

उम्मीदों के अनुरूप चुनाव परिणाम और कंपनियों के बेहतर नतीजों ने बढ़ाया निवेशकों का भरोसा

मुंबई, एजेंसी

प्रमुख कंपनियों में लिवाली आने और पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव नतीजे बाजार की उम्मीदों के अनुरूप रहने से सोमवार को घरेलू शेयर बाजार चढ़कर बंद हुए। सेंसेक्स में 356 अंक की मजबूती रही जबकि निफ्टी 122 अंक चढ़ा। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 355.90 अंक यानी 0.46 प्रतिशत बढ़कर 77,269.40 अंक पर बंद हुआ।

कारोबार के दौरान एक समय यह 997.25 अंक उछलकर 77,910.75 अंक तक पहुंच गया था। इसी तरह, एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी 121.75 अंक यानी 0.51 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,119.30 अंक पर बंद हुआ।

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि पश्चिम एशिया से जुड़े जोखिमों को नजरअंदाज करते हुए पश्चिम बंगाल के चुनाव परिणामों के अनुकूल रुझान और चौथी तिमाही के बेहतर नतीजों से निवेशकों का भरोसा मजबूत हुआ।

एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और हांगकांग का हैंगसेंग सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए जबकि जापान में अवकाश के कारण कारोबार बंद रहा। यूरोपीय बाजार गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी बाजार शुक्रवार को बढ़त के साथ बंद हुए थे।

घरेलू शेयर बाजार महाराष्ट्र दिवस पर शुक्रवार को बंद थे। गुरुवार को सेंसेक्स 582.86 अंक गिरकर 76,913.50 और निफ्टी 180.10 घटकर 23,997.55 अंक पर बंद हुए थे।

निफ्टी भी 122 अंक चढ़कर 24100 के पार

बढ़त के साथ बंद हुए शेयर : सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से अदाणी पोर्ट्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर, रिलायंस इंडस्ट्रीज, लार्सन एंड टुब्रो, इटर्नल और मारुति सुजुकी के शेयर प्रमुख रूप से लाभ में रहे।

नुकसान में रहे शेयर : भारती एयरटेल, कोटक महिंद्रा बैंक, टीसीएस और आईटीसी के शेयर नुकसान में रहे।

स्मॉलकैप में 0.79, मिडकैप में 0.75 प्रतिशत की तेजी

बीएसई स्मॉलकैप सेलेक्ट सूचकांक 0.79 प्रतिशत की बढ़त पर रहा जबकि मझोली कंपनियों के मिडकैप सेलेक्ट सूचकांक में 0.75 प्रतिशत की तेजी रही। रियल्टी खंड, सेवा, पूंजीगत उत्पाद और औद्योगिक खंड एक प्रतिशत से अधिक बढ़त के साथ बंद हुए। वहीं, आईटी और बैंक खंड में गिरावट रही। बीएसई पर सूचीबद्ध शेयरों में से 2,607 शेयर बढ़कर बंद हुए जबकि 1,735 शेयरों में गिरावट रही।

- वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.48 % बढ़कर 109.8 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।
- विदेशी विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बृहस्पतिवार को 8,047.86 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 3,487.10 करोड़ रुपये की खरीदारी की।

आगे भी बढ़त का रुख रहने की उम्मीद

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख (संपत्ति प्रबंधन) सिद्धार्थ खेमका ने कहा कि बाजार में आगे भी बढ़त का रुख बना रहने की उम्मीद है। यह कच्चे तेल की कीमतों में नरमी, मजबूत घरेलू आंकड़े और पांच राज्यों के चुनाव परिणामों के बाद राजनीतिक स्पष्टता पर आधारित रहेगा।

चांदी 6,800 रुपये उछली, सोना 2,000 रुपये टूटा

नयी दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोमवार को चांदी की कीमत 6,800 रुपये चढ़कर 2.49 लाख रुपये प्रति किलोग्राम रही। विदेशी बाजारों में कीमतों पर दबाव के बावजूद आभूषण विक्रेताओं और स्टॉकिस्टों की तरफ से मजबूत खरीदारी के कारण घरेलू बाजार में भाव में तेजी रही। हालांकि, अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 2,000 रुपये, यानी 1.3 प्रतिशत टूटकर 1,52,800 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) रहा। गुरुवार को बाजार बंद होने के समय इसकी कीमत 1,54,800 रुपये प्रति 10 ग्राम थी। एचडीएफसी सिक्योरिटीज में वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा कि ऊर्जा की ऊंची कीमतों और अमेरिका-ईरान वार्ता को लेकर जारी अनिश्चितता के बीच सोमवार को कम कारोबार वाले सत्र में सोने की कीमत में गिरावट आई। तेल की बढ़ती कीमतों ने इस आशंका को और मजबूत किया है कि ब्याज दरें लंबे समय तक ऊंची बनी रह सकती हैं।

सावधान! आपका ATM कार्ड भी हो सकता है कॉपी

कारोबार डेस्क

डिजिटल दौर में बैंकिंग आसान है, लेकिन इसके खतरे भी उतने ही अधिक हैं। एटीएम से कैश निकालना हो, पेट्रोल पंप पर पेमेंट करनी हो या रेस्टोरेंट में बिल चुकाना हो, हम इस सबके लिए डेबिट या क्रेडिट कार्ड का उपयोग करते हैं। लेकिन इसी कार्ड को कॉपी करके अपराधी आपका बैंक अकाउंट खाली कर देते हैं। इसे कार्ड क्लोनिंग कहते हैं। जरा सी लापरवाही बड़ी चोट पहुंचा सकती है। ऐसे में जानते हैं बचाव के तरीके और जरूरी सावधानियां ...

क्यों बढ़ रहे मामले

ज्यादा ट्रांजैक्शन का अर्थ है अपराधियों के लिए ज्यादा मौके। साइबर ठग फ्रॉड के लिए नित नए तरीके ढूंढ रहे हैं। इसमें कार्ड क्लोनिंग से लेकर डार्क वेब पर आपका डेटा बेचा जाना तक शामिल है। वहां से इस डेटा का गलत इस्तेमाल करके ये अपराधी आपके अकाउंट में सेंधमारी करते हैं। आपकी सावधानी ही मुख्य बचाव है।

क्या है कार्ड क्लोनिंग?

- अंतरराष्ट्रीय असल में आप किसी भी स्वाइप मशीन या एटीएम मशीन में कार्ड यूज करते हैं तो कार्ड कापी हो जाता है। कार्ड क्लोनिंग में ठग एटीएम या स्वाइप मशीन पर छोटा डिवाइस लगा देते हैं। इसको ही डिवाइस को 'स्किमर' कहा जाता है।
- जब आप मशीन में कार्ड डालते या स्वाइप करते हैं, तो यह डेटा कॉपी कर लेता है। यह आपकी मैग्नेटिक स्ट्रिप की जानकारी चुरा लेता है। साथ में छिपा कैमरा या नकली कीपैड लगाया जाता है। इससे आपका एटीएम पिन भी रिकॉर्ड कर लिया जाता है।

कहां-कहां है जोखिम

- एटीएम मशीन
- पेट्रोल पंप
- रेस्टोरेंट
- पीओएस या स्वैप मशीन
- अनजान भीड़भाड़ वाले स्थान

इन संकेतों से पहचानें खतरा

- बिना ट्रांजेक्शन किए पैसे कटने का मैसेज
- खाते से अचानक बड़ी रकम निकलना
- एटीएम के कार्ड स्लॉट में ढीलापन
- मशीन के आसपास अजीब-सा छोटा डिवाइस या वायर
- कीपैड पर एक्स्ट्रा परत या चिपका हुआ हिस्सा
- मशीन देखकर जरा भी शक हो, तो इस्तेमाल न करें

कैसे बचें कार्ड क्लोनिंग से

- पिन डालते समय कीपैड हाथ से ढकें।
- अनजान लिंक, कॉल या मैसेज पर कार्ड डिटेल शेयर न करें।

3. बैंक की SMS और ईमेल अलर्ट सर्विस हमेशा एक्टिव रखें।
4. जरूरत न हो तो इंटरनेशनल और ऑनलाइन ट्रांजेक्शन बंद रखें।
5. अपना एटीएम पिन बदलते रहें।
6. मैग्नेटिक स्ट्रिप कार्ड हो तो बदलकर चिप कार्ड जारी करवा लें।

काम की बात

- अगर आपके खाते से बिना अनुमति पैसे निकल जाएं, तो घबराएं नहीं, तुरंत बैंक के कस्टमर केयर पर कॉल कर कार्ड ब्लॉक कराएं।
- तत्काल नजदीकी ब्रांच में लिखित शिकायत दें।
- राष्ट्रीय साइबर क्राइम पोर्टल [(www.cybercrime.gov.in)(http://www.cybercrime.gov.in)] पर शिकायत दर्ज करें।
- ट्रांजेक्शन का स्क्रीनशॉट और मैसेज सुरक्षित रखें। रिपोर्ट जल्दी करने से पैसे वापस मिलने के चांस रहते हैं।

कमोडिटी डेरिवेटिव्स में बैंकों, बीमा कंपनियों की एंट्री के पक्ष में नहीं सेबी

मुंबई, एजेंसी

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने सोमवार को कहा कि बैंकिंग और बीमा क्षेत्र के नियामक अपने विनियमित संस्थानों को जिंस डेरिवेटिव खंड में निवेश की अनुमति देने के पक्ष में नहीं हैं।

श्री पांडेय ने यहां 'आईएमसी कैपिटल मार्केट कॉन्फ्रेंस 2026' में एक संवाद सत्र के दौरान कहा कि संबंधित नियामक भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और भारतीय बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) बैंकों और बीमा कंपनियों को जिंस डेरिवेटिव में निवेश की अनुमति देने को लेकर बहुत सकारात्मक नहीं हैं और इसके पीछे उनके पास ठोस कारण हैं।

सेबी प्रमुख ने कहा कि भारत में पेंशन कोष विनियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) ने भी पेंशन कोष को जिंस डेरिवेटिव में निवेश की अनुमति देने के प्रस्ताव पर विचार किया है, लेकिन इस पर अंतिम निर्णय का खुलासा नहीं किया है। जिंस डेरिवेटिव खंड वित्तीय बाजार का वह हिस्सा है जहां सोना, चांदी, कच्चा तेल या कृषि उत्पादों जैसी वस्तुओं की भविष्य की कीमतों पर आधारित वायदा एवं विकल्प अनुबंधों में कारोबार होता है। सेबी इस खंड का नियमन करता है।

सेबी चेयरमैन बोले- जल्दी ही एंथ्रोपिक माइथोस जैसे एआई टूल की वजह से उभर रहे जोखिमों को लेकर परामर्श जारी करेंगे

उन्होंने कहा कि सेबी जल्द ही बाजार मध्यस्थों के लिए एंथ्रोपिक माइथोस जैसे कृत्रिम मेधा (एआई) टूल की वजह से उभर रहे जोखिमों को लेकर परामर्श जारी करेगा।

पांडेय ने कहा कि हमने इस संबंध में सभी संबंधित पक्षों के साथ बातचीत की है और जल्द ही हम यह सलाह जारी करेंगे कि संभावित कमजोरियों के प्रति सतर्क रहने और सक्रिय रूप से जोखिम प्रबंधन करने की आवश्यकता है।

पूंजी बाजार विनियामक के मुखिया ने कहा कि भारत को दीर्घकालिक पूंजी की जरूरत है और बाजार-आधारित वित्त को मजबूत करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि निवेशकों को बेहतर विकल्प देने के लिए बाजार के विकास और निवेशक संरक्षण को साथ-साथ आगे बढ़ाना होगा। उन्होंने कहा कि वैकल्पिक निवेश कोष (एआईएफ) उद्योग के लिए समयबद्ध तरीके से कोष जारी करने की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए हाल में बदलाव किए गए हैं, जिसमें पर्याप्त निगरानी भी सुनिश्चित की गई है।

एनसीएलएटी ने जेपी मामले में खारिज की अदाणी के खिलाफ वेदांता की अपील

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने उद्योगपति अनिल अग्रवाल नीत वेदांता लिमिटेड की दो याचिकाएं सोमवार को खारिज कर दीं।

कंपनी ने इनमें कर्ज में डूबी जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड के लिए गौतम अदाणी नीत अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड की बोली के चयन को चुनौती दी थी। एनसीएलएटी ने वेदांता द्वारा उठाए गए मुद्दों में कोई आधार नहीं पाया और उसकी दोनों याचिकाओं को खारिज कर दिया। एनसीएलएटी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति अशोक भूषण और तकनीकी सदस्य बरुण मित्रा की दो-सदस्यीय पीठ ने पाया कि ऋणदाताओं की समिति (सीओसी) ने जेएएल के लिए वेदांता की समाधान योजना के मुकाबले अदाणी समूह की 14,535 करोड़ रुपये की बोली को प्राथमिकता देकर सही फैसला किया था। इस फैसले को राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने मंजूरी दे दी थी, जिसके खिलाफ वेदांता ने एनसीएलएटी में अपील दायर की थी।

एनसीएलएटी ने अपने आदेश में कहा कि अपीलकर्ता (वेदांता) द्वारा ऐसा कोई आधार नहीं बनाया गया है जिससे एनसीएलटी के निर्णय में हस्तक्षेप किया जा सके। अपील में कोई दम नहीं है। दोनों अपीलें खारिज की जाती हैं। कोई आदेश पारित करने की आवश्यकता नहीं है।

बंगाल में नई सरकार से उद्योग जगत को निवेश अनुकूल नीतियों की उम्मीद

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदर्शन पर उद्योग मंडलों और व्यापार संगठनों ने सोमवार को बधाई दी और उम्मीद जताई कि नई सरकार राज्य के आर्थिक वृद्धि को पटरी पर लाने के लिए औद्योगिकीकरण, बुनियादी ढांचे के निर्माण, निवेश अनुकूल नीतियों और केंद्र-राज्य के बीच मजबूत समन्वय पर ध्यान केंद्रित करेगी।

निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, 294 सदस्यीय विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 206 सीटें जीती है। वहीं, 2011 से राज्य की सत्ता पर काबिज तृणमूल कांग्रेस 81 सीटों पर ही जीत दर्ज कर सकी।

भारत चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष नरेश पचीसिया ने कहा कि बंगाल के लिए एक नई शुरुआत का संकेत है, जहां बड़े निवेश, व्यापार विस्तार और औद्योगिकीकरण को गति देने के साथ केंद्र-राज्य संबंधों को नई दिशा मिलने की उम्मीद है। उन्होंने पारदर्शी और सुदृढ़ शासन, व्यवसाय-अनुकूल नीतियों, स्थिर श्रम संबंधों और निवेशकों के बीच राज्य की छवि सुधारने के लिए तत्काल कदम उठाने की आवश्यकता पर जोर दिया। कहा कि कम समय में निवेशकों का भरोसा बहाल करना पश्चिम बंगाल को एक प्रमुख औद्योगिक केंद्र के रूप में पुनर्जीवित करने के लिए महत्वपूर्ण होगा।

- **पारदर्शी और सुदृढ़ शासन, स्थिर श्रम संबंधों और निवेशकों के बीच राज्य की छवि सुधारने के तत्काल प्रयास की जरूरत**

बंगाल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (बीसीसीआई) ने भी राज्य में सरकार बनाने के लिए भाजपा को प्रचंड जनादेश पर बधाई दी। संगठन ने कहा कि बीसीसीआई राज्य में ऐसा माहौल बनने की उम्मीद करता है जो निवेशकों के भरोसे, कारोबार सुगमता, औद्योगिक विकास, रोजगार सृजन और नीतिगत स्थिरता को और मजबूत करे।

भारत कमजोरियां पहचान कर जोखिम प्रबंधन करे: ईएसी-पीएम चेयरमैन

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) के चेयरमैन एस महेंद्र देव ने सोमवार को कहा कि देश को भविष्य में पश्चिम एशिया जैसे संकट का असर कम करने के लिए ऊर्जा, खाद्य, उर्वरक, धातु एवं महत्वपूर्ण खनिज जैसे क्षेत्रों में अपनी आर्थिक कमजोरियों को चिह्नित कर उन पर निगाह रखनी चाहिए। देव ने बातचीत में कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष ने जोखिम प्रबंधन के लिए दूरदर्शी दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत को रेखांकित किया है। उन्होंने कहा कि आपूर्ति बाधाओं और कीमतों में उतार-चढ़ाव से निपटने के लिए सक्रिय रणनीति अपनानी जरूरी है।

देव ने कहा कि इसके लिए रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार के विस्तार और आवश्यक वस्तुओं के भंडारण जैसी भौतिक सुरक्षा व्यवस्थाओं को मजबूत करना होगा। केवल विदेशी मुद्रा भंडार और खाद्यान्न भंडार पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत को ऊर्जा, खाद्य, उर्वरक, धातु और महत्वपूर्ण खनिज जैसे क्षेत्रों में अपनी प्रमुख आर्थिक कमजोरियों की पहचान कर उनकी निगरानी करनी चाहिए और आपूर्ति में बाधाओं एवं कीमतों में उतार-चढ़ाव से निपटने के लिए सक्रियता दिखाते हुए कदम उठाने चाहिए।

- **आपूर्ति बाधाओं और कीमतों में उतार-चढ़ाव से निपटने के लिए सक्रिय रणनीति अपनानी जरूरी**

ईएसी-पीएम के प्रमुख ने आयात पर अत्यधिक निर्भरता को घटाने पर जोर देते हुए कहा कि आपूर्ति स्रोतों और व्यापार मार्गों में विविधता लाने के साथ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) का प्रभावी उपयोग करना जरूरी है। दीर्घावधि में जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करना स्थायी समाधान होगा।

अप्रैल में 16% घटकर 22 लाख टन हुई एलपीजी की घरेलू खपत

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में संघर्ष के कारण ऊर्जा आपूर्ति बाधित होने के कारण देश में रसोई गैस (एलपीजी) की खपत अप्रैल में 16 प्रतिशत से अधिक घटकर 22 लाख टन रह गई। सोमवार को जारी नवीनतम आंकड़ों में यह जानकारी मिली।

पेट्रोलियम मंत्रालय के पेट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी) की तरफ से जारी आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष अप्रैल में एलपीजी की घरेलू खपत सालाना आधार पर 16.16 प्रतिशत घटकर 22 लाख टन रह गई जबकि अप्रैल 2025 में यह 26.2 लाख टन थी। मासिक आधार पर भी एलपीजी खपत में गिरावट दर्ज की गई है। मार्च 2026 में एलपीजी की घरेलू खपत 23.79 लाख टन रही थी। भारत अपनी एलपीजी जरूरतों का लगभग 60% आयात करता है, जिसका बड़ा हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते आता है। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच सैन्य संघर्ष छिड़ने के कारण इस मार्ग से आपूर्ति प्रभावित हुई है, जिससे सऊदी अरब और यूएई से आने वाली गैस की खेपों में बाधा आई। सरकार ने घरेलू रसोई गैस की उपलब्धता बनाए रखने के लिए होटल और उद्योगों जैसे वाणिज्यिक उपभोक्ताओं को आपूर्ति घटा दी है।

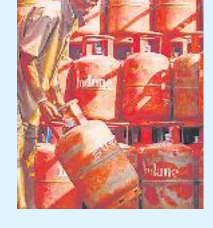

भारत-कनाडा ने एफटीए पर शुरू की दूसरे दौर की वार्ता

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और कनाडा ने द्विपक्षीय व्यापार एवं निवेश बढ़ाने के उद्देश्य से मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए वार्ता का दूसरा दौर सोमवार को शुरू किया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। इस समझौते को आधिकारिक रूप से व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (सीईपीए) कहा जाता है। इस वार्ता में वस्तुओं, सेवाओं तथा अन्य पारस्परिक रूप से सहमत नीतिगत क्षेत्रों में व्यापार पर चर्चा की जाएगी। अधिकारी ने कहा कि पांच दिवसीय वार्ता चार मई से यहां शुरू हुई। वार्ता का पहला दौर मार्च में आयोजित किया गया था। यह दौर महत्वपूर्ण है क्योंकि वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल इस माह के अंत तक वार्ता को गति देने के लिए कनाडा की यात्रा करेंगे। यह वार्ता प्रक्रिया फिर से शुरू होने का संकेत भी है क्योंकि कनाडा ने 2023 में वार्ता को रोक दिया था। यह वार्ता इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि दोनों पक्षों ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य तय किया है।

- **मार्च में हुई थी पहले दौर की बातचीत, द्विपक्षीय व्यापार 50 अरब डॉलर पहुंचाने का लक्ष्य**

आरबीआई ने डिप्टी गवर्नरों को बांटे विभाग

मुंबई, एजेंसी। आरबीआई ने सोमवार को डिप्टी गवर्नरों के बीच विभागों का बंटवारा किया, जिसमें नवनियुक्त रोहित जैन को 10 विभागों की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

आरबीआई ने एक बयान में कहा कि वरिष्ठ डिप्टी गवर्नर स्वामीनाथन जानकीरमन को 11 विभागों की जिम्मेदारी दी गई है, जिनमें पर्यवेक्षण, विधि, जमा बीमा और ऋण गारंटी निगम (डीआईसीजीसी) और निरीक्षण शामिल हैं।

पूनम गुप्ता को छह विभाग सौंपे गए हैं, जिनमें प्रमुख मौद्रिक नीति विभाग भी शामिल है। डिप्टी गवर्नर शिरीष चंद्र मुर्मू को पांच विभागों की जिम्मेदारी दी गई है, जिनमें विनियमन और प्रवर्तन विभाग शामिल हैं।

पश्चिम एशिया संकट

उर्वरक विभाग में अतिरिक्त सचिव ने अंतर-मंत्रालयीय संवाददाता सम्मेलन में कहा

बजट अनुमान से अधिक रह सकती है उर्वरक सब्सिडी

नई दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम एशिया में जारी संकट के कारण आयातित यूरिया और अन्य उर्वरकों की बढ़ती कीमतों के बीच वित्त वर्ष 2026-27 के लिए सरकार का उर्वरक सब्सिडी खर्च 1.71 लाख करोड़ रुपये के बजटीय आवंटन से अधिक होने का अनुमान है। मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को यह बात कही।

उर्वरक विभाग में अतिरिक्त सचिव अपर्णा एस शर्मा ने पश्चिम एशिया के घटनाक्रम पर एक अंतर-मंत्रालयीय संवाददाता सम्मेलन में कहा कि हम जानते हैं कि कीमतें बढ़ी हैं। यूरिया और अन्य उर्वरकों दोनों की कीमतों में बढ़ोतरी का रुझान दिख रहा है...। निश्चित रूप से बढ़ोतरी होगी, लेकिन अभी कुछ नहीं कहा जा सकता। श्री शर्मा ने कहा कि पश्चिम एशिया संकट के कारण आपूर्ति श्रृंखला में आई रुकावटों के बावजूद, खरीफ 2026 सत्र में उर्वरकों की उपलब्धता 'अच्छी' और स्थिर बनी हुई है।

मार्च-अप्रैल के लिए घरेलू उत्पादन 67.76 लाख टन रहा। इसमें यूरिया (40.72 लाख टन), डाई अमोनियम फॉस्फेट (5.39 लाख टन), एनपीके (13.65 लाख टन) और एसएसपी (8 लाख टन) शामिल हैं। इसके अलावा 17 लाख टन का आयात भी किया गया। यह आयात बंदरगाह और विदेश मंत्रालयों के समन्वित प्रयासों से संभव हो पाया। विभाग ने मई महीने के लिए 22 लाख टन यूरिया, 4 लाख टन डीएपी और 8 लाख टन एनपीके के घरेलू उत्पादन का लक्ष्य रखा है। उन्होंने बताया कि यूरिया के कुछ ऐसे संयंत्र जो अस्थायी रूप से बंद हो गए थे, वे अब फिर से चालू होने वाले हैं। उनके लिए गैस की आपूर्ति पहले ही सुनिश्चित कर ली गई है। यूरिया के आयात के लिए एक वैश्विक निविदा की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है और मई-जून तक इसकी आपूर्ति होने की उम्मीद है। उर्वरकों की बढ़ती मांग पूरा करने के लिए 19 लाख टन एनपीके उर्वरकों के आयात हेतु एक अलग वैश्विक निविदा भी जारी किया गया है।

खरीफ सत्र में 390 लाख टन उर्वरकों की जरूरत

कृषि विभाग ने खरीफ 2026 सत्र के लिए उर्वरकों की आवश्यकता 390.54 लाख टन रहने का अनुमान जताया है। इसके मुकाबले, राज्यों ने पहले ही 195.71 लाख टन उर्वरक का स्टॉक जमा कर लिया है। यह कुल आवश्यकता का लगभग 50 प्रतिशत है। अधिकारियों के अनुसार यह 'बेहतर योजना और समय से पहले स्टॉक जमा करने' की रणनीति है। कृषि मंत्रालय के आकलन के आधार पर राज्यों के हिसाब से मांग का खाका तैयार कर लिया गया है और इसके लिए स्टॉक जमा करने तथा अग्रिम योजना बनाने का काम पहले ही पूरा कर लिया गया है।

वर्ल्ड ब्रीफ

केन्या में बाढ़ से 18 लोगों की मौत

नैरोबी। केन्या में लगातार जारी भारी बारिश के कारण हाल में आई बाढ़ से पिछले एक सप्ताह में 18 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि अधिकतर लोगों की मौत डूबने से हुई है। देश के गृह मंत्रालय के अनुसार, देशभर में बाढ़ से पिछले एक सप्ताह में 18 लोगों की मौत हुई है और 54,000 से अधिक परिवार प्रभावित हुए हैं जिनमें से 6,000 परिवार देश की राजधानी नैरोबी के हैं। देशभर में कई विद्यालयों और अस्पतालों में पानी भर गया है तथा 17 सड़कों पर आवागमन बाधित हो गया है। भूस्खलन के कारण पश्चिमी रिफ्ट वैली क्षेत्र में हजारों लोगों को अपने घर छोड़ने पड़े हैं। देश के जलविद्युत बांधों में जलस्तर बढ़ने के कारण ताना और अथी नदियों के किनारे निचले इलाकों में रहने वाले लोगों से ऊंचे स्थानों पर जाने की अपील की गई है।

हंता वायरस से दंपति समेत तीन की मौत

केपटाउन। अटलांटिक महासागर में एक क्रूज जहाज पर संदिग्ध हंता वायरस के प्रकोप के कारण एक बुजुर्ग दंपति समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि कम से कम तीन अन्य के बीमार होने की सूचना है। यह जानकारी विश्व स्वास्थ्य संगठन और दक्षिण अफ्रीका के स्वास्थ्य विभाग ने दी। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, मामले की जांच जारी है और कम से कम एक मामले में हंता वायरस के संक्रमण की पुष्टि हो चुकी है। संयुक्त राष्ट्र की इस स्वास्थ्य एजेंसी ने बताया कि एक मरीज दक्षिण अफ्रीका के एक अस्पताल की गहन चिकित्सा इकाई में भर्ती है, जबकि जहाज पर इसके लक्षण वाले दो अन्य मरीजों को वहां से निकालने के प्रयास किए जा रहे हैं।

ऑर्बिटल डेटा सेंटर उपग्रह को साझेदारी

नई दिल्ली। अमेरिकी-भारतीय अंतरिक्ष कंपनी पिक्सल ने बेंगलुरु स्थित कृत्रिम बुद्धिमत्ता कंपनी सर्वम के साथ मिलकर एक ऑर्बिटल डेटा सेंटर सैटेलाइट बनाने के लिए साझेदारी की है। पिक्सल उपग्रह को डिजाइन, निर्माण, प्रक्षेपण और संचालित करेगा, जबकि सर्वम कक्षा में सीधे प्रशिक्षण और इन्फरेंस दोनों संभालेगा। सोमवार को पिक्सल के सीईओ अवैस अहमद ने कहा कि जमीन पर आधारित डेटा सेंटर ऊर्जा, भूमि, विनियमन और पैमाने के संबंध में बढ़ती बाधाओं का सामना कर रहे हैं और वर्तमान मॉडल को पर्यावरण की दृष्टि से बनाए रखना कठिन होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि ऑर्बिटल डेटा सेंटर एक नया आयाम खोलते हैं।

नेपाल ने लिपुलेख दर्रे पर अपना क्षेत्रीय दावा दोहराया

काठमांडू, एजेंसी

- नेपाल की सरकार ने की भारत से बातचीत करने की मांग

नेपाल ने लिपुलेख पर अपने क्षेत्रीय दावे को सोमवार को दोहराया और इस मुद्दे को सुलझाने के लिए भारत के साथ बातचीत की वकालत की। एक दिन पहले भारत ने इस क्षेत्र पर नेपाल के रुख को दृढ़ता से खारिज कर दिया था।

भारत ने उत्तराखंड के लिपुलेख दर्रे से दशकों से आयोजित होने वाली कैलाश मानसरोवर यात्रा पर नेपाल की आपत्ति को रविवार को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि क्षेत्रीय दावों का ऐसा एकतरफा कृत्रिम विस्तार अस्वीकार्य है। भारत की इस प्रतिक्रिया के पहले नेपाल के विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर भारत और चीन द्वारा लिपुलेख दर्रे के रास्ते आगामी कैलाश मानसरोवर यात्रा आयोजित करने की योजना पर आपत्ति जताई और दावा किया कि यह उसका क्षेत्र है। नेपाल सरकार के प्रवक्ता सस्मित पोखरेल ने कहा कि नेपाल का अपनी सीमा बढ़ाने का इरादा नहीं है, यह क्षेत्र नेपाल का है।

भारत-जमैका संबंधों में निरंतरता और परिवर्तन जैसी विशेषता

किंग्सटन, एजेंसी

- कैरिबियाई देश की पहली यात्रा पर बोले विदेशमंत्री जयशंकर

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि भारत और जमैका के बीच संबंध 'निरंतरता और बदलाव' से प्रेरित हैं। उन्होंने कहा कि यह संबंध साझा इतिहास पर आधारित हैं जो वर्तमान सहयोग से मजबूत हो रहा है और भविष्य में अधिक संभावनाओं की ओर अग्रसर है।

जमैकन ग्लीनर अखबार में रविवार को प्रकाशित एक लेख में जयशंकर ने यह भी कहा कि दोनों देशों को एक गहरी और अधिक लचीली साझेदारी बनाने के लिए मिलकर काम करना जारी रखना चाहिए जो दोनों देशों के लोगों के लिए काम करे और एक अधिक न्यायपूर्ण विश्व के निर्माण में योगदान दे। भारत और जमैका के बीच द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जयशंकर शनिवार को कैरेबियाई देश की अपनी पहली यात्रा पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि भारतीय प्रवासी समुदाय का जमैका के साथ 180 वर्षों से संबंध है। उन्होंने कहा कि भारतीय प्रवासी समुदाय का यही रिश्ता हमारे संबंधों को एक विशेष रंग प्रदान करता है। उन्होंने बताया कि कई भारतीयों के लिए जमैका का नाम सुनते ही माइकल होल्डिंग और क्रिस गेल का क्रिकेट, बॉब मार्ले और जिमी क्लिफ का संगीत, उसेन बोल्ट और एलेन थॉम्पसन-हेराह का एथलेटिक्स तथा सांस्कृतिक हस्ती मिस लू के लेखन की याद आ जाती है।

जयशंकर ने कहा कि ये संबंध दोनों देशों के बीच गहरे जुड़ाव को दर्शाते हैं, जिसमें ग्लोबल साउथ और राष्ट्रमंडल की सदस्यता शामिल है। उन्होंने कहा कि भारत और जमैका दोनों बहुलवादी समाज, राजनीतिक लोकतंत्र और बाजार आधारित अर्थव्यवस्थाएं हैं। उन्होंने कहा कि यह रिश्ता अंततः निरंतरता और परिवर्तन की एक कहानी है, जो एक साझा अतीत में निहित है, वर्तमान सहयोग से प्रगाढ़ हो रहा है और भविष्य में अधिक संभावनाओं की ओर उन्मुख है। भारत और जमैका के संबंधों की कहानी 19वीं और 20वीं शताब्दी के आरंभिक वर्षों में भारतीय गिरमिटिया श्रमिकों की इस भूमि की यात्रा से शुरू हुई। उन्होंने कहा कि 1845 में 'ब्लंडेल हंटर' जहाज पर सवार होकर भारतीयों का पहली बार 'ओल्ड हार्बर बे' में उतरना इस यात्रा की शुरुआत थी। उन्होंने कहा कि आज, लगभग 70,000 भारतीय मूल के लोगों का एक समुदाय दोनों देशों के बीच एक जीवंत सेतु का काम करता है। जयशंकर ने कहा कि भारतीय-जमैका समुदाय एक सक्रिय और गतिशील शक्ति है जो दोनों देशों के संबंधों को आधार प्रदान करती है और आगे बढ़ाती है। जब दोनों देशों के बीच 1962 में राजनयिक संबंध स्थापित हुए तो हमने उस चीज को औपचारिक रूप दिया जिसकी नींव दोनों देशों के लोग पहले ही डाल चुके थे।

जहाजों की सुरक्षित आवाजाही के लिए अमेरिका ने होर्मुज में बनाया अलग मार्ग

ईरान द्वारा समुद्र में बिछाए गए बारूदी सुरंगों के चलते जहाजों से मार्ग बदलने को कहा

दुबई, एजेंसी

अमेरिका ने सोमवार को ईरान के प्रभाव वाले होर्मुज जलडमरूमध्य से फंसे हुए जहाजों को सुरक्षित रूप से मार्गदर्शन देने के प्रयास की शुरुआत की, ताकि क्षेत्र में जारी आर्थिक व्यवधान को कम किया जा सके। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा एक दिन पहले घोषित प्रोजेक्ट फ्रीडम के बाद ज्वाइंट मैरीटाइम इंफॉर्मेशन सेंटर ने बताया कि अमेरिका ने मुख्य शिपिंग मार्गों के दक्षिण में एक उन्नत सुरक्षा क्षेत्र स्थापित किया है और समुद्री यात्रियों से ओमान के अधिकारियों के साथ समन्वय करने को कहा है।

सेंटर ने चेतावनी दी कि सामान्य यातायात मार्ग के पास से गुजरना अत्यंत खतरनाक हो सकता है, क्योंकि वहां बारूदी सुरंगों की मौजूदगी की आशंका है। अमेरिका के नेतृत्व वाले समुद्री कार्य बल की यह घोषणा जलमार्ग पर वाणिज्यिक जहाजों की आवाजाही बहाल करने और विश्वास बहाल करने के प्रयास की शुरुआत मानी जा रही है। इस जलडमरूमध्य से दुनिया के लगभग 20 फीसदी तेल का परिवहन होता है, लेकिन यह युद्ध के बाद गंभीर रूप से बाधित हुआ है। इस युद्ध की शुरुआत 28 फरवरी को अमेरिका और इज़राइल द्वारा की गई थी, जिसके बाद वैश्विक ऊर्जा बाजारों में अस्थिरता बढ़ गई है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट में इस अभियान को प्रोजेक्ट फ्रीडम बताते हुए कहा कि अमेरिका तटस्थ और बेकसूर देशों के जहाजों को सुरक्षित मार्ग देगा। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अनुसार इस अभियान में गाइडेड-मिसाइल डिस्ट्रॉयर, 100 से अधिक विमान और लगभग 15,000 सैनिक शामिल होंगे। हालांकि पेंटागन ने तैनाती को लेकर विस्तृत जानकारी नहीं दी। खबरों के अनुसार कई जहाज, विशेषकर तेल और गैस टैंकर, युद्ध के कारण खाड़ी क्षेत्र में फंसे हुए हैं। चालक दल ने मिसाइलों और ड्रोन हमलों के बीच पानी, भोजन और अन्य आवश्यकताओं की कमी की स्थिति का सामना करने की बात कही है। ट्रंप ने इसे मानवीय पहल बताते हुए कहा कि इसका उद्देश्य ईरान सहित पश्चिम एशिया के देशों की मदद करना है, लेकिन साथ ही चेतावनी दी कि किसी भी प्रकार के हस्तक्षेप पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। ईरान के सरकारी मीडिया ने ट्रंप की घोषणा को भ्रमपूर्ण बताया है। ईरान के संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा समिति ने भी चेतावनी दी है कि जलडमरूमध्य में किसी भी हस्तक्षेप को संघर्षविराम का उल्लंघन माना जाएगा। वहीं, ईरान ने यह भी कहा है कि वह युद्ध समाप्त करने के उसके प्रस्ताव पर अमेरिका के जवाब की समीक्षा कर रहा है।

होर्मुज स्ट्रेट में जहाज पर मिसाइल से हमला

दुबई। ब्रिटेन की सेना ने सोमवार को कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य में एक जहाज पर प्रक्षेपास्त्र से हमला किया गया। ईरान और अमेरिका के मध्य तनाव के बीच कुछ ही घंटों में इस तरह का यह दूसरा हमला है। ब्रिटेन की सेना के यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस सेंटर ने अलर्ट जारी करते हुए कहा कि रविवार रात करीब 11 बजकर 40 मिनट पर जलडमरूमध्य में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के फुजैरा के पास एक टैंकर को निशाना बनाया गया था। सेना ने कहा कि टैंकर पर अज्ञात प्रक्षेपास्त्र से हमला हुआ है। सेना के केंद्र ने कहा कि चालक दल सुरक्षित हैं। पर्यावरण पर कोई असर नहीं पड़ा है। रविवार को जलडमरूमध्य में एक अन्य जहाज पर भी हमला हुआ था।

अमेरिकी पोत पर ईरानी हमले के दावे खारिज

दुबई। अमेरिकी सेना ने सोमवार को उन दावों को खारिज कर दिया कि ईरान ने उसके नौसैन्य पोत पर हमला किया है। अमेरिका फारस की खाड़ी के निकटवर्ती क्षेत्र में सक्रिय है और होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों को रास्ता देने तथा ईरान द्वारा उन जहाजों पर नाकेबंदी को हटाने की पेशकश कर रहा है जिन्हें नौवहन की अनुमति प्राप्त नहीं है। ईरानी समाचार एजेंसियों ने दावा किया कि ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य के दक्षिण-पूर्व में अमेरिकी नौसेना के एक पोत पर हमला किया, और उस पर समुद्री सुरक्षा और नौवहन मानदंडों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया।

अमेरिकी झंडे वाले दो जहाज होर्मुज से गुजरे

दुबई। अमेरिकी सेना ने सोमवार को कहा कि अमेरिका के झंडे वाले दो वाणिज्यिक जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य से सफलतापूर्वक गुजरे हैं। यह घोषणा ऐसे समय में की गई, जब होर्मुज से वाणिज्यिक जहाजों के सुरक्षित आवागमन को लेकर तनाव बढ़ गया है।

जब्त ईरानी जहाज के चालक दल को पाकिस्तान पहुंचाया

इस्लामाबाद। अमेरिका ने अपने सुरक्षा बलों द्वारा जब्त किए गए एक ईरानी जहाज पर हिरासत में रखे गए चालक दल के 22 सदस्यों को विश्वास-बहाली उपाय के तहत पाकिस्तान भेज दिया है। डॉन अखबार की खबर के अनुसार, इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान शिपिंग लाइन्स समूह के जहाज एमवी टौस्का को 19 अप्रैल को ओमान की खाड़ी में ईरान के चाबहार बंदरगाह के तट पर अमेरिकी सेना ने अपने कब्जे में ले लिया। इस जहाज पर अमेरिका ने प्रतिबंध लगा रखे हैं। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने कहा, अमेरिका द्वारा विश्वास बढ़ाने के उपाय के रूप में, जब्त किए गए ईरानी कंटेनर जहाज एमवी टौस्का पर बंधक बनाए गए चालक दल के 22 सदस्यों को पाकिस्तान लाया गया है।

एमबीबीएस में प्रवेश दिलाने वाले गिरोह का भंडाफोड़, 4 गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

- कई छात्रों के परिवारों से लिए थे 20 से 30 लाख रुपये

दिल्ली पुलिस ने एक संगठित गिरोह का भंडाफोड़ किया है जो नीट अभ्यर्थियों और उनके परिवारों को एमबीबीएस में प्रवेश दिलाने के नाम पर कथित रूप से ठगी करता था। इस बाबत संदिग्ध सरगना और एक डॉक्टर सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एक अधिकारी ने सोमवार को बताया कि तीन मई को हुई राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट यूजी) 2026 परीक्षा से पहले कुछ नाबालिग समेत 18 विद्यार्थियों को इन ठगों के चंगुल से बचाया। आरोपी उन्हें प्रश्न उपलब्ध कराने के बहाने अज्ञात स्थानों पर ले जा गए थे।

आरोप है कि फर्जी प्रश्न पत्र पिछले वर्षों की सामग्री और कोचिंग संस्थानों की सामग्री का उपयोग करके बनाए गए थे। आरोपियों ने छात्रों के परिवारों से कथित रूप से 20 से 30 लाख रुपये की मांग की और मेडिकल कॉलेजों में सीट दिलाने की गारंटी देते हुए कुछ पैसा ले भी लिया। अधिकारी ने बताया कि सूरत पुलिस से दो मई को सूचना मिली कि दिल्ली में एक संदिग्ध गिरोह नीट के माध्यम से मेडकिल कॉलेजों में प्रवेश दिलाने का दावा कर रहा है जिसके बाद कार्रवाई शुरू की गई और तकनीकी निगरानी के आधार पर जांचकर्ता महिपालपुर एक्सटेंशन के कई होटलों की तलाशी ली। होटल में ठहरे चार आरोपियों को पकड़ा।

मिशेल की जेल से रिहाई याचिका पर सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

- अगस्ता वेस्टलैंड मामले में आरोपी ने 1999 में हस्ताक्षरित संधि के अनुच्छेद 17 को दी है चुनौती

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 3,600 करोड़ रुपये के अगस्ता वेस्टलैंड वीवीआईपी हेलीकॉप्टर मामले में कथित बिचौलिए क्रिश्चियन मिशेल जेम्स की जेल से रिहाई के अनुरोध वाली याचिका पर सुनवाई करने को सोमवार को सहमति जताई। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने केंद्र सरकार, सीबीआई और ईडी को नोटिस जारी कर चार सप्ताह के भीतर जवाब मांगा है। जेम्स ने 1999 में हस्ताक्षरित संधि के अनुच्छेद 17 को चुनौती दी है। यह अनुच्छेद अनुरोध करने वाले देश (इस मामले में भारत) को यह अनुमति देता है कि वह प्रत्यर्पित व्यक्ति पर केवल उसी अपराध के लिए नहीं, जिसके लिए प्रत्यर्पण हुआ है, बल्कि उससे जुड़े अन्य अपराधों के लिए भी मुकदमा चला सके। सुनवाई की शुरुआत में जेम्स की तरफ से पेश वकील ने कहा कि उच्च न्यायालय ने अपने फैसले में यह कहा था कि भारत और यूएई के बीच हुई संधि का प्रभाव किसी भी प्रचलित कानून से ऊपर होगा। वकील ने बताया कि मैंने संधि के इस हिस्से को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की है। पीठ ने कहा कि उसने याचिका पर नोटिस जारी कर दिया है और मामले की सुनवाई जुलाई में होगी।

अपने द्विपक्षीय संबंधों को और प्रगाढ़ करेंगे भारत-बांग्लादेश

- बांग्लादेश के विदेशमंत्री से मिले भारतीय उच्चायुक्त

ढाका। बांग्लादेश में भारत के निवर्तमान उच्चायुक्त प्रणय वर्मा ने सोमवार को यहां विदेश मंत्री कहलिलुर रहमान से भेंट की जिसमें उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की और भविष्य में दोनों देशों के बीच संबंधों को और बेहतर बनाने की उम्मीद जतायी। भारतीय उच्चायोग के बयान का हवाला देते हुए सरकारी समाचार एजेंसी बीएसएस ने कहा है कि भारतीय उच्चायुक्त ने बांग्लादेश के विदेश मंत्री से ढाका में विदेश मंत्रालय में मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की और भविष्य में दोनों देशों के बेहतर संबंधों को लेकर उम्मीद जतायी। दोनों पक्षों ने आपसी संबंधों को और अधिक मजबूत करने और आगे बढ़ाने पर भरोसा जताया। वर्मा ने भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया कि वह बांग्लादेश की जनता और सरकार के साथ मिलकर काम करेगा ताकि दोनों देशों के विकास की प्राथमिकताओं और आपसी हित तथा लाभ के आधार पर सभी क्षेत्रों में जन केंद्रित सहयोग को और मजबूत किया जा सके। एजेंसी की खबरों में कहा गया है कि रहमान ने 21 सितंबर, 2022 को बांग्लादेश में उच्चायुक्त का पद संभालने वाले वर्मा का धन्यवाद किया और उनके कार्यकाल के दौरान दोनों पड़ोसी देशों के संबंधों को मजबूत करने में उनके योगदान के लिए उनकी सराहना की।

पक्षियों का जीपीएस

क्रिप्टोक्रोम के सहारे करते मीलों का सटीक सफर

हर साल, करोड़ों पक्षी बिना नक्शे या स्मार्टफोन के हजारों मील का सफर तय करते हैं और ठीक उसी जगह पहुंचते हैं जहां उनके पूर्वज गए थे। वर्षों तक वैज्ञानिकों के लिए यह एक पहेली थी कि ये नन्हे जीव समुद्रों, पहाड़ों और घने जंगलों के ऊपर से उड़ते हुए अपना रास्ता कैसे खोज लेते हैं। हालिया शोधों ने एक क्रांतिकारी सच्चाई को उजागर किया है। पक्षी केवल दिशा का अनुमान नहीं लगाते, बल्कि वे पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र को अपनी आंखों से देख सकते हैं। इस अद्भुत क्षमता के पीछे क्रिप्टोक्रोम नामक विशेष प्रोटीन है। यह प्रोटीन पक्षियों की रेटिना में पाया जाता है और नीली रोशनी के प्रति संवेदनशील होता है।

नेविगेशन के अन्य सहयोगी कारक

- सौर और नक्षत्र नेविगेशन : दिन में सूरज और रात में तारों की स्थिति
- घ्राण शक्ति : कुछ पक्षी गंध के जरिए अपने घोंसले पहचानते हैं।
- चोंच में आयरन : कई पक्षियों की चोंच में मैग्नेटाइट के कण पाए जाते हैं, जो चुंबकीय क्षेत्र की तीव्रता मापने में मैग्नेटोमीटर की तरह काम करते हैं।

यह कोई साधारण दृष्टि नहीं

यह क्वांटम भौतिकी के सिद्धांतों पर आधारित एक जटिल प्रक्रिया है। जब प्रकाश की किरणें पक्षी की आंख में प्रवेश करती हैं, तो क्रिप्टोक्रोम सक्रिय हो जाता है, जिससे उनके मस्तिष्क में एक दृश्य मानचित्र उभरता है। यह मानचित्र उन्हें उत्तर और दक्षिण दिशा के बीच के सूक्ष्म चुंबकीय अंतर को पहचानने में मदद करता है। कल्पना कीजिए कि आपके चश्मे पर एक ऐसी परत चढ़ी हो जो आपको हवा में तैरती अदृश्य रेखाएं दिखा दे, पक्षियों के लिए पृथ्वी का चुंबकीय क्षेत्र ठीक वैसा ही है। यह क्षमता उन्हें घने कोहरे या अंधेरी रातों में भी रास्ता भटकने नहीं देती। पक्षियों का यह 'जैविक जीपीएस' न केवल जीव विज्ञान, बल्कि भविष्य की नेविगेशन तकनीक के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बना हुआ है।

क्रिप्टोक्रोम क्या है

- क्रिप्टोक्रोम प्रोटीन का एक परिवार है जो पौधों से लेकर मनुष्यों तक लगभग सभी जीवित जीवों में पाया जाता है। पौधों में यह प्रकाश के प्रति प्रतिक्रिया देता है, जबकि मनुष्यों में यह हमारी सर्केडियन रिदम (सोने-जागने का चक्र) को नियंत्रित करता है। हालांकि पक्षियों (विशेषकर प्रवासी पक्षियों जैसे 'यूरोपीय रॉबिन') में क्रिप्टोक्रोम 4 नामक एक विशेष संस्करण विकसित हुआ है जो चुंबकीय संवेदनशीलता के लिए जिम्मेदार माना जाता है।

यह कैसे काम करता है

- क्वांटम एंटैंगलमेंट का खेल पक्षियों की दृष्टि साधारण कैमरों जैसी नहीं होती। क्रिप्टोक्रोम के भीतर होने वाली प्रक्रिया को रैडिकल पेयर मैकेनिज्म कहा जाता है।
- प्रकाश का प्रभाव : जब नीली रोशनी पक्षी की आंख पर पड़ती है, तो वह क्रिप्टोक्रोम के एक इलेक्ट्रॉन को उत्तेजित कर देती है।
- रैडिकल पेयर का निर्माण : यह उत्तेजना दो अलग-अलग अणुओं के बीच एक क्वांटम संबंध बनाती है।
- चुंबकीय प्रतिक्रिया : ये अणु पृथ्वी के अत्यंत कमजोर चुंबकीय क्षेत्र के प्रति भी बहुत संवेदनशील होते हैं। चुंबकीय क्षेत्र के कोण के आधार पर, इन अणुओं के रासायनिक गुणों में बदलाव आता है।
- दृश्य संकेत : मस्तिष्क इन रासायनिक परिवर्तनों को 'प्रकाश और छाया' के पैटर्न के रूप में पढ़ता है, जिससे पक्षी को दिशा का आभास होता है। है।

पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र

- पृथ्वी के ध्रुवों से निकलने वाली चुंबकीय रेखाएं पूरे ग्रह को घेरे रहती हैं। पक्षी इन रेखाओं की 'तीव्रता' और 'झुकाव' दोनों को महसूस कर सकते हैं।
- इन्क्लिनेशन कंपास : पक्षी यह पहचान लेते हैं कि चुंबकीय रेखाएं सतह के सापेक्ष किस कोण पर हैं।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष – आज दिन की शुरुआत अच्छी होगी। धन-संबंधी परेशानियों में घिरे रहेंगे। रात के समय सड़क यात्रा करने से बचें।

वृष – आज कार्यक्षेत्र के विघ्नों पर विजय प्राप्त कर लेंगे। प्रेम संबंधों में परस्पर समर्पण की भावना में वृद्धि होगी। घर में खुशियों का माहौल रहेगा।

मिथुन – आज व्यापार में अपेक्षा से अधिक लाभ प्राप्त होगा। विदेश यात्रा से धन लाभ मिलेगा। पाचन तंत्र में कुछ परेशानी हो सकती है।

कर्क – आज व्यर्थ के प्रपंचों से आपको दूर रहना चाहिए। शेयर और जोखिम भरे निवेशों से थोड़ी परेशानी होगी। यात्रा के कारण थकान रहेगी।

सिंह – आज व्यावसायिक क्षेत्र में नए विरोधी उभर सकते हैं। प्रेम संबंधों में शंका की भावना न पनपने दें। बच्चों की सेहत का ध्यान रखें।

कन्या – आज मांगलिक कार्यक्रम में सम्मिलित होने का अवसर मिलेगा। सरकारी नौकरी में कार्यभार बढ़ेगा।

तुला – आज आपके जीवनस्तर में वृद्धि होगी। वैवाहिक जीवन में प्रेमभाव बढ़ेगा। विरोधी भी आपकी प्रतिभा का उत्साह बढ़ाएंगे।

वृश्चिक – आज समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। अपने व्यवहार में लचीलापन रखें। संपत्ति के मामलों में विजय प्राप्त हो सकती है।

धनु – आज स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की संभावना बन रही है। नए दोस्तों पर अधिक विश्वास न करें। दूसरों के मामले में हस्तक्षेप न करें।

मकर – आज नकदी की समस्या दूर होने की संभावना है। व्यवसाय में धन-लाभ प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण वस्तुओं को संभालकर रखें।

कुंभ – आज आपकी सलाह दूसरों के लिए हितकारी रहेगी। आपकी कलात्मक क्षमताओं का विकास होगा। बच्चों के लिए कुछ उपहार ले सकते हैं।

मीन – आज नए कार्यों को आरंभ करने की योजना बना सकते हैं। आर्थिक हानि हो सकती है। आपकी प्रतिभा को सम्मान मिलेगा।

आज का पंचांग

-आचार्य मधुरेंद्र पांडेय
astrompandey@gmail.com

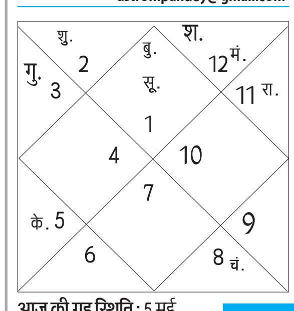

आज की ग्रह स्थिति : 5 मई, मंगलवार 2026 संवत-2083, शक संवत 1948 मास- ज्येष्ठ, पक्ष-कृष्ण पक्ष, चतुर्थी पूर्ण रात्रि।

दिशाशूल-उत्तर, **ऋतु**- ग्रीष्म।
चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, वृश्चिक, मकर, कुंभ।
ताराबल-अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-ज्येष्ठा 12.55 तक तत्पश्चात मूल।

सुडोकू - 139 का हल

8	7	9	2	4	6	1	3	5
6	5	3	7	9	1	4	8	2
1	2	4	3	8	5	6	9	7
4	8	2	5	7	9	3	6	1
5	3	1	6	2	8	7	4	9
7	9	6	1	3	4	2	5	8
9	1	7	4	5	3	8	2	6
3	6	5	8	1	2	9	7	4
2	4	8	9	6	7	5	1	3

सुडोकू -140

	4	6						
		7	5					4
		9		2		8		
4						7		8
			3		7			
5		8						2
		4		6		3		
8		3			9	4		6
	1					9	8	

प्रतिरक्षा तैयारी

प्रयागराज के न्यू कैंट क्षेत्र में नॉर्थ टेक सिंपोजियम के उद्घाटन कार्यक्रम में बोले रक्षामंत्री राजनाथ सिंह

ऑपरेशन सिंदूर ने दुनिया को दिखाई भारत की सैन्य क्षमताएं

नई दिल्ली/प्रयागराज, एजेंसी

प्रयागराज में आयोजित नॉर्थ टेक सिंपोजियम के दौरान रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, उत्तरी कमान के जेओसी लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा और अन्य।

ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ से कुछ दिन पहले सोमवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस अभियान को भारतीय सेना द्वारा उन्नत तकनीक का उपयोग करके आतंकी समूहों और उनके आकाओं पर निर्णायक प्रहार करने का एक अद्वितीय उदाहरण बताया।

प्रयागराज में न्यू कैंट क्षेत्र में आयोजित नॉर्थ टेक सिंपोजियम के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि सशस्त्र बलों ने धैर्य दिखाते हुए आतंकी ढांचे को नष्ट करने में दक्षता दिखाई। इस अभियान ने पूरी दुनिया को भारतीय सेना की क्षमताओं का एहसास कराया। भारत ने पिछले साल 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में सात मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था जिसका लक्ष्य पाकिस्तान के नियंत्रण वाले क्षेत्रों में स्थित आतंकी ढांचे को निशाना बनाना था। इन हमलों के कारण चार दिन तक भीषण सैन्य संघर्ष हुआ और इसे 10 मई को रोकने पर सहमति बनी। सिंह ने कहा कि हमारे सैनिकों ने आतंकवादियों और उनके आकाओं को जो निर्णायक जवाब दिया, उससे पूरा देश गौरवान्वित हुआ। अच्छी बात थी कि हमने धैर्य दिखाया और केवल आतंकवादियों को तबाह किया, अन्यथा, पूरी दुनिया जानती है कि हमारे सशस्त्र बल क्या करने में सक्षम हैं। रक्षा मंत्री ने इस अभियान को तकनीक के उपयोग का एक अनूठा उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि इस अभियान में आकाश और ब्रह्मोस जैसी उन्नत मिसाइल प्रणालियों के साथ-साथ कई नवीनतम उपकरणों का इस्तेमाल किया गया। सिंह ने कहा कि इससे साबित होता है कि हमारी सेनाएं बदलावों को समझती हैं और आत्मविश्वास के साथ उनका उपयोग करती हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि मौजूदा समय में प्रद्योगिकी जबरदस्त ढंग से बदल रही है और मानव इतिहास में शायद ही कभी इतनी अधिक तेजी से प्रौद्योगिकी बदली है।

अमेरिका में पार्टी में हुई गोलीबारी 12 लोग घायल

एडमंड। अमेरिका के ओक्लाहोमा सिटी के पास एक झील पर आयोजित पार्टी में रविवार रात हुई गोलीबारी में कम से कम 12 लोग घायल हो गए जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एडमंड पुलिस की प्रवक्ता एमिली वार्ड ने बताया कि रात करीब नौ बजे आर्केडिया झील के पास युवाओं के एक जमावड़े में गोली चलने की सूचना मिली। उन्होंने रविवार देर रात बताया कि अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। उन्होंने कहा, यह बेहद भयावह स्थिति है और हम जनता तथा प्रभावित लोगों की चिंता को समझते हैं।

गुजरात टाइटंस ने अभी तक अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं किया है, लेकिन इसके बावजूद वह मैच जीत रहा है और आईपीएल के प्लेऑफ में जगह बनाने की दौड़ में बना हुआ है।
–जेसन होल्डर

स्टेडियम

बरेली, मंगलवार, 5 मई 2026

अमृत विचार
www.amritvichar.com

IPL 2026
आज के मुकाबले

दिल्ली कैपिटल्स
बनाम
चेन्नई सुपर किंग्स
समय - शाम 7:30 बजे

रोहित-रिकेल्टन की तूफानी पारियों से मुंबई ने लखनऊ को 6 विकेट से हराया

आईपीएल-2026 : नॉकआउट में जगह बनाने की मामूली उम्मीदों को रखा जीवंत

मुंबई, एजेंसी

सलामी बल्लेबाजों रोहित शर्मा और रेयान रिकेल्टन के अर्धशतक और दोनों के बीच शतकीय साझेदारी से मुंबई इंडियंस ने आईपीएल की तालिका की सबसे निचले पायदान की दो टीम के बीच हुए मुकाबले में सोमवार को यहां लखनऊ सुपर जाएंट्स को छह विकेट से हराकर नॉकआउट में जगह बनाने की मामूली उम्मीदों को जीवंत रखा।

इस जीत से मुंबई के 10 मैच में तीन जीत से छह अंक हो गए हैं और टीम नौवें स्थान पर बनी हुई है। सुपर जाएंट्स की टीम लगातार छठी हार के बाद नौ मैच में चार अंक के साथ 10वें और अंतिम पायदान पर है। सुपर जाएंट्स के 229 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई इंडियंस ने चोट के बाद वापसी कर रहे रोहित (84 रन, 44 गेंद, छह चौके, सात छक्के) और रिकेल्टन (83 रन, 32 गेंद, छह चौके, आठ छक्के) के बीच पहले विकेट की 143 रन की तूफानी साझेदारी की बदौलत आठ गेंद शेष रहते चार विकेट पर 229 रन बनाकर आसान जीत दर्ज की।

निकोलस पूरन (63 रन, 21 गेंद, आठ छक्के, एक चौका) ने अर्धशतक जड़ने के अलावा सलामी बल्लेबाज मिचेल मार्श (44 रन, 25 गेंद, चार चौके, तीन छक्के) के साथ दूसरे विकेट के लिए 94 रन जोड़े जिससे सुपर जाइंट्स ने पांच विकेट पर 228 रन बनाए। हिम्मत सिंह (नाबाद 40, 31 गेंद, दो चौके, दो छक्के) और एडेन मारक्रम (नाबाद 31, 25 गेंद, एक छक्का, एक चौका) ने अंत में छठे विकेट के लिए 49 गेंद में 68 रन की अटूट साझेदारी करके टीम का स्कोर 200 रन के पार पहुंचाया लेकिन दोनों रन गति में इजाफा करने में नाकाम रहे। मुंबई की ओर से कोर्बिन बॉश सबसे सफल गेंदबाज रहे जिन्होंने 20 रन देकर दो विकेट चटकाए।

लक्ष्य का पीछा करने उतरे मुंबई इंडियंस को रिकेल्टन और रोहित ने शानदार शुरुआत दिलाई। रिकेल्टन ने मोहम्मद शमी पर दो चौकों के साथ शुरुआत की जबकि मोहसिन खान पर भी छक्का जड़ा। रिकेल्टन और रोहित ने शमी के अगले ओवर में भी छक्के मारे। रोहित ने आवेश की लगातार गेंदों पर दो चौकों और दो छक्कों के साथ पावर प्ले में टीम का स्कोर बिना विकेट खोए 71 रन तक पहुंचाया। रोहित और रिकेल्टन ने एम सिद्धार्थ (47 रन पर दो विकेट) का स्वागत भी छक्के के साथ किया। रिकेल्टन ने आवेश पर छक्के और एक रन के साथ 22 गेंद में अर्धशतक पूरा किया जबकि रोहित ने अगले ओवर में सिद्धार्थ पर छक्के के साथ 27 गेंद में अर्धशतक जड़ने के साथ नौवें ओवर में टीम के रनों का सैकड़ा भी पूरा किया।

रिकेल्टन ने 11वें ओवर में मोहसिन की दो छक्के और एक चौका मारा लेकिन इसी ओवर में जोश इंग्लिस को कैच दे बैठे जिससे सुपर जाएंट्स को पहली सफलता मिली। रिकेल्टन के आउट होने के बावजूद रोहित ने आक्रामक रुख जारी रखा और शमी तथा आवेश पर छक्के जड़े। वह हालांकि इसके बाद बाएं हाथ के स्पिनर सिद्धार्थ की गेंद पर शमी को कैच दे बैठे।

मुंबई इंडियंस के लिए तूफानी पारी के दौरान रोहित शर्मा (बाएं) और रेयान रिकेल्टन। एजेंसी

लखनऊ सुपर जाएंट्स

228/5 (20 ओवर)

मिचेल मार्श का नमन बो बॉश	44
जोश इंग्लिस का सूर्यकुमार बो गजनफर	13
निकोलस पूरन का रिकेल्टन बो बॉश	63
ऋषभ पंत का रिकेल्टन बो जैक्स	15
एडेन मार्करम नाबाद	31
अक्षत रघुवंशी का एवं बो रघु	11
हिम्मत सिंह नाबाद	40

अतिरिक्त : 11, **विकेट पतन** : 1–29, 1–123, 3–125, 4–148, 5–160, **गेंदबाजी** : चाहर 4–0–43–0, बुमराह 4–0–45–0, गजनफर 4–0–50–1, जैक्स 2–0–34–1, बॉश 2–0–20–2, रघु 4–0–36–1

मुंबई इंडियंस

229/4 (18.4 ओवर)

रेयान रिकेल्टन का इंग्लिस बो मोहसिन	83
रोहित शर्मा का शमी बो सिद्धार्थ	84
तिलक वर्मा का मारक्रम को सिद्धार्थ	11
सूर्यकुमार यादव का पूरन बो शमी	12
नमन धीर नाबाद	23
विल जैक्स नाबाद	10

अतिरिक्त : 06, **विकेट पतन** : 1–143, 2–177, 3–189, 4–213, **गेंदबाजी** : शमी 4–0–53–1, मोहसिन 4–0–47–1, प्रिंस 3–0–24–0, आवेश 3.4–056–0, सिद्धार्थ 4–0–47–2

हमने 10 से 15 रन कम बनाए : ऋषभ पंत

लखनऊ सुपर जाइंट्स के कप्तान ऋषभ पंत ने जिस तरह से हमने शुरुआत की थी हमें निश्चित रूप से और अधिक रन बनाने चाहिए थे। उन्होंने अच्छी गेंदबाजी की। निश्चित रूप से हम 10 से 15 रन पीछे रह गए।

अंक तालिका

	टीम	मैच	जीते	हारे	रद्द	अंक	नेट रन रेट
1.	पंजाब किंग्स	9	6	2	1	13	0.855
2.	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	9	6	3	0	12	1.420
3.	सनराइजर्स हैदराबाद	10	6	4	0	12	0.644
4.	राजस्थान रॉयल्स	10	6	4	0	12	0.510
5.	गुजरात टाइटंस	10	6	4	0	12	–0.147
6.	चेन्नई सुपर किंग्स	9	4	5	0	8	0.005
7.	दिल्ली कैपिटल्स	9	4	5	0	8	–0.895
8.	कोलकाता नाइट राइडर्स	9	3	5	1	7	–0.539
9.	मुंबई इंडियंस	10	3	7	0	6	–0.649
10.	लखनऊ सुपर जाएंट्स	9	2	7	0	4	–1.076

ऑरेंज कैप

- अभिषेक शर्मा हैदराबाद –440 रन
- केएल राहुल दिल्ली–433 रन
- हेनरिक क्लासेन हैदराबाद–425 रन

पर्पल कैप

- भुवनेश्वर कुमार बेंगलुरु–17 विकेट
- अंशुल कंबोज चेन्नई–17 विकेट
- कगिसो रबाडा गुजरात–16 विकेट

मुंबई इंडियंस ने बीच में बदला कप्तान पंड्या की छुट्टी ! रोहित शर्मा की वापसी

मुंबई, एजेंसी

खराब फॉर्म से जूझ रहे मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या सोमवार को पीठ में जकड़न के कारण लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ अपनी टीम के करो या मरो के इंडियन प्रीमियर लीग मैच से बाहर हो गए जबकि रोहित शर्मा की टीम में वापसी हुई है। भारत के टी20 अंतरराष्ट्रीय कप्तान सूर्यकुमार यादव टॉस के लिए आए और बताया कि वह बीमार पंड्या की जगह कप्तानी की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। टीम के बयान में कहा गया हार्दिक पंड्या पीठ में खिंचाव के कारण अस्वस्थ हैं इसलिए आज के मैच के लिए कप्तान सूर्यकुमार यादव हैं। कप्तान और खिलाड़ी के तौर पर पंड्या के लिए आईपीएल 2026 भुला देने वाला रहा है क्योंकि पिछले साल ग्रुप चरण में चौथे स्थान पर रहने के बाद मुंबई इंडियंस अब टूर्नामेंट से बाहर होने की कगार पर है। मुंबई ने

अब तक अपने नौ मैच में से दो जीते हैं और सात गंवाए हैं। पंड्या ने मौजूदा सत्र में अब तक 186 रन बनाए हैं और चार विकेट लिए हैं। बीमार होने के कारण पंड्या इससे पहले दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ भी एक मैच नहीं खेल पाए थे जिसमें टीम की कप्तानी सूर्यकुमार ने की थी। इस बीच रोहित का नाम टीम सूची में 'इंपैक्ट सब' खिलाड़ियों में शामिल है। रोहित 12 अप्रैल के बाद पहली बार टीम में वापसी कर रहे हैं।

हाईलाइट

मियामी फॉर्मूला वन ग्रैंड प्रिक्स ऑटो रेस के बाद विनर्स पोडियम पर दूसरे स्थान पर रहने वाले ब्रिटेन के मैकलारेन ड्राइवर लैंडो नोरिस (बाएं), पहले स्थान पर रहने वाले इटली के मर्सिडीज ड्राइवर किमी एंटोनेली (दाएं से दूसरे) और तीसरे स्थान पर रहने वाले ऑस्ट्रेलिया के मैकलारेन ड्राइवर ऑस्कर पियास्त्री (दाएं)। एजेंसी

चोटिल फिल साल्ट स्वदेश लौटे

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट पिछले महीने उंगली में लगी चोट का स्कैन कराने के लिए इंग्लैंड लौट गए हैं। इस चोट के कारण साल्ट आरसीबी के पिछले तीन मैचों में नहीं खेल पाए थे। उनकी जगह उनके हमवतन जैकब बेथेल ने विराट कोहली के साथ पारी का आगाज किया। यह 29 वर्षीय खिलाड़ी 18 अप्रैल को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच के दौरान डीप बैकवर्ड स्क्वायर लेग पर बाउंड्री बचाने के लिए डाइव लगाते समय चोटिल हो गया था। उनकी बाएं हाथ की उंगली में चोट लग गई थी। ईसीबी (इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड) से अनुबंधित साल्ट इंग्लैंड के टीम प्रबंधन के अनुरोध पर स्वदेश लौट गए हैं और उनकी उंगली का स्कैन किया गया है।

भारतीय मुक्केबाजों की अच्छी शुरुआत

ताशकंद। भारत के युवा मुक्केबाजों ने सोमवार को यहां एशियाई मुक्केबाजी अंडर-15 और अंडर-17 चैंपियनशिप 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपना दबदबा बनाए रखा। अंडर-17 लड़कों की प्रतियोगिता में यश यादव (50 किग्रा) ने तुर्कमेनिस्तान के सुलेमान अहमदोव पर 5–0 से शानदार जीत दर्ज की जबकि करुणा अल्बर्टसन कोम (60 किग्रा) ने ताजिकिस्तान के अली नजारोव के खिलाफ 4–1 से जीत हासिल कर सभी को प्रभावित किया। गोपाल रामेश्वर गणेशो (52 किग्रा) का मुकाबला काफी कड़ा रहा और वे ताजिकिस्तान के नजरॉव दामिर से 2–3 के मामूली अंतर से हार गए। प्रशांत मिश्रा (57 किग्रा) को भी चीन के तांगजी लियू के खिलाफ 0–5 से शिकस्त झेलनी पड़ी। अंडर-15 लड़कियों के क्वार्टर फाइनल में खुशी राणा (49 किग्रा) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए वियतनाम की थी नगोक टुक गुयेन के खिलाफ पहले ही दौर में रैफरी के मुकाबला रोकने (आरएससी) से जीत हासिल की।

भारतीय तीरंदाजों के सामने शंघाई विश्व कप में कड़ी चुनौती

शंघाई, एजेंसी

भारतीय तीरंदाज मंगलवार से यहां शुरू होने वाले विश्व कप के दूसरे चरण में खराब योजना, दिशाहीनता और पूर्णकालिक विदेशी कोच की अनुपस्थिति से घिरे माहौल में उतर रहे हैं। इस विश्व कप में मजबूत टीमों की मौजूदगी और इस साल होने वाले एशियाई खेलों को देखते हुए भारत की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। जापान के ऐची-नागोया में 19 सितंबर से चार अक्टूबर तक होने वाले एशियाई खेल तेजी से नजदीक आ रहे हैं, लेकिन भारत की तैयारी बिल्कुल भी भरोसेमंद नहीं दिख रही है।

सत्र की शुरुआत मेक्सिको में हुए विश्व कप के पहले चरण से हुई, जहां भारतीयों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। भारत के लिए एकमात्र सकारात्मक पहलू महिलाओं की कंपाउंड टीम का स्वर्ण पदक था। दक्षिण कोरिया जैसी दिग्गज टीम की अनुपस्थिति के बावजूद भारतीय रिकर्व तीरंदाज उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे। यह प्रदर्शन हकीकत का आईना साबित हुआ, जहां तरुणदीप राय, अतनु दास, धीरज बोम्मादेवरा, दीपिका कुमारी और अंकिता भकत जैसे बड़े नाम भी पदक दौर तक नहीं पहुंच सके। पुरुष रिकर्व टीम पहले ही दौर में बाहर हो गई। महिला टीम ने शुरुआती मुकाबला जीता, लेकिन क्वार्टर फाइनल में तुर्की से हार गई। व्यक्तिगत स्पर्धा में देश की सबसे सफल तीरंदाज दीपिका कुमारी दूसरे दौर में ही बाहर हो गईं, जबकि अंकिता, सिमरनजीत कौर और कुमकुम मोहोड़ तीसरे दौर से आगे नहीं बढ़ सकीं। निराशाजनक प्रदर्शन के बावजूद भारतीय तीरंदाजी महासंघ ने शुरुआती विश्व कप के इस चरण के लिए भी वही टीम बरकरार रखी है। एशियाई खेलों और आगामी विश्व कप चरणों के लिए चयन ट्रायल 15 मई से सोनीपत में प्रस्तावित हैं। शंघाई में एक बार फिर भारत को अनुभवी लेकिन फॉर्म से जूझ रहे खिलाड़ियों पर निर्भर रहना होगा।

- **खराब योजना, दिशाहीनता और पूर्णकालिक विदेशी कोच की अनुपस्थिति से जूझ रही टीम**

भारतीय टीम

रिकर्व पुरुष : तरुणदीप राय, अतनु दास, धीरज बोम्मादेवरा और यशदीप भोगे। **रिकर्व महिला** : दीपिका कुमारी, अंकिता भकत, सिमरनजीत कौर और कुमकुम मोहोड़। **कंपाउंड पुरुष** : अभिषेक वर्मा, कुशल दलाल, ओजस देवताले और साहिल जाधव। **कंपाउंड महिला** : ज्योति सुरेखा वेन्नम, अदिति स्वामी, प्रगति और मधुरा धमांगांवकर।

घरेलू मैदान का लाभ लेना चाहेगा दिल्ली

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली कैपिटल्स को अपने घरेलू मैदान पर लगातार तीन हार झेलने के सिलसिले को खत्म करने के लिए मंगलवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ होने वाले मैच में खेल के तीनों विभाग में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। दिल्ली और चेन्नई दोनों टीम के नौ मैचों में आठ-आठ अंक हैं। अब जबकि उनके पांच मैच बचे हुए हैं तब छोटी सी गलती भी भारी पड़ सकती है। दिल्ली कैपिटल्स ने लगातार तीन हार के बाद शुक्रवार को जयपुर में खेले गए मैच में महत्वपूर्ण जीत हासिल की थी। उसने इससे पहले जो तीन मैच गंवाए थे उनमें से दो हार उसे घरेलू मैदान पर मिलीं थी।

कोटला में पंजाब किंग्स के खिलाफ उसकी टीम 264 रन के स्कोर का बचाव नहीं कर पाई थी जबकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ उसके बल्लेबाज नहीं चल पाए थे। इससे पहले दिल्ली को कोटला में गुजरात टाइटंस से भी एक रन से हार का सामना करना पड़ा था। सीएसके के खिलाफ मैच से पहले दिल्ली के लिए सबसे बड़ी सकारात्मक बात यह है कि सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका अपनी लय में आ गए हैं। केएल राहुल अच्छी फॉर्म में हैं, जबकि ट्रिस्टन स्टब्स और स्टार्क के आने से उसका गेंदबाजी आक्रमण मजबूत हुआ है।

जयपुर में अपने आखिरी ओवर में तीन छक्के खाने के बाद कुलदीप यादव अपने प्रदर्शन में सुधार करना चाहेंगे। वह अभी तक टूर्नामेंट में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। उन्होंने नौ मैचों में केवल सात विकेट लिए हैं और प्रति ओवर 10.26 रन लुटाए हैं। डेथ ओवरों के विशेषज्ञ टी नटराजन का भी इकोनॉमी रेट अच्छा नहीं है। उन्होंने नौ मैचों में केवल पांच विकेट लिए हैं। उतार-चढ़ाव भरे दौर के बावजूद कप्तान अक्षर पटेल शांत और व्यावहारिक बने रहने में कामयाब रहे हैं। अक्षर ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ जीत के बाद कहा था, आपको हर दिन अभ्यास करते रहना होगा। आप हमेशा परिस्थितियों को बदल सकते हैं।

अभ्यास सत्र के दौरान दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल। एजेंसी

- **चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मुकाबला आज**

टीम

दिल्ली कैपिटल्स : अभिषेक पोरेल, केएल राहुल, नीतीश राणा, समीर रिजवी, ट्रिस्टन स्टब्स, अक्षर पटेल, आशुतोष शर्मा, दुष्मंथा चमीरा, कुलदीप यादव, मुकेश कुमार, विपराज निगम, मिचेल स्टार्क, डेविड मिलर, औकिब नबी डार, पथुम निसांका, लुंगी एनगिडी, साहिल पारख, पृथ्वी साव, काइल जैमीसन, त्रिपुराना विजय, माधव तिवारी, अजय जादव मंडल, करुण नायर, टी नटराजन।

चेन्नई सुपर किंग्स : रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), डेवाल्ड ब्रेविस, एमएस धोनी, उर्विल पटेल, संजू सैमसन, शिवम दुबे, रामकृष्ण घोष, आयुष म्हात्रे, श्रेयस गोपाल, जेमी ओवरटन, अंशुल कंबोज, गुरजपनीत सिंह, मुकेश चौधरी, नूर अहमद, अकील होसेन, प्रशांत वीर, मैथ्यू शॉर्ट, सरफराज खान, मैट हेनरी, राहुल चाहर, जैकरी फॉल्क्स, स्पेंसर जॉनसन, कार्तिक शर्मा, अमन खान।

विशेष शिविर

आयरलैंड के गोलकीपिंग विशेषज्ञ डेविड विलियम्सन ने दिए टिप्स

महिला हॉकी टीम की गोलकीपरों का निखरा कौशल

बेंगलुरु, एजेंसी

भारतीय महिला हॉकी टीम की गोलकीपरों सविता, बिचू देवी खारिबाम, बंसरी सोलंकी और माधुरी किंडो ने आयरलैंड के डेविड विलियम्सन द्वारा आयोजित एक विशेष गोलकीपिंग शिविर में हिस्सा लिया।

यह शिविर मुख्य कोच शोर्ड मारिन की देखरेख में आयोजित किया गया था और दो मई को यहां साइ (भारतीय खेल प्राधिकरण) केंद्र में समाप्त हुआ। कोका-कोला इंडिया फाउंडेशन के 'आनंदना' के सहयोग से आयोजित यह 11 दिवसीय शिविर 22 अप्रैल को शुरू हुआ था जिसमें गोलकीपरों को केंद्रित और उच्च-प्रदर्शन वाला प्रशिक्षण दिया गया। विलियम्सन उत्तरी आयरलैंड के एक अत्यंत अनुभवी फील्ड हॉकी कोच और पूर्व खिलाड़ी हैं। वह एक जाने-माने गोलकीपिंग विशेषज्ञ हैं जिन्होंने अमेरिकी महिला राष्ट्रीय टीम के साथ बड़े पैमाने पर काम किया है। सीनियर गोलकीपरों सविता, बिचू देवी, बंसरी और माधुरी ने इन सत्र में भाग लिया जिससे उन्हें तकनीकी बुनियादी बातों, निर्णय लेने की क्षमता, रक्षात्मक पहलुओं और मैच की स्थितियों में रणनीतिक जागरूकता पर गहनता से ध्यान केंद्रित करने का अवसर मिला।

यह ऐसे समय में हुआ जब टीम आगामी अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर में होने वाली प्रमुख प्रतियोगिताओं की तैयारी कर रही है।

बहुत कुछ सीखने को मिला : सविता

गोलकीपरों के लिए ऐसे केंद्रित शिविरों के लाभ के बारे में बात करते हुए सविता ने कहा, एक गोलकीपर होने के नाते मैंने हमेशा यह अनुभव किया है कि इस तरह के शिविर आपको बहुत कुछ सीखने में मदद करते हैं। साथ ही आपके कौशल को निखारते और बेहतर बनाते हैं। हम ट्रेनिंग के दौरान मैच जैसी स्थितियां बनाते हैं और उन पर खूब चर्चा करते हैं। इसलिए ये विशेष शिविर हमेशा महत्वपूर्ण होते हैं। शिविर में अपने अनुभव को साझा करते हुए सविता ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि उन्होंने युवा गोलकीपरों का मार्गदर्शन करने की भूमिका को किस तरह अपनाया।

इंटर मिलान ने इटालवी लीग का खिताब जीता

मिलान। इंटर मिलान ने परमा को 2-0 से हराकर तीन दौर के मैच शेष रहते ही इटालवी लीग फुटबॉल टूर्नामेंट सीरी ए का खिताब अपने नाम कर लिया।

इंटर मिलान को ट्रॉफी हासिल करने के लिए केवल एक ड्रॉ की जरूरत थी। उसने परमा पर जीत से 2025 के चैंपियन और दूसरे स्थान पर काबिज नेपोली पर 12 अंकों की अजेय बढ़त बना ली है। यह इंटर मिलान का 21वां सीरी ए खिताब है। वह सर्वाधिक खिताब जीतने के मामले में युवेंटस (36) के बाद दूसरे स्थान पर है।

इंटर मिलान की तरफ से पहला गोल पहले हाफ में मार्कस थुरम ने किया जबकि 37 वर्षीय हेनरिक मखितार्यान ने 80वें मिनट दूसरा गोल दागा।

शीर्ष टेनिस खिलाड़ियों ने फ्रेंच ओपन की पुरस्कार राशि पर नाखुशी जताई

पेरिस, एजेंसी

नोवाक जोकोविच, यानिक सिनर, एरीना सबालेंका और कोको गॉफ सहित कई प्रमुख खिलाड़ियों ने फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट की पुरस्कार राशि को लेकर 'अपनी गहरी निराशा' व्यक्त की है। यह क्ले कोर्ट ग्रैंड स्लैम प्रतियोगिता इस महीने के आखिर में पेरिस में शुरू होगी। खिलाड़ियों का कहना है कि उनकी कुछ अन्य मांगें भी हैं जिन पर आयोजकों ने ध्यान नहीं दिया है। इनमें बेहतर प्रतिनिधित्व, स्वास्थ्य और पेंशन शामिल हैं।

खिलाड़ियों की यह मांग तब आई जब फ्रेंच ओपन के आयोजकों ने पिछले महीने घोषणा की थी कि रोलां गैरां पर खेले जाने वाले टूर्नामेंट की पुरस्कार राशि में लगभग 10 प्रतिशत बढ़ोतरी की गई है, जिससे कुल पुरस्कार राशि 61.7 मिलियन यूरो (72.1 मिलियन अमेरिकी डॉलर) हो गई है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 5.3 मिलियन यूरो अधिक है। फ्रेंच ओपन 24 मई से शुरू होगा। पुरुष और महिला एकल चैंपियन को 28 लाख यूरो और उपविजेता खिलाड़ियों को 14 लाख यूरो मिलेंगे। सेमीफाइनल में पहुंचने वालों को सात लाख 50 हजार यूरो जबकि पहले दौर में हारने वाले खिलाड़ियों को 87000 यूरो मिलेंगे। पुरुष और महिला युगल विजेताओं को 600,000 यूरो और मिश्रित युगल चैंपियन को 122,000 यूरो मिलेंगे। खिलाड़ियों ने हालांकि बयान में कहा असली आंकड़े बिल्कुल अलग कहानी बयां करते हैं। टूर्नामेंट के आयोजकों के अनुसार फ्रेंच ओपन ने 2025 में 395 मिलियन यूरो का राजस्व प्राप्त किया, जो उससे पिछले वर्ष की तुलना में 14 प्रतिशत अधिक था। इसके बावजूद पुरस्कार राशि में केवल 5.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

खिलाड़ियों की मांग

खिलाड़ियों ने सोमवार को जारी बयान में कहा फ्रेंच ओपन टूर्नामेंट के राजस्व में खिलाड़ियों की हिस्सेदारी 2024 में 15.5 प्रतिशत से घट गई है और 2026 में इसके 14.9 प्रतिशत रहने की संभावना है।